नई दिल्ली

शुक्रवार 30 जनवरी 2026

माघ मास शुक्ल पक्ष,
द्वादशी वर्ष : 29, अंक : 287
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 19
न्यून. 07

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सोने और चांदी की कीमतों की उड़ान जारी

चांदी 19500 बढ़कर चार लाख रुपए के पार

नई दिल्ली। चांदी और सोने की कीमतें थमने का नाम नहीं ले रहीं। देश की राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में भी गुरुवार को चांदी चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम के पार कर गई। सोना भी 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ▸▸शेष पेज 5 पर

भारत को मैराथन और स्प्रिंट दोनों एक साथ दौड़नी होंगी, या मैराथन को स्प्रिंट की तरह दौड़ना होगा : आर्थिक समीक्षा

देश में अनिश्चितता के दौर में उद्यमशीलता नीति निर्माण की दिशा में गहन बदलाव की आवश्यकता है: मंत्री सीतारमण

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा बृहस्पतिवार को संसद में प्रस्तुत आर्थिक समीक्षा 2025-26 की प्रस्तावना में तर्क दिया गया है कि देश को अनिश्चितता के दौर में उद्यमशील नीति निर्माण की दिशा में गहन बदलाव की आवश्यकता है। एक ऐसा देश जो अनिश्चितता के उभरने से पहले ही कार्रवाई कर सके, जोखिम से बचने के बजाय उसका ढांचा तैयार करे, प्रयोगों से व्यवस्थित रूप से सीखे और निष्क्रियता के बिना सही दिशा में आगे बढ़े। दूसरे शब्दों में, समीक्षा स्पष्ट रूप से कहती है, भारत को एक ही समय में मैराथन और स्प्रिंट दौड़ना होगा, या मैराथन को स्प्रिंट की तरह दौड़ना होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' यानी इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश किया। इस सर्वे में बताया गया है वित्त वर्ष 2026-2027 में जीडीपी ग्रोथ 6.8% से 7.2% के आसपास में रहने का अनुमान है। सर्वे में इस बात पर जोर दिया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में एग्रीकल्चर ग्रोथ 3.1% रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024-25 में अनाज की पैदावार 3,320 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जिससे महंगाई को काबू में रखने में काफी मदद मिली है।

वित्त वर्ष 2026-2027 में जीडीपी ग्रोथ 6.8% से 7.2% के आसपास में रहने का अनुमान

घरेलू नवाचार को सक्षम बनाएंगे

प्रस्तावना में कहा गया है कि यह कोई अमूर्त आकांक्षा नहीं है और आगे कहा गया है कि भारत में इस दृष्टिकोण के तत्व व्यवहारिक तौर पर दिखने लगे हैं: सेमीकंडक्टर और हरित हाइड्रोजन के लिए मिशन-मोड प्लेटफॉर्म की स्थापना से लेकर, अपनी तरह के पहले घरेलू नवाचार को सक्षम बनाने के लिए सार्वजनिक खरीद के पुनर्गठन तक, और देशों के स्तर पर विनियमन समझौतों तक जो निरीक्षण-आधारित नियंत्रण को विश्वास-आधारित अनुपालन से प्रतिस्थापित करते हैं। ये इस बात के शुरुआती संकेत हैं कि अनुपालन से क्षमता की ओर बढ़ने पर एक उद्यमशील राज्य कैसा दिखता है। आर्थिक समीक्षा में ▸▸शेष पेज 5 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक सर्वेक्षण को बताया भारत की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' का प्रतिबिंब

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारत की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' की व्यापक तस्वीर पेश करता है और वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद देश की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट के माध्यम से कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण में मजबूत मैक्रो-आर्थिक आधार, सतत विकास की गति और राष्ट्र निर्माण में नवाचार, उद्यमिता तथा बुनियादी ढांचे की बढ़ती भूमिका को प्रमुखता से उजागर किया गया है। उन्होंने कहा कि ये सभी तत्व भारत की आर्थिक मजबूती और भविष्य की दिशा को स्पष्ट करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट में समावेशी विकास के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण किसानों, एमएसएमई, युवाओं के रोजगार और सामाजिक ▸▸शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

एनसीपी ने दिए संकेत सुनेत्रा हो सकती हैं अजित की 'उत्तराधिकारी'

मुंबई। महाराष्ट्र में डिप्टी सीएम अजित पवार की प्लेन हादसे में मौत के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा उत्तराधिकारी बन सकती हैं। एनसीपी के दो दिग्गज नेताओं प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल ने ऐसे ही संकेत दिए हैं। सुनेत्रा महायुति सरकार में नई डिप्टी सीएम बन सकती हैं। वे अभी राज्यसभा की सदस्य हैं। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और पार्टी के दिग्गज नेता छगन भुजबल के अनुसार भाजपा को सुनेत्रा पवार को डिप्टी सीएम बनाने का प्रस्ताव सौंपा जाएगा। अगर वह डिप्टी सीएम बनती हैं तो वह अजित पवार की बारामती सीट से लड़कर विधायक बन जाएंगी। एनसीपी के दोनों नेताओं ने सुनेत्रा पवार से मुलाकात में उन्हें डिप्टी सीएम बनने का आग्रह किया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र विधानसभा में 41 विधायक हैं। पवार फैमिली से राजनीति में आधा दर्जन लोग सीधे तौर पर सक्रिय हैं। इनमें शरद पवार जहां सबसे बड़े हैं, तो वहीं सुनेत्रा पवार इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। वह बारामती में सुप्रिया सुले के सामने चुनाव लड़ चुकी हैं, हालांकि तब वह हार गई थीं, लेकिन इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य बना दिया था।

बड़ा फैसला

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, फिलहाल '2012' वाले नियम लागू

कोर्ट बोला-हमें 'जातिविहीन' समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रहे हैं?

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट में इन विनियमों को सामान्य वर्गों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। ऐसे में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगी दी। अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं।

कोर्ट के कहा कि नए यूजीसी नियमों का दुरुपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रहे हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा ▸▸शेष पेज 5 पर

नए यूजीसी नियम अस्पष्ट हैं... इनका हो सकता है दुरुपयोग

लखनऊ में यूजीसी का विरोध

पीठ ने केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी किया

अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी

क्या है यूजीसी का नया नियम?

13 जनवरी को यूजीसी की ओर से समता विनियम 2026 लाया गया. उच्च शिक्षा नियंत्रक शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को खत्म करने के मकसद से यह लाया गया, लेकिन इसे लेकर देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। नए नियम को सभी विश्वविद्यालयों को लागू करना होगा और कैसे लागू करना है, इसके लिए भी यूजीसी ने पूरा खाका तैयार किया है।

जाति-आधारित भेदभाव को अलग से क्यों परिभाषित किया गया?

कोर्ट ने केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि फिलहाल वह नियमों पर रोक लगा रहे हैं। केंद्र से पूछा कि जब भेदभाव की परिभाषा में पहले से सभी तरह के भेदभावपूर्ण व्यवहार शामिल हैं तो जाति-आधारित भेदभाव को क्यों अलग से परिभाषित किया गया है। कोर्ट यह जानना चाहता है कि क्या नई नियमावली के विवादित नियमों को इस तरीके से लिखा जा सकता है, जो कि समावेशी और सब के साथ न्याय करने वाला हो।

भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को उस वक्त गुस्सा आ गया, जब प्रस्ताव दिया गया कि अलग-अलग जातियों के लिए हॉस्टल भी अलग-अलग होने चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि ये कैसी बातें हो रही हैं, हम सबके साथ हॉस्टल में रहा करते थे और अब तो ▸▸शेष पेज 5 पर

यूजीसी के नए नियमों से देशभर में आक्रोश

दरअसल, यूजीसी रेगुलेशन, 2026 को 23 जनवरी, 2026 को नोटिफाई किया गया था। जिसे लेकर पूरे देश में आक्रोश फैल गया। जिसके बाद इसे कई याचिकाकर्ताओं ने मनमाना, भेदभावपूर्ण और संविधान के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन एक्ट, 1956 का उल्लंघन बताते हुए चुनौती दी। यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन के खिलाफ याचिकाएं मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान ने दायर की हैं। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ये नियम सामान्य वर्गों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे बैठक की अध्यक्षता

'भारत-अरब देशों के विदेश मंत्रियों' की दूसरी बैठक की कल मेजबानी करेगा भारत

शनिवार को बैठक से पहले मेहमान देशों के सभी विदेश मंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करेंगे शिष्टाचार मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ और कई भागों में जारी सैन्य संघर्षों के बीच भारत इस सप्ताह शनिवार को 'भारत-अरब देशों के विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक (आईएएफएमएम)' की मेजबानी करेगा। 31 जनवरी को बैठक वाले दिन अरब देशों के विदेश मंत्री सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त रूप से शिष्टाचार भेंट करेंगे और उसके बाद उनकी औपचारिक बैठक की शुरुआत होगी। जिसकी अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

साझेदारी को मजबूत बनाने पर होगा जोर : मंत्रालय के मुताबिक, इस वर्ष एक दशक के बाद यह ▸▸शेष पेज 5 पर

सभी 22 अरब देशों की होगी भागीदारी

भारत की मेजबानी में होने वाली इस बैठक में सभी 22 अरब देशों की भागीदारी देखने को मिलेगी। जिसमें उनके विदेश मंत्री, अन्य मंत्री, राज्य मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। इसके पूर्व में 30 जनवरी को भारत-अरब देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की चौथी बैठक भी होगी। यहां बता दें कि अरब राष्ट्र वे राष्ट्र हैं। जहां अरबी भाषा बोली जाती है। इनमें यूएई, सऊदी अरब, मिस्र, इराक, अल्जीरिया, बहरीन, कोमोरोस, जिबूती, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मोरक्को, ओमान, फिलिस्तीन, कतर, सोमालिया, सूडान, सीरिया, ट्यूनीशिया, यमन और मॉरिटानिया जैसे देश शामिल हैं।

2002 के एमओयू की अहम भूमिका

मंत्रालय ने कहा कि भारत और अरब देशों के बीच एक उच्च-स्तरीय तंत्र की मदद से साझेदारी आगे बढ़ रही है। जिसकी नींव मार्च 2002 में भारत और अरब देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के जरिए रखी गई थी। यह एक प्रकार से संवाद को संस्थागत तंत्र के माध्यम से आगे बढ़ाने की प्रक्रिया थी। जिसके करीब सात साल बाद 2008 में अरब लीग के महासचिव अम्र मूसा की भारत यात्रा के दौरान एक एमओयू पर हस्ताक्षर करने के साथ ही इंडिया-अरब सहयोग मंच की स्थापना की गई। जिसमें 2013 में ढांचागत संगठन को लेकर जरूरी समीक्षा के साथ बदलाव किए गए। भारत 22 देशों की अरब लीग में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल है।

यह समझौता आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक

अंतरराष्ट्रीय मीडिया और वैश्विक प्रमुखों ने भारत-ईयू एफटीए की पुरजोर प्रशंसा की

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के पूर्ण होने पर दुनिया भर में, अंतरराष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक व्यापार प्रमुखों और सम्मानित नीति विशेषज्ञों ने मज़बूत और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक, रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया

दुनिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने भारत-ईयू एफटीए की व्यापकता, महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समय का उल्लेख किया है। द टेलीग्राफ ने जेम्स क्रिस्प के मोदी इज़ द रियल विनर इन मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स ▸▸शेष पेज 5 पर

'हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का सीएम डॉ. मोहन यादव से 'सार्थक संवाद'

सार्थक संवाद

आज मप्र की बेरोजगारी दर सबसे कम.. साढ़े 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश जमीन पर उतरे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव का कहना है कि प्रदेश बीते दो सालों में बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। आप चैटजीपीटी खोलकर देखें। बहुत कुछ पता चल जाएगा। राज्य में जहां प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 42 हजार रुपए थी, अब बढ़कर 1 लाख 56 हजार हो गई है। कुछ राज्यों को छोड़ दें तो आज मप्र की बेरोजगारी दर सबसे कम रही है। कह सकते हैं कि मात्र एक से डेढ़ प्रतिशत ही बेरोजगारी दर बची है। आने वाले पांच सालों में भी प्रदेश का बजट दो गुना होने वाला है। जिस राज्य में जीआईएस 30 प्रतिशत जमीन पर उतर जाए वो बड़ी कामयाबी के तौर पर देखी जा सकती है। साढ़े 8 लाख करोड़ के निवेश जमीन पर उतरे हैं। डॉ. यादव ने यह बातें 'हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से विशेष साक्षात्कार कार्यक्रम 'सार्थक संवाद' में कहीं। उनसे पूरी बातचीत।

सुपर एक्सक्लूसिव

ये भी कहा सीएम डॉ.यादव ने

- राज्य में जहां प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 42 हजार रुपए थी, अब बढ़कर 1 लाख 56 हजार हो गई
- आने वाले पांच सालों में भी प्रदेश का बजट दो गुना होने वाला है ▸▸शेष पेज 5 पर

ये है पूरी बातचीत

सवालः बीते दो साल डेढ़ माह में डॉ. मोहन यादव कितने बदले हैं?

जवाबः आज से 40 साल पहले भोपाल की पहचान यूनियन कार्बाइड की एक भीषण त्रासदी से होती थी। हजारों लोग मारे गए और उसके जिम्मेदार एंडरसन को भगाने में कांग्रेस के सिर पर उसका पाप रहा है। यहां तक कि सालों साल उसका कचरा हमारे यहां पड़ा रहा। न्यायिक प्रक्रिया के चलते बीस साल तक हमारी सरकारें भी परेशान रहीं। इस कचरे के निष्पादन करने मप्र को कामयाबी मिली है।

सवालः कॉन्क्लेव बहुत होतीं है पर निवेश नहीं होता है आपका अनुभव क्या कहता है?

जवाबः जिस राज्य में जीआईएस 30 प्रतिशत जमीन पर उतर जाए वो बड़ी कामयाबी के तौर ▸▸शेष पेज 5 पर

साइकिल सवार को ट्रक ने कुचला, मौत

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के चिराग दिल्ली इलाके में गुरुवार सुबह सड़क हादसे में एक शख्स की जान चली गई। हादसा उस वक्त हुआ जब एक साइकिल सवार सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे साइकिल सवार को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक की गति इतनी अधिक थी कि चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और साइकिल सवार को सीधे रौंद दिया। मिली जानकारी के अनुसार टकराव के बाद साइकिल और सवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। इस हादसे में साइकिल सवार की मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। हादसे के बाद ट्रक चालक तुरंत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक पर लापरवाही और दुर्घटना के लिए मामला दर्ज किया है। स्थानीय पुलिस ट्रक चालक की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस को मृतक के पास से पहचान स्थापित करने वाला कोई दस्तावेज नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स अस्पताल में रखा गया है। यह घटना दिल्ली में भारी वाहनों की गति और सुरक्षा पर चिंताएं बढ़ाती है। स्थानीय लोगों ने व्यस्त चिराग दिल्ली चौराहे पर भारी वाहनों की वजह से होने वाली जानलेवा घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। इस हादसे के बाद ट्रैफिक सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की मांग उठ रही है।

नरेला झाड़ियों में मिला युवक का शव

टहलने निकले 23 वर्षीय युवक की गला रेतकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में अपने घर से टहलने निकले एक युवक की गला रेतकर हत्या का मामला सामने आया है। युवक का शव बुधवार को बवाना सेक्टर-5 के ब्लॉक ई की झाड़ियों में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया है। मृतक युवक का नाम विक्की बताया गया है और वह 26 जनवरी से लापता था। शुरुआती तौर पर हत्या के पीछे आपसी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। मृतक के सहकर्मियों, पड़ोसियों और परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार विक्की अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ छोटी मेट्रो विहार इलाके में रहता था। वह मूल रूप से बिहार के दरभंगा जिले के घनश्यामपुर गांव का रहने वाला था। मृतक के भाई नीरज का कहना है कि विक्की नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करता था। 26 जनवरी को छुट्टी थी। वह घर पर था। रात करीब 8 बजे उसने अपने पिता से कहा कि वह टहलने जा रहा है। लेकिन वह पूरी रात घर नहीं लौटा। 27 जनवरी को उन्होंने विक्की के दोस्तों और रिश्तेदारों से उसके बारे में जानकारी जुटाई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बुधवार को वे नरेला इंडस्ट्रियल एरिया के पुलिस स्टेशन गए और विक्की की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। दो घंटे बाद पुलिस ने उन्हें बताया कि विक्की का शव बवाना सेक्टर-5 की झाड़ियों में मिला है। उन्होंने शव की पहचान अपने भाई विक्की के रूप में की। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पहाड़गंज के होटल में आग लगी, तीन लोग घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ तीन घायलों समेत आठ लोगों को करवाया रेस्क्यू

मध्य दिल्ली के पहाड़गंज स्थित एक होटल में बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात आग लग जाने से तीन लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई गई है। घायलों के नाम विनोद (36), वसंत कुमार (38) और हितेश कुमार (36) हैं। घटना में विनोद 70 प्रतिशत जल चुका है, जबकि वसंत और हितेश क्रमशः 10 और पांच प्रतिशत जले हैं। इसके साथ ही पुलिस ने कई लोगों को रेस्क्यू करवाया। दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) को रात तीन बजकर पांच मिनट पर पांच मंजिला एक इमारत में आग लगने के संबंध में सूचना मिली थी। डीएफएस की गाड़ियां व स्टाफ मौके पर पहुंचा। आग होटल के भूतल पर लगी थी। कुल आठ लोगों को परिसर से सुरक्षित निकाल लिया गया। इनमें तीन घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तड़के चार बजकर 25 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया था।

डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि जब आग लगी, तो पुलिस सबसे पहले मौके पर पहुंची। नबी करीम थाने की पुलिस ने बहादुरी का परिचय देते हुये आग में फंसे हुए लोगों को बचाकर एक बड़ी घटना होने से रोकी। पुलिस ने बताया कि आग पहाड़गंज के होटल पल्लवी पैलेस में लगी थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो धुएं और आग की लपटों के बीच कई लोग फंसे हुए थे। पास के होटल के रास्ते पुलिसकर्मियों ने छत से साहसी बचाव अभियान शुरू किया और दमकल की मदद से आठ लोगों को सुरक्षित बचाया। इनमें तीन घायल लोगों को तुरंत मेडिकल सहायता दी गई। आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई है। मौके पर 11 फायर टेंडर पहुंचे थे। होटल के अधिकांश मेहमान तीसरी और चौथी मंजिल पर फंसे हुए थे, जिससे उन्हें निकालना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। कुछ मेहमान बालकनी पर भी फंसे हुए पाए गए, जो पास के होटल चंचल की बालकनी पर कूदने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन घने धुएं और आग फैलने के कारण भाग नहीं पा रहे थे। असाधारण साहस और सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए कांस्टेबल फेरू, कांस्टेबल संजय और कांस्टेबल मुकुल ने एक साहसी बचाव योजना बनाई। आग के दौरान अपने कमरों में सो रहे दो मेहमानों को दरवाजे तोड़कर बचाया गया।

सोशल मीडिया पर दोस्ती करके महंगे तोहफे और विदेशी मुद्रा भेजने के बहाने ठगी

■ नाइजीरियाई सरगना व नाबालिग समेत चार पकड़े

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर लोगों से दोस्ती करके महंगे तोहफे और विदेशी मुद्रा भेजने के बहाने ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का उत्तरी जिले की साइबर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। सिंडिकेट का सरगना एक नाइजीरियाई है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दोस्त ढूंढ रहे अकेले लोगों को निशाना बनाता था। एक महिला से आरोपी ने 4.20 लाख रुपये की ठगी की थी। अलग-अलग हिस्सों में छापेमारी कर नाइजीरियाई सरगना और एक नाबालिग सहित कुल चार आरोपियों को पकड़ा गया है। डीसीपी राजा बंथिया के अनुसार जांच के दौरान एनसीआरपी पोर्टल पर इसी तरह की 10 शिकायतें भी इन लोगों के खिलाफ दर्ज पाई गईं। ठगों से 22 मोबाइल फोन, एक डेबिट कार्ड, यूके के तीन सिम समेत 14 सिम कार्ड व एक नोटबुक बरामद की गई हैं। बरामद मोबाइल फोन पर कई देशों के व्हाट्सएप अकाउंट चलते हुए पाए गए। इसके अलावा बरामद डिवाइस में कई फर्जी फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट के साथ कई मैट्रिमोनियल एप्लिकेशन इंस्टॉल थे। पुलिस को बुराड़ी की रहने वाली 40 वर्षीय महिला से शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 8 अप्रैल 2025 को उसे एक व्हाट्सएप मैसेज मिला। भेजने वाले ने खुद को नितिन पटेल बताया। उससे दोस्ती करने की इच्छा जताई। कुछ दिनों तक उन्होंने व्हाट्सएप के जरिए बातचीत की। बाद में उसने बताया कि वह तोहफे के तौर पर एक पार्सल भेज रहा है जिसमें एक महंगी अंगूठी, दो बैग, एक जोड़ी जूते और 50 हजार पाउंड कैश हैं। 16 अप्रैल को उसे एक अलग मोबाइल नंबर से एक और व्हाट्सएप मैसेज मिला कि पार्सल दिल्ली एयरपोर्ट पर आ गया है और उसे लेने के लिए 40 हजार देने होंगे। उसने पेमेंट कर दिया। इसके बाद उसे अलग-अलग बहाने जैसे लेट फीस, ट्रांसपोर्ट चार्ज, क्लीयरेंस चार्ज वगैरह के नाम पर और पेमेंट मांगने वाले कई मैसेज मिले, जिनका पेमेंट भी उसने कर दिया। 20 मई को उसे एक मैसेज मिला, जिसमें भेजने वाले ने झूठा दावा किया कि वह मुंबई एयरपोर्ट पर एक पुलिस अधिकारी है और शिकायतकर्ता को धमकी दी कि एक नितिन पटेल को 1 लाख पाउंड के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पांच स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ जांच के बाद निकली अफवाह

राजधानी में गुरुवार सुबह पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिये मिली। घंटों चले तलाशी अभियान और जांच पड़ताल के बाद धमकी अफवाह साबित हुई। एक दिन पहले द्वारका कोर्ट को भी इसी प्रकार की धमकी दी गई थी।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, इन धमकियों के बारे में उन्हें सुबह करीब 8.30 बजे सूचना मिली जिसके बाद कई सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और परिसरों की व्यापक तलाशी ली गयी। डीएफएस ने पुष्टि की कि दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित लॉरेटो कॉन्वेंट, चित्तरंजन पार्क के डॉन बोस्को तथा आनंद निकेतन और द्वारका में स्थित कार्मल कॉन्वेंट स्कूल परिसरों को धमकियां मिली थी। वहीं, दिल्ली के लोधी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय ने अभिभावकों को एक संदेश भेजकर घटना के बारे में सूचित कर दिया था। इसी के साथ पुलिस और दमकल विभाग को भी सूचना दी थी जिसके बाद सभी स्कूलों के परिसरों को खाली कराकर जांच की गई। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने कहा कि धमकी अफवाह साबित हुई है। स्कूलों की तरफ से कहा गया कि छात्रों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी आवश्यक मानक प्रक्रियाओं का पालन किया गया। शुक्रवार को कक्षाएं सामान्य रूप से चलेंगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि परिसरों की जांच के लिए स्थानीय पुलिस कर्मियों, बम निरोधक दस्तों और श्वान दस्तों को तैनात किया गया था। कुछ स्कूलों में छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि धमकियों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

आर्थिक सर्वेक्षण वैश्विक मंदी के बीच भारत की विकास क्षमता और मजबूती का संकेत देता है : कैट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण को वैश्विक मंदी के बीच भारत की विकास क्षमता और मजबूती का संकेत बताया। खंडेलवाल ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था की एक आत्मविश्वास पूर्ण और विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करता है। आगामी वर्ष के लिए 6.8 प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान अत्यंत सराहनीय है, विशेषकर ऐसे समय में जब विश्व की अधिकांश अर्थव्यवस्था मंदी, महंगाई के दबाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं का सामना कर रही हैं। खंडेलवाल ने कहा कि प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत की निरंतर विकास गति देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद, विवेकपूर्ण नीतिगत निर्णयों और सुधारोन्मुख शासन व्यवस्था को दर्शाती है। आर्थिक सर्वेक्षण इस तथ्य को और सुदृढ़ करता है कि भारत आज भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यह उत्साहजनक प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रत्यक्ष परिणाम है, जिनके संरचनात्मक सुधारों, अवसंरचना विस्तार, विनिर्माण को बढ़ावा, एमएसएमई सशक्तिकरण तथा ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस पर विशेष ध्यान ने भारत को एक मजबूत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था में परिवर्तित किया है। खंडेलवाल ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण आगामी केंद्रीय बजट के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है और व्यापारियों, एमएसएमई, निवेशकों तथा नागरिकों के बीच यह विश्वास मजबूत करता है कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

दिल्ली मेट्रो फेज़-पांच (ए) के तहत केंद्रीय सचिवालय बनेगा ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन

नई दिल्ली। परियोजना के तहत स्वीकृति मिलने के साथ केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन को ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इस बारे में डीएमआरसी के प्रधान अधिशासी निदेशक कॉर्पोरेट संचार अनुज दयाल ने बताया कि दिल्ली मेट्रो फेज -पांच (ए) के तहत केंद्रीय सचिवालय ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन बनेगा। इससे दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मेट्रो नेटवर्क की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी तथा यात्रियों को अधिक सुविधा प्राप्त होगी। दयाल के अनुसार वर्तमान में, केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन येलो लाइन और वायलेट लाइन के बीच एक महत्वपूर्ण इंटरचेंज है। सेंट्रल दिल्ली के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत हजारों कर्मचारी प्रतिदिन इस स्टेशन का उपयोग कर पाएंगे। इसकी मंजूरी के साथ, केंद्रीय सचिवालय स्टेशन येलो लाइन, वायलेट लाइन और मजेंटा लाइन एक्सटेंशन (सेंट्रल विस्टा कॉरिडॉर-आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ) को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इस कनेक्टिविटी के माध्यम से सभी कर्तव्य भवनों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जिससे इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों तथा आगंतुकों को सीधे आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। दयाल का कहना है कि इससे प्रतिदिन लगभग 60 हजार कार्यालय कर्मचारी एवं 2 लाख आगंतुक लाभान्वित होंगे।

दिल्ली सरकार का मेगा सोलर अभियान स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेज कदम

रेखा सरकार की नीति से सोलर को बढ़ावा, घरों और उद्योगों को दोहरा लाभ

दिल्ली सरकार का सोलर विस्तार: बिल घटेगा, बचत बढ़ेगी बिजली भी, बचत भी, रेखा सरकार का सोलर मिशन

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राजधानी में मेगा सोलराइजेशन ड्राइव को तेज किया है। राष्ट्रीय स्तर पर चल रही हरित ऊर्जा पहलों के अनुरूप यह अभियान दिल्ली के आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, सरकारी और कृषि क्षेत्रों में सौर ऊर्जा संयंत्रों को बढ़ावा देकर स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है। वर्तमान में दिल्ली की स्थापित सौर क्षमता 407 मेगावाट दर्ज की गई है, जिसे बढ़ाने पर दिल्ली सरकार विशेष जोर दे रही है।

'1 लाख तक की सब्सिडी'

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार की सौर नीति और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दिल्ली के घरेलू उपभोक्ताओं को 3 किलोवाट सोलर पीवी सिस्टम पर 1,08,000 तक की सब्सिडी मिल रही है। दिल्ली सरकार 3 किलोवाट तक के संयंत्रों के लिए 3 प्रति यूनिट और 3 से 10 किलोवाट तक के संयंत्रों के लिए 2 प्रति यूनिट की जनरेशन-बेस्ड इंसेंटिव पाँच वर्षों के लिए दे रही है। नेट मीटरिंग से दिल्ली के उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में कमी के साथ अतिरिक्त ऊर्जा से आय की संभावना भी बन रही है।

'ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर दिल्ली'

दिल्ली सरकार ने सरकारी भवनों के सोलराइजेशन को प्राथमिकता दी है। अब तक 1,718 सरकारी भवनों पर सौर संयंत्र लगाए जा चुके हैं, जिनकी कुल क्षमता 143 मेगावाट है। दिल्ली सरकार की पावर जनरेशन कंपनी **IPGCL** इस कार्य को मिशन मोड में आगे बढ़ा रही है। हाल के महीनों में 130 भवनों का सोलराइजेशन हुआ है, जबकि 450 से अधिक भवनों पर कार्य प्रगति पर है।

'कृषि भूमि पर सोलर लगाने के लिए NOC जरूरी नहीं'

दिल्ली सरकार ने कृषि भूमि पर ऊंचे सौर संयंत्र लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (**NOC**) की अनिवार्यता समाप्त की है। इससे खेती और ऊर्जा उत्पादन साथ-साथ संभव होगा और दिल्ली के किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलेगा। समूह नेट मीटरिंग और वर्चुअल नेट मीटरिंग ढांचे के तहत दिल्ली के विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ता भी लाभान्वित होंगे।

'कमर्शियल और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए इंसेंटिव'

दिल्ली सरकार वाणिज्यिक और औद्योगिक (**C&I**) उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा उत्पादन पर पाँच वर्षों के लिए 1 प्रति यूनिट की जनरेशन-बेस्ड इंसेंटिव दे रही है। एग्रीवोल्टिक्स परियोजनाओं के माध्यम से दिल्ली के उद्योगों को किफायती सौर ऊर्जा तक पहुंच मिल रही है। वर्तमान में हरित ऊर्जा दिल्ली की कुल बिजली आवश्यकता का लगभग एक-तिहाई पूरा कर रही है। दिल्ली सरकार इस हिस्सेदारी को लगातार बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

दिल्ली में सोलर लगाने पर सब्सिडी

* 1 किलोवाट सोलर प्लांट — 40,000
* 2 किलोवाट सोलर प्लांट— 80,000
* 3 किलोवाट या उससे ज्यादा- 1,08,000 तक सब्सिडी
* 4 सोसाइटी (**GHS/RWA**) में सोलर प्लांट लगाने पर — 20,000 प्रति किलोवाट, अधिकतम 10 लाख तक की सब्सिडी

DBT से भुगतान सीधे खाते में

ऑनलाइन आवेदन कैसे करें?

https://pmsuryaghar.gov.in पर जाकर **PM Surya Ghar** पोर्टल पर रजिस्टर करें।

सोलर सिस्टम लगाने के लिए एक अधिकृत वेंडर (कंपनी) चुनें। चुना हुआ वेंडर आपकी तरफ से **DISCOM** पोर्टल पर आगे की प्रक्रिया पूरी करेगा, जिसमें सब्सिडी से जुड़ा काम भी शामिल है।

दिल्ली सरकार का मेगा सोलराइजेशन ड्राइव

भारत सरकार की ग्रीन एनर्जी पहल के अनुरूप, दिल्ली सरकार पूरे दिल्ली में मेगा सोलराइजेशन ड्राइव को आगे बढ़ा रही है। दिल्ली में यह पहल शहर के हर हिस्से को शामिल करती है, जिसमें आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, सरकारी और कृषि भूमि पर सौर संयंत्रों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने अगले एक वर्ष में सौर क्षमता को 750 मेगावाट तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

वर्तमान स्थापित सौर क्षमता: 407 मेगावाट

आवासीय भवन: पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

भारत सरकार की पीएम सूर्यघर योजना और दिल्ली सौर ऊर्जा नीति के तहत, उपभोक्ताओं को 3 किलोवाट सोलर पीवी सिस्टम पर 1,08,000 की सरकारी सब्सिडी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, दिल्ली सरकार सौर ऊर्जा उत्पादन पर जनरेशन-बेस्ड इंसेंटिव (**GBI**) देती है—3 किलोवाट तक के संयंत्रों के लिए 3 प्रति यूनिट और 3 किलोवाट से 10 किलोवाट तक के संयंत्रों के लिए 2 प्रति यूनिट, जो पाँच वर्षों की अवधि के लिए लागू है। यह प्रोत्साहन लगभग 900 प्रति माह एक 3 किलोवाट सौर संयंत्र के लिए होता है। उपभोक्ताओं को नेट मीटरिंग का लाभ भी मिलता है, जिससे उनकी मासिक बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आती है। साथ ही, वे अतिरिक्त सौर ऊर्जा उत्पादन से वार्षिक आधार पर अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकते हैं।

सरकारी भवन

दिल्ली सरकार सभी संभावित सरकारी भवनों और कार्यालयों का सोलराइजेशन करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में, दिल्ली के 1,718 सरकारी भवनों का सोलराइजेशन किया जा चुका है, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 143 मेगावाट है। इंद्रप्रस्थ पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (**IPGCL**), जो कि दिल्ली सरकार की पावर जनरेशन कंपनी है, सभी संभावित सरकारी भवनों की छतों पर सौर संयंत्र स्थापित कर रही है। पिछले दो महीनों में 130 सरकारी भवनों का सोलराइजेशन किया गया है, और 450 से अधिक सरकारी भवनों में सोलराइजेशन का कार्य प्रगति पर है।

25 किलोवाट सौर संयंत्र, दिल्ली जल बोर्ड रिठाला

कृषि सौर (एग्रीवोल्टिक्स): कृषि भूमि पर सौर संयंत्रों को बढ़ावा देने के लिए, दिल्ली सरकार ने ऊंचे सौर संयंत्रों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (**NOC**) की आवश्यकता समाप्त कर दी है, जिससे कृषि गतिविधियाँ सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ जारी रह सकती हैं। यह पहल किसानों को सौर ऊर्जा से अतिरिक्त और सुनिश्चित आय का स्रोत प्रदान करेगी, साथ ही दिल्ली के बाहरी क्षेत्रों में कृषि परिदृश्य को संरक्षित रखेगी। कम लागत वाली सौर ऊर्जा की उपलब्धता समूह नेट मीटरिंग (**GNM**) और वर्चुअल नेट मीटरिंग (**VNM**) ढाँचे के तहत सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को लाभान्वित करेगी।

110 किलोवाट एग्रीवोल्टिक संयंत्र, कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा

वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ता: वाणिज्यिक और औद्योगिक (**C&I**) उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा उत्पादन पर पाँच वर्षों की अवधि के लिए 1 प्रति यूनिट का जनरेशन-बेस्ड इंसेंटिव (**GBI**) उपलब्ध है। इसके अलावा, **C&I** उपभोक्ता एग्रीवोल्टिक्स सौर परियोजनाओं का लाभ उठाकर कृषि भूमि आधारित संयंत्रों के माध्यम से किफायती सौर ऊर्जा तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। ग्रीन एनर्जी वर्तमान में दिल्ली की बिजली आवश्यकता का एक-तिहाई पूरा कर रही है। दिल्ली सरकार आने वाले एक वर्ष में शहर की सौर ऊर्जा क्षमता को 750 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

DIP/Shabdarth/Advertorial/0122/25-26

'सड़क, ड्रेनेज और बुनियादी सुविधाओं के लिए बजट की कमी नहीं होने देंगे'

यमुनापार क्षेत्र विकास बोर्ड की बैठक में 728 करोड़ की योजनाओं के प्रस्ताव पारित : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित यमुनापार क्षेत्र विकास बोर्ड की बैठक में करीब 728 करोड़ रुपये की योजनाओं के प्रस्ताव पारित किए गए। इस बात की जानकारी बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की एक तिहाई आबादी वाले यमुनापार क्षेत्र में विकास की गति को प्रभावी रूप से बढ़ाने के लिए यमुनापार क्षेत्र विकास बोर्ड (टीवाईएडीबी) ने प्रभावी कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री का कहना है कि यमुनापार के विकास के लिए बजट में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। साथ ही, बोर्ड के सदस्यों को निर्देश दिया कि आवश्यकता के आधार पर योजनाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, यमुनापार क्षेत्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष व विधायक अरविंदर सिंह लवली सहित बोर्ड के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ट्रांस-यमुना क्षेत्र का विकास दिल्ली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का लक्ष्य यमुनापार को इतना विकसित करना है कि लोग यहां आना और यहां रहना स्वयं पसंद करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में संतुलन बेहद जरूरी है। केवल सौंदर्यीकरण ही नहीं, बल्कि नागरिकों की बुनियादी आवश्यकताओं जैसे सड़कें, जल निकासी व्यवस्था, जलभराव की समस्या और सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि पिछली सरकार के कार्यकाल में बोर्ड को पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया गया था, जिसकी वजह से यमुनापार का विकास पूरी तरह ठप हो गया था और क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने जितने भी कामों की संस्तुति की है, वे सभी कार्य करवाए जाएंगे और इसके लिए बजट की कमी नहीं होने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए खराब सड़कों, ड्रेनेज और जलभराव की समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों से प्रतिदिन हजारों लोग गुजरते हैं, उनकी स्थिति में तत्काल सुधार आवश्यक है ताकि आम जनता को असुविधा और दुर्घटनाओं से बचाया जा सके।

यमुनापार के साथ हुआ विकास का अन्याय अब होगा खत्म : कपिल

कैबिनेट मंत्री पिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा इस बोर्ड को पुनः सक्रिय करना यमुनापार के विकास की दिशा में ऐतिहासिक और निर्णायक कदम है। लंबे समय तक यमुनापार को विकास से वंचित रखा गया, जबकि यहां की आबादी और आवश्यकताएं लगातार बढ़ती रहीं। अब इस असंतुलन को दूर करने का ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस स्तर पर कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान दिल्ली के कुछ हिस्सों में बुनियादी ढांचे का विकास हुआ, उसी स्तर का विकास अब यमुनापार क्षेत्र में भी किया जाएगा। सड़कों, ड्रेनेज, सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यटन से जुड़े कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि यमुनापार क्षेत्र दिल्ली के प्रमुख विकसित क्षेत्रों में शामिल हो सके।

प्रस्तावों पर तेजी से होगा काम, जनता को मिलेगा सीधा लाभ : लवली

बोर्ड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यमुनापार क्षेत्र के विकास के लिए सभी विधायकों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यह सामूहिक प्रयास यमुनापार क्षेत्र की बुनियादी तस्वीर बदलने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इन प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

सूरजकुंड मेला-2026 : डीटीसी की विशेष बस सेवा होगी शुरू : पंकज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आगामी सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2026 को देखते हुए दिल्ली सरकार ने मेले के दौरान बड़ी संख्या में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुनिश्चित करने के लिए विशेष डीटीसी बस सर्विस शुरू करने का फैसला किया है। देश के बड़े सांस्कृतिक और हस्तशिल्प मेले में से एक सूरजकुंड मेला हर साल लाखों देशी-विदेशी पर्यटकों, कारीगरों, परिवारों को आकर्षित करता है। इस बात की जानकारी दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दी है।

मंत्री पंकज ने बताया कि पर्यटकों की यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने और प्राइवेट परिवहन द्वारा ज्यादा किराया वसूलने और भीड़भाड़ से होने वाली परेशानी को रोकने के लिए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) 31 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक एक्सपेरिमेंट के तौर पर एक खास रूट पर विशेष तौर से बसें चलाएगा। परिवहन विभाग ने इंटर-स्टेट बस ऑपरेशन को आसान बनाने के लिए हरियाणा ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के साथ औपचारिक रूप से संवाद किया है, क्योंकि मेला ग्राउंड हरियाणा सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस व्यवस्था के तहत डीटीसी बदरपुर बॉर्डर मेट्रो स्टेशन से लेकर सूरजकुंड मेला ग्राउंड के बीच लगभग 4 किलोमीटर के रूट पर दो इलेक्ट्रिक 9-मीटर वाली बसें चलाएगी। यह बस रूट बदरपुर मेट्रो स्टेशन, बदरपुर बॉर्डर, राजीव गांधी स्टेडियम, पुल प्रह्लादपुर, सूरजकुंड चौक और मानव रचना स्कूल से होकर मेला ग्राउंड तक संचालित होगी, जिससे मेट्रो से आने वाले यात्रियों को लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। यह बस सर्विस पूरे दिन रेगुलर अंतराल पर चलेगी। बदरपुर बॉर्डर मेट्रो स्टेशन से सूरजकुंड मेला तक बसें रोजाना सुबह 10 बजे, 10:20 बजे, 10:40 बजे , 11:00 बजे, 11:20 बजे, 11:40 बजे, 12:35 पीएम, 12:55 पीएम, 1:15 पीएम, 1:35 पीएम, 1:55 पीएम, 2:15 पीएम और 2:35 पीएम पर संचालित होगी।

काम में लापरवाही पर जल बोर्ड के चार अधिकारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने प्रशासनिक अनियमितताओं, शिकायत निवारण में देरी और पर्यवेक्षण में कमी से जुड़ी जन शिकायतों के आधार पर किया निलंबित

दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने गुरुवार को तीन जोनल राजस्व अधिकारी और एक असिस्टेंट सब ऑफिसर को प्रशासनिक अनियमितताओं, शिकायत निवारण में देरी और पर्यवेक्षण में कमी से जुड़ी जन शिकायतों के आधार पर निलंबित कर दिया। जल मंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जवाबदेही को मजबूत करने और जनसेवा की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने राजेंद्र नगर, कन्हैया नगर और अशोक विहार के जोनल राजस्व अधिकारियों के साथ कन्हैया नगर के असिस्टेंट सब ऑफिसर (एएसओ) को प्रशासनिक अनियमितताओं, शिकायत निवारण में देरी और पर्यवेक्षण में कमी से जुड़ी जन शिकायतों के आधार पर निलंबित कर दिया।

इन क्षेत्रों के निवासियों द्वारा सेवाओं की कार्यप्रणाली और शिकायतों के निस्तारण को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई थीं, जिसके बाद मंत्री प्रवेश ने स्वयं कार्यालयों की कार्यप्रणाली और जमीनी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान प्रवेश साहब सिंह ने उपस्थिति अभिलेखों, शिकायत रजिस्टरों और कार्यप्रणालियों की जांच कर विभागीय मानकों के अनुपालन का आकलन किया। समीक्षा के आधार पर तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की गई और वरिष्ठ अधिकारियों को जवाबदेही सुनिश्चित करने एवं सुधारात्मक कदम उठाने के लिए विभागीय कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को संबोधित करते हुए जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि सरकारी कार्यालयों का उद्देश्य अनुशासन, जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ जनता की सेवा करना है।

कर्तव्य या निगरानी में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख़्त कार्रवाई की जाएगी। जवाबदेही से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार की जन-केंद्रित शासन व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि हर अधिकारी अपने क्षेत्र की सेवाओं और कार्यप्रणाली के लिए उत्तरदायी होगा। किसी भी चूक को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

गांवों में हाउस टैक्स स्वीकार नहीं, एमसीडी नेताओं को ग्रामीणों की दो टूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सिविक सेंटर में हुई बैठक, पालम 360 पंचायत के अध्यक्ष सुरेंद्र सोलंकी ने रखा गांवों का पक्ष

■ लाल डोरा और विस्तारित लाल डोरा इलाके पूरी तरह हाउस टैक्स फ्री हों : सोलंकी

दिल्ली के 360 गांवों के लाल डोरा और विस्तारित लाल डोरा इलाकों के हाउस टैक्स माफी के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक एमसीडी मुख्यालय, सिविक सेंटर में हुई। मेयर राजा इकबाल सिंह, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन सत्य शर्मा और सदन के नेता प्रवेश वाही की उपस्थिति में हुई इस बैठक में पालम 360 सकल पंचायत के प्रमुख सुरेंद्र सोलंकी ने गांव के मुद्दों को रखा। सोलंकी ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही, जिसमें सिविक बॉडी के नेताओं ने गांवों के पक्ष में जल्द ही समाधान का आश्वासन दिया।

बैठक में सोलंकी ने ग्रामीण इलाकों के प्रतिनिधियों के साथ मेयर राजा इकबाल सिंह, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन सत्य शर्मा और सदन के नेता प्रवेश वाही को बताया कि हाल ही में दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में मेयर के साथ एक मीटिंग हुई थी, जिसमें इस बात पर सहमति बनी थी कि दिल्ली के गांवों के पक्ष में जल्द ही समाधान पर काम किया जाएगा।

सोलंकी ने कहा कि पिछली सरकार ने भी दिल्ली के गांवों को राहत देने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसे लागू करने में देरी हुई, और कुछ भी लागू नहीं हुआ, लेकिन अब गांव की आबादी मौजूदा सरकार से जल्द ही राहत की उम्मीद कर रही है। पालम 360 खाप प्रमुख ने पूरे ग्रामीण इलाके की ओर से नगर निगम के नेताओं को साफ संदेश दिया है कि वे लाल डोरा और विस्तारित लाल डोरा इलाकों में किसी भी हाउस टैक्स पर सहमत नहीं होंगे, जैसा कि पहले चर्चा हुई थी। सोलंकी के अनुसार यह कल की घटना के बाद हुआ है जब स्टैंडिंग कमेटी ने उक्त लाल डोरा इलाकों में 200 वर्ग मीटर तक के प्लॉट के लिए हाउस टैक्स माफी का प्रस्ताव दिया था, जिस पर गांव के प्रतिनिधि सहमत नहीं हुए हैं ।

खाप प्रमुख ने बताया कि एमसीडी ने लगभग 25 साल पहले दिल्ली के गांवों में 100 वर्ग मीटर तक के प्लॉट को टैक्स में राहत देने की बात कही थी, लेकिन ग्रामीणों ने इसे स्वीकार नहीं किया था। इस बीच, सोलंकी ने कहा कि पूरे ग्रामीण इलाके को राहत का आश्वासन दिया गया था और उसने राष्ट्रीय राजधानी के गांव क्षेत्रों की सभी 28 सीटों पर मौजूदा सरकार को पूरा समर्थन दिया था।

चौधरी सुरेंद्र सोलंकी के साथ बैठक में चौधरी नरेश (लाडो सराय 96), सुरेश शौकीन (नांगलोई 8), राजीव बेनीवाल, राम कुमार राणा, आज़ाद शौकीन, रोहताश और अन्य शामिल थे।

कचरा फैलाने पर रोक के लिए एनडीएमसी ने शुरू किया 'प्लास्टिक एक्सचेंज अभियान'

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने चिंतन के सहयोग से सरोजिनी नगर मार्केट में गुरुवार को 'प्लास्टिक एक्सचेंज अभियान' की शुरुआत की, जो एनडीएमसी क्षेत्र में सतत अपशिष्ट प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य खरीदारों और दुकानदारों को प्लास्टिक कचरे का जिम्मेदारी से आदान-प्रदान करने के लिए प्रेरित करना, कचरा फैलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना तथा बाजार परिसर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाए रखना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को प्लास्टिक कचरे को पृथक कर लौटाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि उसका उचित पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग सुनिश्चित हो सके और वह सड़कों, नालों एवं सार्वजनिक स्थलों पर न पहुंचे। एनडीएमसी अध्यक्ष केशव चंद्र के नेतृत्व में परिषद शहरी स्वच्छता एवं पर्यावरणीय स्थिरता को बेहतर बनाने हेतु नवाचारी एवं जनभागीदारी आधारित पहलें लगातार कर रही है। एनडीएमसी अध्यक्ष ने कहा कि उच्च स्वच्छता मानकों की प्राप्ति तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में बेहतर रैंक हासिल करने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर एनडीएमसी सलाहकार (एसडब्ल्यूएम) राजीव कुमार जैन के साथ स्वच्छता विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा चिंतन एनजीओ के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। उन्होंने दुकानदारों एवं आगंतुकों से संवाद कर सिंगल-यूज प्लास्टिक को कम करने और जिम्मेदार निपटान की आदतों को अपनाने के लिए जागरूक किया।

विकसित भारत-2047 की यात्रा में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की महत्वपूर्ण भूमिका: आशीष सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विकसित भारत–2047 की यात्रा में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की भूमिका महत्वपूर्ण है। ओपन और डिस्टेंस लर्निंग कोई द्वितीयक विकल्प नहीं, बल्कि भूगोल, आय और परिस्थितियों की सीमाओं से मुक्ति का एक सशक्त माध्यम है, जो बिना दीवारों के सीखने और आजीवन शिक्षा के मार्ग खोलता है। यह बातें गुरुवार को दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली के विज्ञान भवन में ओपन, डिस्टेंस, डिजिटल एवं ब्लेंडेड लर्निंग में उभरते रुझानों और चुनौतियों पर आधारित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ओडीडीबीएल 2026 को संबोधित करते हुए कही। इस सम्मेलन का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के अंतर्गत डिपार्टमेंट ऑफ डिस्टेंस एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद, नीति-निर्माता, शिक्षा-नेता, शोधकर्ता और प्रैक्टिशनर भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र की प्रमुख उपलब्धियों में सीओएल रेडियो तथा सीओएल ग्राम ग्रीवांस पोर्टल का शुभारंभ और सम्मेलन कार्यवाही पुस्तक का विमोचन शामिल रहा। ये पहलें डिजिटल आउटरीच, शिक्षार्थी सहभागिता, प्रौद्योगिकी-आधारित शिकायत निवारण तथा शैक्षणिक शोध के प्रसार के प्रति स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

'शक्ति संवाद' कार्यक्रम को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

फास्ट ट्रैक कोर्ट, अत्याधुनिक कैमरों और लाइटों से सुरक्षित होगी दिल्ली : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा फास्ट ट्रैक कोर्ट, अत्याधुनिक कैमरों और लाइटों से सुनिश्चित होगी। यह बात गुरुवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत मंडपम में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) द्वारा आयोजित 'शक्ति संवादः दो दिवसीय क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सुरक्षा के क्षेत्र में 10 हजार अत्याधुनिक कैमरे और एक लाख स्मार्ट एलईडी लाइटें लगाई जा रही हैं।

न्याय की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 53 नए न्यायिक पदों को स्वीकृति देकर फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के गठन का मार्ग प्रशस्त किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आई महिला आयोगों की अध्यक्षों, सदस्यों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे। इस अवसर पर एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन श्रीमती विजया रहाटकर, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव बी. राधिका चक्रवर्ती समेत आयोग की अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के उद्देश्य लीगल अवेयरनेस, ग्रीवेंस रिड्रेसल, पॉलिसी कंसल्टेशन और क्षमता निर्माण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास देश की करोड़ों बेटियों में साहस और आत्मविश्वास जगाने का माध्यम बनेंगे। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा, उनका आर्थिक सशक्तिकरण और निर्णय व नेतृत्व में उनकी सहभागिता जैसी तीन प्रमुख प्राथमिकताओं पर सामूहिक रूप से कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार द्वारा महिलाओं के लिए उठाए गए ठोस कदमों का उल्लेख करते हुए बताया कि महिलाओं को नाइट शिफ्ट में कार्य करने की अनुमति दी गई है, बशर्ते सुरक्षा मानकों का पालन हो। कामकाजी महिलाओं, विशेषकर श्रमिक बहनों के बच्चों के लिए 500 'पालना केंद्र' स्थापित किए गए हैं, ताकि वे निश्चिंत होकर काम कर सकें। आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को 10 करोड़ रुपये तक का बिना गारंटी वाला लोन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है, जिससे वे अपना बिजनेस शुरू कर सकें। मुख्यमंत्री ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज महिलाएं केवल सुझाव देने तक सीमित नहीं, बल्कि निर्णय लेने और उन्हें लागू करने की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं और यही सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ है। मुख्यमंत्री ने महिला आयोग की सभी अध्यक्षों और सदस्यों से आह्वान किया कि वे इसी इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता के साथ देश की आधी आबादी को संबल दें, सुरक्षित और गरिमामय जीवन के अवसर सुनिश्चित करें और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की निर्णायक भूमिका को और सशक्त बनाएं।

अलीपुर में आठ एकड़ में बनेगा आधुनिक एकीकृत परिसर : सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ दंड नहीं, संरक्षण और पुनर्वास दिल्ली सरकार की प्राथमिकता

दिल्ली सरकार कानून का उल्लंघन करने वाले नाबालिगों के सुधार और पुनर्वास के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एकीकृत परिसर का निर्माण करेगी। करीब आठ एकड़ में दिल्ली के अलीपुर में बनने वाले इस परिसर में 700 बच्चों की रखने की क्षमता होगी और इसमें उन बच्चों को रखा जाएगा, जो जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष जुवेनाइल जस्टिस एक्ट-2015 के अंतर्गत अपनी सुनवाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं या उन्हें अपराध में दोषी पाया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह फैसला जुवेनाइल जस्टिस कमेटी के सदस्यों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक में लिया। इस बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि बैठक में बच्चों से जुड़े कानूनी, सामाजिक और मानवीय पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और इस बात पर सहमति बनी कि दिल्ली में कानून से संघर्षरत बच्चों के लिए समग्र, सुरक्षित और आधुनिक व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे बच्चों के लिए कई होम्स बने हुए हैं।

ये होम्स वर्षों पुराने हैं, इसलिए सरकार ने निर्णय लिया है कि इन बच्चों के निवास व पुनर्वास के लिए 'स्टेट ऑफ द आर्ट' एकीकृत परिसर का निर्माण किया जाए। इस प्रस्तावित एकीकृत परिसर में बच्चों के लिए शिक्षा, खेल, योग, मानसिक परामर्श, व्यावहारिक सुधार और कौशल विकास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एकीकृत परिसर बच्चों के लिए सुरक्षित संरक्षण व्यवस्था के रूप में कार्य करेगा और अन्य राज्यों के लिए भी मार्गदर्शक मॉडल बनेगा। यह परिसर किसी दंडात्मक व्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि बच्चों को सुरक्षित वातावरण, सम्मानजनक जीवन और सुधार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की मूल भावना के अनुरूप यह व्यवस्था बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर केंद्रित होगी, न कि उन्हें अलग-थलग करने पर। मुख्यमंत्री के अनुसार परिसर में रहने वाले बच्चों को उनकी उम्र और आवश्यकता के अनुरूप नियमित दिनचर्या, खेल गतिविधियों और रचनात्मक कार्यों से जोड़ा जाएगा, जिससे उनमें आत्मविश्वास का विकास हो और वे भविष्य के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। सरकार का प्रयास है कि बच्चों को ऐसा माहौल मिले, जिसमें वे भय या हीनता के बिना सीख सकें और आगे बढ़ सकें।

खबर संक्षेप

वाहन चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा एवीटीएस की टीम ने थाना सेंट्रल के एक वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजय, जिला मुजफ्फरनगर जगदम्बा कॉलोनी दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी को पुलिस प्रोडक्शन पर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि नेतराम निवासी जीवन नगर फरीदाबाद ने थाना सेंट्रल में शिकायत दी।

सौतेले बाप ने की 2 वर्षीय बेटे की हत्या, आरोपी धराया

फरीदाबाद। सौतेले बाप द्वारा दो वर्षीय बेटे की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को काबू किया है।

पुलिस ने बताया कि पुलिस चौकी सीकरी में एक मामला सामने आया कि 25 जनवरी को सौतेले बाप ने 2 वर्षीय बेटे की जमीन पर पटक-पटक कर हत्या कर दी। पुलिस चौकी सीकरी की टीम ने जिला हाथरस उत्तर प्रदेश हाल सीकरी मोहल्ला रोड, बल्लभगढ़ को 28 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया है।

11 लाख 91 हजार की ठगी, आरोपी पकड़ाया

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने टेलीग्राम टास्क के बहाने 11,91,076 रुपए की ठगी के मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान परवेज खान वासी लोअरपुर ताजन, अम्बेडकर नगर उप्र के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बल्लभगढ़ एक व्यक्ति ने थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दी, जिसमें उसने आरोप लगाया कि व्हाट्सएप के माध्यम से वर्क फ्रॉम होम से संबंधित मैसेज आया।

सेना की टीम ने चंडीगढ़ को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया

आर्मी ने बरकरार रखा आइस हॉकी स्वर्ण, हरियाणा बना ओवरऑल चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

एनडीएस स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में भारतीय सेना की अनुभवी टीम को पुरुष वर्ग के आइस हॉकी स्वर्ण पदक को बरकरार रखने के लिए चंडीगढ़ के खिलाफ अपनी पूरी क्षमता झोंकनी पड़ी। सेना की टीम ने चंडीगढ़ को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

मैच का निर्णायक गोल अंतिम हूटर से महज़ तीन मिनट पहले आया। वहीं, हरियाणा ने अपने फिगर स्केटिंग और आइस स्केटिंग खिलाड़ियों द्वारा जीते गए चार स्वर्ण पदकों की बदौलत के आईडब्ल्यूजी 2026 के लद्दाख चरण की टीम चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। लद्दाख, महाराष्ट्र और तेलंगाना ने दो-दो स्वर्ण पदक जीते, लेकिन रजत पदकों की संख्या के आधार पर उनका स्थान तय हुआ। लद्दाख (5 रजत), महाराष्ट्र (3 रजत) और तेलंगाना (2 रजत) इसी क्रम में पदक तालिका में रहे। फाइनल में आर्मी के खिलाफ चंडीगढ़ ने साबित कर दिया कि लद्दाख के खिलाफ मिली जीत कोई संयोग नहीं थी। दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए लगभग मैच को अतिरिक्त समय तक ले जाना काबिले-तारीफ रहा।

दिलचस्प बात यह रही कि लीग चरण में चंडीगढ़ को आर्मी के खिलाफ 10-1 से हार का सामना करना पड़ा था। चंडीगढ़ के मुख्य कोच गौरव रहेजा ने कहा कि यह एक असाधारण अनुभव रहा अगली बार हम और अधिक मेहनत करेंगे, ज्यादा समर्पण के साथ अभ्यास करेंगे और राज्य स्तर तथा उससे आगे ट्रॉफियों के लिए लड़ेंगे।

आर्मी के लिए पहला गोल करने वाले पद्मा नामग्याल ने स्वीकार किया कि अंतिम क्षणों में 2-2 की बराबरी के बाद उनकी टीम दबाव में आ गई थी। सच कहूँ, तो हमें उम्मीद नहीं थी कि वे इतने अच्छे होंगे। उन्होंने वाकई शानदार खेल दिखाया, हालांकि आज हमारा प्रदर्शन भी सर्वश्रेष्ठ नहीं रहा।

फरीदाबाद पुलिस ने किए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता बंदोबस्त, 2000 से अधिक पुलिसकर्मी रहेगें तैनात

39वां सूरजकुंड इंटरनेशनल आत्मनिर्भर क्राफ्ट फेस्टिवल मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सूरजकुंड में आयोजित किया जा रहा 39वां सूरजकुंड इंटरनेशनल आत्मनिर्भर क्राफ्ट फेस्टिवल-2026, 31 जनवरी से आरंभ हो रहा है। जिसके लिए फरीदाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक प्रबंध कर लिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में मद्देनजर 2000 से अधिक पुलिस कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त एनआईटी मकसूद अहमद को मेला का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिनकी सहायता के लिए 17 एसीपी, डीएसपी स्तर के अधिकारी नियुक्त रहेंगे। गुरुवार को पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने मेला ड्यूटी में नियुक्त अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि मेला ड्यूटी के लिए स्वास्थ्य में फिट कर्मचारियों की ही ड्यूटियां लगाई जाए। ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों को निर्देशित किया जाये कि आमजन के साथ उनका व्यवहार अच्छा हो, साथ ही पुलिस कर्मचारियों का टर्न आउट बेहतर होना चाहिए। सभी कर्मचारी पहचान पत्र के साथ ड्युटियां करेंगे। पुलिस बल के रहने का उचित बंदोबस्त हो, खाने-पीने व रहने की सुविधा ठीक प्रकार से उपलब्ध कराई जाए ताकि उनको ड्युटियां करने में कोई असुविधा ना हो। उन्होंने आगे कहा कि वीकेंड पर भीड़ को देखते हुए मेला में अतिरिक्त पुलिस बल लगाया जाए।

मेला में चिकित्सा सुविधा, एंबुलेंस उपलब्ध हो। आगंतुकों की चेकिंग फ्रिस्किंग भली प्रकार से की जाए, साथ ही प्रवेश द्वारों पर महिला पुलिस कर्मचारियों की भी ड्युटियां लगनी सुनिश्चित की जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रवेश द्वारों पर बैग स्कैनर से सामान की चेकिंग की जाये। रात के समय सभी प्रवेश द्वारों पर एक रजिस्टर लगाया जाएगा, जिसमें आने वाले सभी व्यक्तियों के इंद्राज सुनिश्चित हो। मेला के सिक्योरिटी गार्ड की वेरिफिकेशन की जाए तथा उनके साथ मीटिंग की जाए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आमजन को कोई असुविधा ना हो, इसके लिए पर्याप्त संख्या में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए यातायात संकेत लगवाए गये हैं ताकि वाहनों की पार्किंग में असुविधा न हो। ट्रैफिक व्यवस्था प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि सड़क मार्ग पर कोई भी वाहन पार्क ना हो। डीसीपी अपराध को निर्देशित किया गया कि सीमावर्ती राज्य, जिला की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित किया जाए। पुलिस ने बताया कि मेला में लगाई गई ड्युटियां 2 शिफ्टों में रहेंगी। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मेला को 6 पुलिस जोन में बाटा गया है, प्रत्येक जोन का सुपरविजन एक एसीपी स्तर के अधिकारी का होगा। मेला में वीवीआईपी गेट सहित कुल 5 प्रवेश द्वार बनाए गए है। जहां पर सुरक्षा के मद्देनजर डीएफएमडी लगाए गए है, साथ ही एचएचएमडी सहित सुरक्षाकर्मी भी तैनात किये गये है। मेला परिसर में 12 मचान बनाई गई है। जहां पर पुलिस कर्मचारी दूरबीन के साथ निगरानी रखेंगें। इसके साथ ही मेला परिसर के विभिन्न जोन में 10 पिकेट लगाई गई है, जहां पर प्रत्येक पिकेट पर कमांडो कर्मचारी असला व वॉकी टॉकी सेट सहित नियुक्त रहेगें। इसके अतिरिक्त सिविल पारचात में भी पुलिस कर्मचारियों की ड्युटियां लगाई गई है। मेले में 600 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गतिविधियों पर सुरक्षा की दृष्टी से बारीकी से नजर रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अपराध शाखा व महिला पुलिसकर्मियों को सिविल पारचात में तैनात किया गया है। एंटी डिस्पोजल टीम व डॉग स्कॉड टीम की भी ड्युटियां 24 घंटे के लिए लगाई गई हैं। मेला की सुरक्षा में चारदिवारी के साथ 3 शिफ्ट में 6 नाके लगाए गए है साथ ही बाहरी सुरक्षा व यातायात प्रबंधन के लिए अलग से 10 नाके तथा 9 बैरिकेट प्वॉइंट पर सुरक्षाकर्मी नियुक्त किए गए हैं। मेला परिसर में ड्रोन के माध्यम से भी मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी। मेला में आगुंतकों की सुविधा के मद्देनजर पुलिस कंट्रोल रुम बनाया गया है। जहां पर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की पुलिस मदद व आपात स्थिति में संपर्क करके पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकता है इसके साथ ही खोया-पाया काउंटर भी बनाया गया है जहां पर किसी वस्तु या व्यक्ति के गुम होने की सूचना दी जा सकती है। यातायात व्यवस्था के मद्देनजर पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है। इस बार मेले में 11 सामान्य पार्किंग बनाई गई है। जहां पर यातायात पुलिस कर्मचारियों द्वारा सुचारु रुप से वाहनों की पार्किंग कराई जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुचारु रुप से बनाए रखने के लिए 4 पीसीआर व 6 राईडर की ड्यूटियां लगाई गई है। जो दिन-रात 2 शिफ्टों में लगातार ड्यूटियां करेंगी। आमजन भी मेले के दौरान यातायात व्यवस्था को बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

परिवहन विभाग ने अनाधिकृत 50 बसों के खिलाफ की कार्रवाई

केवल अधिकृत एवं परमिट धारी वाहनों में ही यात्रा करें: डॉ. सियाराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

परिवहन विभाग के प्रवर्तन दलों ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर अनाधिकृत रूप से संचालित 50 बसों के विरुद्ध सघन एवं कड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की। उक्त कार्रवाई डॉ. सिया राम वर्मा, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गाजियाबाद के नेतृत्व में सम्भाग गाजियाबाद के प्रवर्तन अधिकारियों ने की। अभियान में बिना परमिट, बिना वैध दस्तावेज, ओवरलोडिंग, अनुचित स्थानों पर सवारी उतारने चढ़ाने तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित बसों की गहन जांच की गई। इस अभियान में केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम एवं यूपी मोटरयान कराधान अधिनियम के प्राविधानों का उल्लघंन करने वाली 50 बसों का चालान करते हुए 42 वाहनों को निरूद्ध (सीज) किया गया। कार्रवाई के फलस्वरूप प्रशमन शुल्क रु. 15 लाख आरोपित किया गया। प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान निरूद्ध की गई 29 बसों को मोरना बस डिपों एवं 13 बसों को कासना बस डिपों में खड़ा कराया गया है। इसी कम में प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा बस चालकों एवं परिचालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं वैध प्रपत्रों के साथ ही वाहनों का संचालन करने के निर्देश दिये गये।

ननि मुख्यालय में पार्षदों के लिए निर्माणाधीन सदन कक्ष का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने गुरुवार को मुख्यालय में पार्षदों के लिए निर्माणाधीन सदन कक्ष का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम मुख्यालय में सदन की बैठक हेतु सदन कक्ष का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है, सभी पार्षदों के बैठने की व्यवस्था से लेकर लाइटिंग की सुविधा, साउंड में माइक की सुविधा, इंटरनेट की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सदन कक्षा को एक नया स्वरूप देने का कार्य तेजी से चल रहा है।

शातिर आरोपी ट्रेस होने से बचने के लिए नेपाल के बुटवल में छिपा था

फरीदाबाद पुलिस की बड़ी कामयाबी, विदेशी धरती से किया साइबर अपराधी को गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व में फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम द्वारा साइबर ठगों पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। एक ऐसे ही 49 लाख 50 हजार की ठगी के मामले में विदेशी धरती पर छिपे एक शातिर आरोपी को साइबर थाना सेंट्रल व एनआईटी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर, उसे ढूंढकर काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस के यशपाल अनुसार सेक्टर 21 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्तिने 5 जुलाई 2024 को पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके साथ शेयर मार्किट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर 49 लाख 50 हजार रुपए का साइबर फ्रॉड हुआ था, जिस शिकायत पर थाना साइबर एनआईटी में धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। आरोपी वीरेंद्र निवासी रोहतक ने अपनी जमानत की एवज में शिकायतकर्ता के साथ समझौते के नाम पर एक फर्जी डिमांड ड्राफ्ट देकर जमानत ले ली और उसके बाद फरार हो गया। जिस संबंध में आरोपी का दोबारा गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ। घटनाक्रम में आगे कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह व उप निरीक्षक चेतन ने आरोपी बारे अहम सबूत जुटाए गए, जिनके आधार साइबर थाना सेंट्रल प्रभारी इंस्पेक्टर विमल, सहायक उप निरीक्षक सत्येंद्र व मुख्य सिपाही मनोज की एक स्पेशल टीम नेपाल गई, जहां पर इस टीम ने कई दिनों तक स्मार्ट तकनीकी और चौकस कार्य करते हुए आरोपी वीरेंद्र को ढूंढ निकालकर काबू किया। आरोपी के संबंध में भारतीय दूतावास नेपाल काठमांडू से आवश्यक कार्यवाही के बाद 28-01-2026 को उसे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लाया गया, जहां से साइबर थाना एनआईटी की टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय अदालत में पेश किया गया, जहां से आरोपी को नीमका जेल फरीदाबाद में बंद कराया गया है। फरीदाबाद पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया की आरोपी कितना भी शातिर और कितना भी दूर क्यों न हो, कानून व पुलिस से बच नहीं पाएगा।

अवैध हथियार रखने के मामले में आरोपी गिरफ्तार एक देसी कट्टा बरामद

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नवीन निवासी गांव सीही फरीदाबाद को बल्लभगढ बस स्टैंड के पीछे से देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।

बलजीत कौशिक ने ग्रामीणों, मजदूरों व महिलाओं को किया जागरूक

कांग्रेस ने ग्रामीण क्षेत्र में चलाया 'मनरेगा बचाओ संग्राम' जन जागरूक अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

कांग्रेस द्वारा ग्रामीण स्तर पर चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने करीबन आधा दर्जन से अधिक गांवों में जागरूकता अभियान चलाकर भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर कर धीरे-धीरे खत्म करने के बारे में ग्रामीणों व मजदूरों को बताया। आज पृथला विधानसभा क्षेत्र के गांव नरियाला, तिगांव, गांव पन्हेड़ा सहित अन्य गांवों के ग्रामीणों व महिलाओं को कांग्रेस सरकार द्वारा मजबूत मनरेगा व भाजपा द्वारा कमजोर मनरेगा के अन्तर को समझाने के लिए एक पम्पलेट वितरित किया। कौशिक ने बताया कि भाजपा आपके अधिकार को छीन रही है। मनरेगा के तहत देश भर के ग्रामीण परिवारों को काम की कानूनी गारंटी प्राप्त थी। देश की किसी भी ग्राम पंचायत में किसी भी परिवार द्वारा काम मांगने पर 15 दिनों के अन्दर काम उपलब्ध करवाना अनिवार्य था मगर अब भाजपा द्वारा प्रस्तुत किए गए मनरेगा कानून में जो बदलाव किए जाने के बाद यह अधिकार नहीं रहेगा बल्कि सरकार की मर्जी से बांटी जाने वाली एक रेवड़ी बन जाएगा। मोदी सरकार चुनेगी की कौन सी ग्राम पंचायत को काम मिलेगा और किस पंचायत को नहीं। उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा का सारा खर्च केन्द्र सरकार करती थी, प्रदेश सरकारों पर 10 प्रतिशत का बोझ था।

स्केटर सचिन ने हरियाणा को दिलाया शीर्ष स्थान

खेलो इंडिया में विंटर गेम्स में लद्दाख ने महिला शॉर्ट ट्रैक रिले में जीता पहला स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में मेजबान लद्दाख ने अपना पहला स्वर्ण पदक उस समय जीता। जब उसकी महिला रिले टीम ने शनिवार को यहां नवांग दोरजे स्टोबदान (एनडीएस) स्टेडियम में 2000 मीटर शॉर्ट ट्रैक रिले स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। हालाँकि, हरियाणा ने शॉर्ट ट्रैक स्केटिंग में दो और स्वर्ण पदक जीतकर कुल चार स्वर्ण के साथ पदक तालिका में अपनी बढ़त बनाए रखी। एनडीएस स्टेडियम में 2000 मीटर शॉर्ट ट्रैक रिले जीतने के साथ ही लद्दाख पदक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुँच गया।

स्कर्मा त्सुल्तिम, शबाना ज़ारा, तस्निया शमीम और इंशा फातिमा की लद्दाख चौकड़ी कर्नाटक और महाराष्ट्र की टीमों पर स्पष्ट रूप से भारी पड़ी, जो फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाली अन्य दो टीमें थीं। कई गिरावटों और टक्करों से भरी इस रोमांचक रेस में लद्दाख की स्केटर्स भी गिरीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

हरियाणा के सचिन सिंह दिन के सबसे बड़े सितारे रहे। उन्होंने पहले पुरुषों की 500 मीटर शॉर्ट ट्रैक स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीता और इसके बाद अपनी टीम को 3000 मीटर शॉर्ट ट्रैक रिले में कर्नाटक (रजत) और हिमाचल प्रदेश (कांस्य) से आगे रखते हुए स्वर्ण दिलाया। इसके साथ ही सचिन खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले स्केटर बन गए। 26 वर्षीय सचिन ने कहा कि आज की जीत मेरे लिए बेहद खास है। यह पहली बार है, जब मैंने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीता है और हरियाणा का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। इस पूरी यात्रा में मेरे कोच, मेरे मैनेजर और हरियाणा एसोसिएशन का सहयोग सबसे अहम रहा। उन्होंने आगे कहा कि मेरे मैनेजर दीपक कोहार और (कुणाल) लोहान जी ने पूरे चैंपियनशिप के दौरान मेरा साथ दिया।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार 2 वर्षीय दर अनुबंध पर ऑपरेटिव हिस्टीरोस्कोप की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा (पंचकूला)।	28.01.2026 18.02.2026	रु. 48,80,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com
2	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार 2 वर्षीय दर अनुबंध पर सिंगल पंक्चर लैपरोस्कोप की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा (पंचकूला)।	28.01.2026 18.02.2026	रु. 1,64,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com
3	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार 2 वर्षीय दर अनुबंध पर मोबाइल ओटी लाइट की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा (पंचकूला)।	29.01.2026 19.02.2026	रु. 1,48,75,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com
4	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार 2 वर्षीय दर अनुबंध पर सिलिंग ओटी लाइट की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा (पंचकूला)।	29.01.2026 19.02.2026	रु. 3,75,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in — संवाद-13/2026/100/42511/I/88/7 दि. 29.01.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प गुरूग्राम	रेवाड़ी जिले में रेवाड़ी में नई जिला जेल के अतिरिक्त भाग के लैंडस्कैपिंग कार्य का विकास। (हॉस्पीटल ब्लॉक, कम्यूनिटी हॉल और वार्डर का हॉस्टल पुरुष)।	28.01.2026 09.02.2026	8.71 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9717214202 zilesinghhort@gmail.com
2	लोनिवि भ व प हिसार	हिसार जिले में गोरछी से बरवा रोड आरडी 0.00 से 8.080 तक रोड को चौड़ा करना और मजबूतीकरण (एचटी/एलटी लाईस की शिफ्टिंग का प्रावधान)।	22.01.2026 04.02.2026	61.53 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
3	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग भिवानी	गांव कुंगर ब्लॉक बवानी खेड़ा, जिला भिवानी में वर्टिकल ड्रेनेज टेक्नोलॉजी के माध्यम से सलाइन और सोइल वाटर लॉग्ड एरिया का रिक्लेमेशन।	27.01.2026 09.02.2026	251.86 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9215910040 ascobhiwani@gmail.com
4	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग भिवानी	गांव मिथाथल ब्लॉक भिवानी, जिला भिवानी में वर्टिकल ड्रेनेज टेक्नोलॉजी के माध्यम से सलाइन और सोइल वाटर लॉग्ड एरिया का रिक्लेमेशन।	27.01.2026 09.02.2026	160.95 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9215910040 ascobhiwani@gmail.com
5	पंचायती राज फरीदाबाद	गांव फतेहपुर तग्गा ब्लॉक फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में त्यागी वाला बारातघर का निर्माण, एचजीवीवाई सीएम + 2 कार्य।	28.01.2026 04.02.2026	138.61 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467905067 prexeeng.fbd1@gmail.com
6	पंचायती राज फरीदाबाद	गांव कोट, ब्लॉक फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में ड्रेन/नाला का निर्माण (श्यामी के मकान से शमशान घाट वाला रास्ता तक) + 2 कार्य।	28.01.2026 04.02.2026	81.75 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467905067 prexeeng.fbd1@gmail.com
7	महिला एवं बाल विकास हरियाणा भिवानी	एडब्ल्यूसीएस को एसएनपी आपूर्ति के परिवहन निविदा कार्य के सम्बन्ध में।	25.01.2026 25.02.2026	50000/-	https://etenders.hry.nic.in	9466150800 pobhw.wcd@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in — पीआरडीएच-11/2026/140/42512/I/88/7 दि. 29.01.26

खबर संक्षेप

बिहार में औरतों को 2 लाख देने की प्रक्रिया शुरू

पटना। बिहार सरकार ने महिला रोजगार योजना के तहत जीविका से जुड़ी दीदियों को व्यवसाय करने के लिए दो लाख देने की प्रक्रिया शुरू कर दिया है। यह राशि व्यवसाय की प्रगति को देखते हुए चरणबद्ध तरीके से दी जाएगी। अच्छा रोजगार चलाने की स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर एकमुश्त राशि भी दी जा सकती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके यह जानकारी दी।

रांची में धारा 163 लागू इन चीजों पर प्रतिबंध

रांची। नगर निगम चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। सदर अनुमंडल दंडाधिकारी ने रांची ननि क्षेत्र में बीएनएसएस की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। आदेश चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। आदेश के अनुसार, किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या प्रत्याशी को बिना सक्षम पदाधिकारी की पूर्व अनुमति के सभा, धरना या प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं होगी।

सभी पक्षों को विश्वास में लेना चाहिए थाः मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूजीसी के उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए लाए गए नियमों में रोक लगाने का स्वागत किया है। कहा कि इन नियमों से देश में सामाजिक तनाव पैदा हो गया था। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का लिया गया निर्णय उचित है। सरकार ने इन नियमों को लागू करते समय सभी पक्षों को विश्वास में लिया होता तो इस तरह तनाव नहीं पैदा होता।

झारखंड निकाय चुनाव में एक कागज ने रोका कई ओबीसी प्रत्याशियों का रास्ता

नगर निगम में 13 वार्ड अत्यंत पिछड़ा व पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित

एजेंसी ▶▶ रांची

नगर निकाय चुनाव में रांची नगर निगम के 13 वार्ड अत्यंत पिछड़ा और पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित है। इन वार्डों से पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी में महीनों से जुटे दर्जनों संभावित प्रत्याशियों की आस जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पाने की वजह से टूट गई है। अब उनके पास कोई विकल्प भी नहीं बचा है, जिसके जरिए वे संबंधित जाति का प्रमाण पत्र हासिल कर सकें। ऐसे दावेदारों के सामने जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए सबसे जरूरी वर्ष 1978 से पहले की जमीन के कागजात की अनिवार्यता रोड़ा बना।

2019 में सरकार ने विस्तृत गाइडलाइन जारी की थी इसमें जमीन का मालिकाना हक अनिवार्य किया गया

झारखंड में बिहार और अन्य प्रदेशों से आकर यहां बसने वाले लोगों की संख्या अधिक है

1978 या उससे पहले की जमीन का डीड होना अनिवार्य

वहीं वार्ड समिति नहीं होने एवं स्थानीय जांच के आधार पर प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर आवेदन करने की जानकारी नहीं होने की वजह से भी दर्जनों संभावित उम्मीदवार अब चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के आदेश के अनुसार, गैर शैक्षणिक कार्यों के लिए बनने वाले जाति प्रमाणपत्र में 1978 या उससे पहले की जमीन का डीड होना अनिवार्य है। ऐसे में 1978 के बाद राजधानी रांची में आकर बसे लोगों के लिए के लिए चुनाव लड़ना अब असंभव है।

जाति प्रमाणपत्र के आधार पर चुनाव लड़ पाएंगे

रांची नगर निगम में 13 वार्ड अत्यंत पिछड़ा व पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित है। अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए नौ और पिछड़ा वर्ग दो के लिए चार सीट आरक्षित हैं। निगम के 53 वार्ड में से वार्ड 11, 15, 16, 17, 21, 22, 23, 38 और 49 अत्यंत पिछड़ा वर्ग एक के लिए आरक्षित है। वहीं, वार्ड संख्या 20, 26, 27 और 28 को पिछड़ा वर्ग दो के लिए आरक्षित किया गया है। इन वार्डों से दावेदारों की संख्या सौ से अधिक रहने वाली है। ऐसे में जिनके पास जाति प्रमाणपत्र बना हुआ है, वह तो चुनाव लड़ पाएंगे। लेकिन, जो पहली बार जाति प्रमाणपत्र बनाकर चुनाव लड़ना चाहेंगे, उनके लिए यह संभव नहीं हो पाएगा। रांची में बिहार व अन्य दूसरे प्रांत से आकर बसे लोगों की संख्या अधिक है। नए सिरे से ओबीसी जाति प्रमाणपत्र बनाने के लिए उनके पास 1978 या उससे पहले की जमीन का मालिकाना हक होना जरूरी है। इन उम्मीदवारों का रास्ता इस नियम ने रोक दिया है।

यूपी के टीचर्स को योगी सरकार की बड़ी सौगात

15 लाख शिक्षकों को निजी अस्पतालों में मिलेगा 5 लाख तक का कैशलेस इलाज

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में टीचर्स को योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कैबिनेट बैठक के बाद 30 प्रस्तावों पर निर्णय हुआ। बेसिक शिक्षा विद्यालयों के टीचर्स को कैशलेस चिकित्सा सुविधा दी जाएगी। 11 लाख 95 हजार 391 टीचर्स को कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इसमें 358.61 करोड़ रुपए की लागत आएगी। माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। लगभग 3 लाख टीचर्स को ये सुविधा मिलेगी।

मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, 'उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधीन अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों और स्ववित्त पोषित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिए किए जाने के संबंध में गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने अपनी सहमति दे दी है। यह भी अपने आप में पहली बार हुआ है कि उन लोगों को इस प्रकार की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा दी गई।'

गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने 32 में से 30 प्रस्तावों पर सहमति दी

सरकार वहन करेगी लगभग 448 करोड़ रुपए का खर्च

शिक्षकों को वेरिफिकेशन के बाद मिलेगा लाभ

माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञों एवं मानदेय शिक्षकों सहित, संस्कृत शिक्षा परिषद के द्वारा मान्यता प्राप्त अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं संस्कृत शिक्षा परिषद के मान्यता प्राप्त स्ववित्त पोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को कैशलेस मेडिकल की सुविधा मिलेगी।

बेसिक व माध्यमिक शिक्षा कर्मियों और आश्रितों को लाभ

उन्होंने आगे कहा, 'माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय एवं सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में मानदेय पर कार्यरत व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को भी स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मद्देनजर सरकारी अस्पतालों के अलावा प्राइवेट अस्पतालों में भी, आईपीडी उपचार की कैशलेस सुविधा की अनुमान्यता प्रदान की गई है।' इसमें बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन 4 लाख 34 हजार 226, बेसिक शिक्षा विभाग के अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल में कार्यरत शिक्षक 13 हजार 380, स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षक 4 लाख 72 हजार 735, शिक्षा मित्र 1,42,929, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अनुदेशक 24 हजार 717, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के वार्डन, अंशकालिक, पूर्णकालिक शिक्षक 7 हजार 479, पीएम पोषण योजना के रसोइए 97 हजार 344 और विशेष शिक्षक 2 हजार 581 शामिल हैं।

काशी में गरजे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

'हम खुद बुलडोजर हो गए हैं आओ भिड़ो', दिखाए तेवर

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

प्रयागराज माघ मेला से लौटकर काशी पहुंचे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एक बार फिर तीखे तेवर दिखाए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- 'हम खुद ही बुलडोजर हो गए हैं. जो कोई गौ हत्यारा सामने आएगा उसके ऊपर बुलडोजर चलेगा। आओ बुलडोजर से भिड़ो।'

उन्होंने कहा कि माघ मेला विवाद में न तो कोई पुलिसकर्मी सस्पेंड हुआ और न ही किसी पर कार्रवाई हुई, न तो कोई जांच हुई और न ही न्याय हुआ। कोई मानने को तैयार नहीं है कि उनसे गलती हुई। अब आगे की रणनीति के हिसाब से बढ़ेंगे। आवाज बंद नहीं होगी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सुरक्षा को लेकर भेलूपुर पुलिस सतर्क रही।

यूजीसी के नए नियम सनातन के लिए खतरा

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यूजीसी के नए नियम सनातन को बांटने और काटने की मशीन है। ऐसा कानून कैसे लाया जा सकता है जो एक ही समूह के लोगों को एक दूसरे के सामने खड़ा करके आपस में लड़ा दे? आप एक जाति को दूसरी जाति के सामने खड़ा कर देंगे और दोनों जातियां आपस में लड़ेंगी तो दोनों का ही नुकसान होगा। आप हिंदू धर्म को समाप्त करने का रास्ता बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बुधवार की रात करीब साढ़े नौ बजे केदार घाट स्थित श्रीविद्या मठ पहुंच गए। माघी पूर्णिमा पर बिना स्नान किए मठ पहुंचे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सुरक्षा को लेकर भेलूपुर पुलिस सतर्क रही।

पेज एक का शेष

चांदी 19500 बढ़कर ...

ग्राम पर पहुंच गया। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार, चांदी ने लगातार चौथे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी और 19,500 रुपए 5.06 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 4,04,500 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 12,000 रुपए की वृद्धि हुई और यह 1,71,000 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

घरेलू नवाचार को ...

कोविड-पश्चात काल में भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा लगातार सामना की गई चुनौतियों और इसके बावजूद लचीलेपन को रेखांकित किया गया है, विशेष रूप से भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को। व्यापक आर्थिक प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए, इसमें अप्रैल 2025 में अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के मद्देनजर सरकार द्वारा किए गए नीतिगत और आर्थिक सुधारों पर भी ध्यान दिया गया। सुधारों की तात्कालिकता को देखते हुए, सरकार में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। पांच महीने बाद, भारत अब पूरे वर्ष के लिए 7 प्रतिशत से अधिक की वास्तविक विकास दर और अगले वर्ष भी लगभग 7 प्रतिशत की वास्तविक विकास दर की उम्मीद कर रहा है।

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, 2025 की विडंबना यह है कि दशकों में भारत का सबसे मजबूत व्यापक आर्थिक प्रदर्शन एक ऐसी वैश्विक प्रणाली से टकरा गया है जो अब मुद्रा स्थिरता, पूंजी प्रवाह या रणनीतिक सुरक्षा के रूप में व्यापक आर्थिक सफलता को लाभान्वित नहीं करती है।

घरेलू आकांक्षाओं के संदर्भ में बाहरी वैश्विक वातावरण को देखते हुए, आर्थिक समीक्षा में कहा गया है, "भारत 145 करोड़ लोगों का देश है जो एक पीढ़ी के दौरान लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर एक समृद्ध देश बनने की आकांक्षा रखता है। भारत का आकार और लोकतंत्र अनुकरणीय आदर्शों की संभावना को सीमित करते हैं। वैश्विक प्रभुत्वशाली देश द्वारा अपनी आर्थिक और अन्य प्रतिबद्धताओं और प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने, वैश्विक व्यापार को अनिश्चितता के भंवर में धकेलने, वैश्विक टकरावों के बढ़ने और दरारों के चौड़ा होने के साथ, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को शक्तिशाली वैश्विक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि राज्य, निजी क्षेत्र और परिवार एकजुट होने, अनुकूलन करने और वर्तमान समय की मांग के अनुरूप प्रयास करने के लिए तैयार हों, तो इन्हीं चुनौतियों को अनुकूल परिस्थितियों में बदला जा सकता है। यह कार्य न तो सरल होगा और न ही आरामदायक - किंतु यह अपरिहार्य अवश्य है।"

केंद्र सरकार ने राजकोषीय घाटे को कम करने का लक्ष्य तय समय से पहले ही हासिल कर लिया है। वित्त वर्ष 2025 में यह जीडीपी का 4.8% रहा, जबकि सरकार ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 4.4% का लक्ष्य रखा है। सरकार अपनी कमाई से ज्यादा जो खर्च करती है, उसे 'राजकोषीय घाटा' कहते हैं। घाटा कम होने का मतलब है-मजबूत इकोनॉमी और कम महंगाई।

दुनियाभर में मंदी की आहट के बीच भारत की विदेशी मुद्रा भंडार 2023-2024 में 668 बिलियन डॉलर था। ये 2024-2025 में बढ़कर 701 बिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह भंडार जितना भरा होगा, डॉलर के मुकाबले हमारा रुपया उतना ही मजबूत रहेगा। सर्वे में सरकार ने कहा अमेरिका की ओर से 50% टैरिफ लगाए जाने के बावजूद, भारत का सामानों का एक्सपोर्ट अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान 2.4% बढ़ा है। वहीं सर्विस एक्सपोर्ट में 6.5% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक ...

कल्याण पर केंद्रित नीतियों को रेखांकित करता है, जिससे विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच सके। प्रधानमंत्री के अनुसार, सर्वेक्षण में विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त बनाने, उत्पादकता बढ़ाने और भारत को एक 'विकसित भारत' की ओर तेजी से ले जाने के लिए स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आर्थिक सर्वेक्षण से मिले ये निष्कर्ष नीति निर्माण को दिशा देंगे और भारत की आर्थिक संभावनाओं को लेकर देश और दुनिया में भरोसा और मजबूत करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण भारत के उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की झलक देता है और आत्मनिर्भर तथा समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

कोर्ट बोला-हमें 'जातिविहीन' ...

रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया। वहीं याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने कहा कि हम खास तौर पर तीन मुद्दों के बारे में बात कर रहे थे, एक है सेक्शन 3सी जो जातिगत भेदभाव के बारे में बात करता है और उस खास सेक्शन में, सामान्य जाति को बाहर रखा गया है और बाकी सभी जातियों को शामिल किया गया है। तो, यह खास सेक्शन यह संदेश दे रहा है कि एससी, एसटी और ओबीसी के साथ सामान्य जाति द्वारा भेदभाव किया जा रहा है। दूसरा हिस्सा इक्विटी कमेटी के संबंध में है जो इन नए यूजीसी सेक्शन के सेक्शन 18 के तहत बनाई गई है।

रैगिंग यूजीसी के नए नियमों में क्यों शामिल नहीं? सीजेआई ने पूछा : एक अन्य वकील ने कोर्ट में कहा कि अगर कोई सामान्य वर्ग का छात्र पहले दिन कॉलेज आता है। उसके सीनियर्स अनुसूचित जाति से हैं और वो उसकी रैगिंग करते हैं, तो वह क्या करेगा, उसके लिए इन नियमों में कुछ भी नहीं है। उल्टा अगर रैगिंग करने वाले ही उसके खिलाफ नए नियमों के तहत भेदभाव का आरोप लगा देते हैं तो उसका जीवन बर्बाद हो जाएगा। सीजेआई ने यह सुनने के बाद पूछा कि क्या नियमों में रैगिंग को शामिल किया गया है, तो वकील ने कहा कि नहीं इसमें शामिल नहीं है। कोर्ट ने कहा कि रैगिंग को यूजीसी नियमों में क्यों शामिल नहीं किया गया और ये कैसे मान लिया कि कॉलेजों में सिर्फ जाति-आधारित भेदभाव ही होता है। उन्होंने कहा कि सीनियर-जूनियर के आधार पर सब जगह विभाजन है और अक्सर उत्पीड़न इसी आधार पर होता है।

भगवान के लिए ऐसा ...

इंटर-कास्ट शादियां भी होने लगी हैं। भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए सीजेआई ने कहा कि कॉलेजों में रैगिंग के दौरान जो चीजें होती हैं, उसमें सबसे खराब बात ये है कि साउथ या नॉर्थ-ईस्ट से आने वाले छात्र जब अपना कल्चर साथ लेकर आते हैं और जो छात्र उनके बारे में नहीं जानते, वह इस पर टिप्पणियां करने लगते हैं।

'भारत-अरब देशों ...

बैठक हो रही है। पूर्व में इसका आयोजन वर्ष 2016 में बहरीन में किया गया था। बतौर पहली बैठक समूह के विदेश मंत्रियों ने सहयोग से जुड़े प्राथमिकता वाले पांच क्षेत्रों का चयन किया था। जिसमें ऊर्जा, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति मुख्य थे। क्षेत्रों के चुनाव के साथ इनसे जुड़ी हुई तमाम गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले प्रस्तावों को भी बैठक में समाहित किया गया। 2026 की दूसरी बैठक की खास बात ये है कि इसका आयोजन राष्ट्रीय राजधानी में किया जा रहा है। लेकिन इसकी सह-अध्यक्षता भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) कर रहे हैं। जबकि अरब लीग के बाकी सदस्य देश और लीग के महासचिव बाकी भागीदारों के रूप में इसमें शामिल रहेंगे। दूसरी बैठक में मौजूदा सहयोग को और अधिक प्रगाढ़ बनाने, उसे विस्तार देने और साझेदारी को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया और ...

विद् ईयू शीर्षक से एक लेख में इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी बताते हुए कहा कि भारत इस मामले में असली रणनीतिक विजेता के रूप में उभरा है। अखबार ने बताया कि यह समझौता ईयू से भारत को होने वाले 96.6 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ को खत्म या कम करता है, जबकि ईयू सात वर्षों में 99.5 प्रतिशत भारतीय सामानों पर टैरिफ कम करेगा।

- ब्लूमबर्ग ने डैन स्ट्रमफ के ऑल रोड्स लीड टू मोदी एज वर्ल्ड हेजिज ट्रम्प शीर्षक से एक लेख में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मदर ऑफ ऑल डील्स समझौता एक उभरते हुए पैटर्न का नवीनतम उदाहरण हैः भारत देशों के लिए पसंदीदा पार्टनर बन रहा है।
- द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस समझौते को वैश्विक टैरिफ बाधाओं के प्रति मध्यम शक्तियों की प्रतिक्रिया के रूप में पेश करते हुए लिखा कि कैसे भारत और ईयू अमेरिकी व्यापार नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच गठबंधन का विस्तार कर रहे हैं।
- द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बात पर जोर दिया कि यह समझौता लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक ब्लॉक और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था को एक साथ लाता है।
- द वाशिंगटन पोस्ट ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया और अपनी हेडलाइन में कहा कि 'भारत और ईयू ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते में 'मदर ऑफ ऑल डील्स' पर मुहर लगाई'।
- द गार्जियन ने इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्सः ईयू और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए' के तौर पर अपनी खबरों में जगह दी। इसी तरह की हेडलाइन बीबीसी ने भी देते हुए कहा- भारत और ईयू ने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' की घोषणा की।
- ब्लूमबर्ग ने अपने एक और लेख में सघन आपूर्ति श्रृंखला समेकन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कारों पर ड्यूटी पहले के 100 प्रतिशत से अधिक के स्तर की तुलना में 10 प्रतिशत तक कम हो जाएगी और ऑटो कंपोनेंट्स पर ड्यूटी खत्म कर दी जाएगी।
- एसोसिएटेड प्रेस ने इस समझौते की व्यापकता की जानकारी देते हुए अपनी हेडलाइन में कहा कि 'भारत और यूरोपीय संघ ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जताई जो वैश्विक व्यापार का एक तिहाई हिस्सा है'। इस समझौते के पैमाने को अल जजीरा ने भी इस समझौते को प्रमुखता से दिखाते हुए कहा कि 'मदर ऑफ ऑल डील्स': भारत-ईयू ट्रेड डील से 27 ट्रिलियन डॉलर का बाजार बनेगा।
- रॉयटर्स ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताते हुए कहा कि 'भारत, ईयू ने ऐतिहासिक व्यापारिक समझौता किया, ज्यादातर सामानों पर टैरिफ कम किए जाएंगे'।
- फॉक्स न्यूज पर पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा ने कहा कि इस समझौते से भारत को फायदा होने वाला है, क्योंकि कई अहम सेक्टर में टैरिफ घटाकर जीरो कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश अब यूरोपीय बाजार में भारत से मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

वैश्विक प्रमुख बोले, वृद्धि और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए इसे शीघ्र लागू करेंः पूरे यूरोप के कई वरिष्ठ राजनीतिज्ञों ने सार्वजनिक तौर पर इस समझौते का स्वागत किया। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने बातचीत के नतीजे को ₹बहुत ही सकारात्मक संकेत₹ बताया और इस वृद्धि और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए इसे शीघ्र अति शीघ्र लागू करने की अपील की।

- फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत-ईयू एफटीए को ऐतिहासिक और दोनों पक्षों द्वारा अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक और राजनीतिक संबंध काफी मजबूत होंगे।
- स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि यह समझौता सहयोग के एक नए युग की शुरुआत है, जो व्यापार और साझेदारी के माध्यम से समृद्धि, प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को मजबूत करेगा।
- ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉक ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों को फायदा पहुंचाने वाला एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है और इसे तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था में यूरोप की उदार नीति के लिए एक बड़ा कदम बताया।
- डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने समझौते को पूरा समर्थन देते हुए इसे भू-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया और दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार में पहले कदम उठाने के लाभ पर जोर दिया।
- फ्रांस के विदेश व्यापार और आर्थिक मंत्री निकोलस फोरिसियर ने ईयू-भारत समझौते को एक बड़ा राजनीतिक कदम बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह दूसरे समझौतों से अलग है।
- यूरोपीय संसद के सदस्य सैंड्रो गोजी ने कहा कि यह समझौता साफ तौर पर साझेदारी में विविधता लाने और अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता बढ़ाने की ईयू की जरूरत को दिखाता है। उन्होंने भारत को एक प्रमुख वैश्विक राष्ट्र बताते हुए कहा कि भू-राजनीतिक और कूटनीतिक नजरिए से, यह समझौता यूरोपीय और भारतीयों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलता है।

व्यापार प्रमुख और संगठनों ने यह कहाः भारत में काम कर रहे यूरोपीय और वैश्विक व्यापार प्रमुखों ने इस समझौते से अत्यंत उम्मीद जताते हुए इसे लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता बताया। एयरबस में भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया के अध्यक्ष जुर्गन वेस्टरमेयर ने एफटीए को 20 वर्ष की वार्ता के बाद एक ₹बड़ा पल₹ बताते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए अवसरों को बढ़ाने का काम करेगा।

- एयरबस इंटरनेशनल के अध्यक्ष वाउटर वैन वर्श ने इसे शानदार दिन बताया, और मेक इन इंडिया, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, रक्षा, अंतरिक्ष और अत्याधुनिक विनिर्माण के प्रति एयरबस की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दोहराया।
- इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक जान नोएथर ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों और वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से को एक साथ लाता है, और इसे मदर ऑफ ऑल ट्रेड्स बताया। बर्लिन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएचके बर्लिन) के अध्यक्ष, सेबेस्टियन स्टीजेल ने भारत-ईयू एफटीए को लगातार तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति में खुलेपन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि भारत अब भविष्य का बाजार नहीं, बल्कि वर्तमान का बाजार है, जिसमें बर्लिन को अब अवसरों का फायदा उठाना चाहिए।
- वोक्सवैगन, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज जैसी प्रमुख जर्मन कार निर्माताओं के सीईओ सहित प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत में जर्मन निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के इस समझौते की क्षमता की सराहना की।
- क्रोएशियाई एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन (एचयूपी) और बिजनेसयूरोप ने वैश्विक संरक्षणवाद के बीच ईयू-भारत एफटीए को ईयू के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक कदमों में से एक बताया।

स्वीडिश व्यापार संगठनों जैसे स्वेन्स्कट नेरिंग्सलिव और फ्रोरेटैग्नार्न ने इसे एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें कम टैरिफ और बेहतर बाजार पहुंच का हवाला दिया गया है।

आयरिश आर्थिक और व्यावसायिक निकायों ने ईयू-भारत एफटीए का स्वागत किया है।

- चैंबर्स आयरलैंड ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया जो आयरिश निर्यातकों, विशेष रूप से मशीनरी और कृषि-खाद्य क्षेत्रों के लिए बाजार पहुंच और विविधीकरण को बढ़ाता है। अन्य वरिष्ठ व्यावसायिक हस्तियों, जिनमें फ्रैंक श्लोडर (मैनेजिंग डायरेक्टर, हेफेल साउथ एशिया), थॉमस वोल्टर (मैनेजिंग डायरेक्टर, क्रोन्स मशीनरी इंडिया), लार्स एरिक जोहानसन (एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, ऑक्सिया जीएमबीएच), जान-ओलोफ़ जैक (सीईओ, कन्फेडरेशन ऑफ स्वीडिश एंटरप्राइज) और फ्रेडरिक पर्सन (प्रेसिडेंट, बिजनेसयूरोप) शामिल हैं, ने इस समझौते का नियमों पर आधारित व्यापार, आपूर्ति-श्रृंखला उदारता, एसएमई विकास और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए एक मजबूत संकेत के रूप में स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और थिंक टैंकः वैश्विक नीति विशेषज्ञों और थिंक टैंक ने इस समझौते को ठोस रूप से मजबूत और रणनीतिक रूप से सही समय पर किया गया फैसला बताया। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के वरिष्ठ सलाहकार रिचर्ड रॉसो ने कहा कि यह समझौता दुनिया की एक चौथाई आबादी और वैश्विक व्यापार के एक बड़े हिस्से को एक साथ लाता है और उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के हाल के एफटीए गहरे और अधिक महत्वाकांक्षी व्यापार प्रतिबद्धताओं की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाते हैं।

- अटलांटिक काउंसिल के सीनियर फेलो माइकल कुगेलमैन ने भारत-ईयू एफटीए को सही समय पर सही समझौता बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह अमेरिकी टैरिफ से परे है और एक व्यापक, तेजी से बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है। भू-राजनीतिक रणनीतिकार वेलिना चकारोवा ने इसे पैमाने और रणनीतिक इरादे दोनों के मामले में इस दशक के सबसे महत्वपूर्ण भू-आर्थिक समझौतों में से एक बताया।
- कील इंस्टीट्यूट फॉर द वर्ल्ड इकोनॉमी ने कहा कि गहरे ईयू-भारत एकीकरण से द्विपक्षीय व्यापार में 41 से 65 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, दोनों पक्षों में जीडीपी के 0.12-0.13 प्रतिशत तक वास्तविक आय बढ़ सकती है।
- यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस ने ईयू-भारत एफटीए को हाल के वर्षों में हुए सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक बताया, जिसमें सामान, सेवाएं, निवेश, डिजिटल व्यापार और नियामक सहयोग शामिल हैं।
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) ने कहा कि कई भागीदारों के साथ व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने पर भारत की हाल की प्रगति- एक अधिक खुली अर्थव्यवस्था की ओर एक कदम का संकेत देती है और यह भारत के अपने दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाओं को बढ़ाएगा।

ये भी कहा सीएम ...

- माइनिंग सेक्टर में बेहतर काम करने के लिए पहला पुरस्कार मप्र को मिला
- हम अपने ही मेडिकल कॉलेज में छात्रों को पढ़ाएंगे और उन्हीं को अपने अस्पताल में नौकरी देंगे
- नितिन नबीन जी को पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष बनाया गया। ये कांग्रेस को सीखना चाहिए कि इतनी बड़ी पार्टी आसानी से अपना अध्यक्ष चुन लेती है

ये है पूरी ...

पर देखी जा सकती है। आपको कभी समय मिले तो भोपाल के गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में चले जाइए। साढ़े 8 लाख करोड़ के निवेश जमीन पर उतरे हैं आप प्रदेश में जाकर तो देखिए। माइनिंग सेक्टर में बेहतर काम करने के लिए पहला पुरस्कार मप्र को मिला है। गृहमंत्री अमित शाह खुले मंच से तारीफ कर चुके हैं। प्रगति के पथ पर तेजी से बढ़ते मप्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुशल मार्गदर्शन मिला जिसकी वजह से प्रदेश आगे बढ़ रहा है।

सवालः मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में होगी इस प्रयास को हम कहां तक सफल मान रहे हैं?

जवाबः 2023 में हमारे यहां कितने मेडिकल कॉलेज थे और आज कितने हैं। तब आपको ध्यान में आ जाएगा। वर्ष 2002 में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे। ये आंकड़ा मप्र के गठन से यानी 46 साल में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज खुल पाए। हमारी सरकार ने मात्र दो साल में 6 मेडिकल खोल दिए। जबकि पीपीपी मोड के तहत 14 मेडिकल कॉलेज के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। जहां बड़ी संख्या में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और तमाम सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इससे प्रदेश की जनता को बेहतर इलाज मिलना आसान हो जाएगा। हमारे इस पीपीपी मॉडल की सराहना केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने की है। उन्होंने कहा है कि दूसरे राज्यों में भी इसे लागू होना चाहिए। हमने शर्त रखी है जिसे 300 बेड का अस्पताल चलाने का अनुभव हो और 500 करोड़ की बैलेंस शीट हो उसी को मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए पात्र माना जा रहा है। इससे किसी तरह से राज्य का मजाक नहीं बनेगा।

सवालः ज्यादातर शिकायतें रहती है कि भवन होता है पर स्टाफ नहीं होता है। कई बार मेडिकल कॉलेज में पढ़ाने वाले शिक्षक या योग्य शिक्षका नहीं मिलते?

जवाबः इसका हमने बहुत आसान तरीका निकाला है। हम अपने ही मेडिकल कॉलेज में पढ़ाएंगे और उन्हीं को अपने अस्पताल में नौकरी देंगे। जहां तक पढ़ाई के लिए पैसा कहां से आएगा इसकी व्यवस्था भी सरकार करेगी। एक करोड़ का लोन देगी। जब लोन पूरा हो जाए, फिर उसकी मर्जी जहां जो करना हो कर सकता है।

सवालः आरक्षण का द्वंद्व क्या है? इसका समाधान आप किस तरह से निकाल रहे हैं?

जवाबः प्रदेश में साढ़े 3 लाख लोगों को प्रमोशन और 2 लाख लोगों को इसके माध्यम से नौकरियां मिलती हैं। मामला कोर्ट में है। इसका जल्द समाधान निकल आएगा।

सवालः देश और प्रदेश में नए भाजपा अध्यक्ष आए। आपकी सरकार पर कोई फर्क पड़ा क्या?

जवाबः दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की यही तो खासियत है। नितिन नबीन जी को पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष बनाया गया। ये कांग्रेस को सीखना चाहिए कि इतनी बड़ी पार्टी आसानी से अपना अध्यक्ष चुन लेती है। दूसरी भाजपा की खासियत है कि जिसे जो काम मिलता है वो उसे पूरी निपुणता से करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्तव्य पथ से लेकर राम मंदिर और ईयू से साथ समझौते जैसे कई काम किए है जिससे देश गौरवान्वित हुआ है।

सवालः भोजशाला विवाद को आप किस तरह से देखते हैं उसका समाधान क्या राम मंदिर की तर्ज पर कर पाएंगे?

जवाबः देखिए, हम लोग जो भी काम करते हैं वो सभी की राय से मिलजुलकर करते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अयोध्या का राम मंदिर है जहां बिना किसी विवाद और झगड़े के सभी पक्षों ने मिलकर राममंदिर निर्माण कराने में योगदान दिया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से देश का भरोसा जीता वो पूरी दुनिया के लिए नजीर बन गया है। कुछ इसी तरह के प्रयासों और भरोसा जीतते हुए माननीय न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए उसका समाधान निकालेंगे।

सवालः नक्सलवाद का खात्मा कैसे किया?

जवाबः इसके लिए पूरी रणनीति केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तैयार की गई थी। इसके लिए काफी पहले से तैयारी की गई। जहां संचार साधन नहीं थे पहले उन्हें पूरा किया गया। उच्चाधिकारियों की नियुक्ति हो या भर्ती करना हो ये सभी जरूरतों को पूरा किया गया है। इसके अलावा स्थानीय लोगों को भरोसे में लिया गया और जो मुख्य धारा में आना चाहते थे उन्हे उसका पूरा मौका दिया गया। कुछ लोगों ने सरकार पर भरोसा किया और हथियार डाल दिए।

सवालः कैसा देखा चाहते हैं मप्र?

जवाबः प्रदेश बीते दो सालों में बहुत तेजी से आगे बढ़ा है आप चैटजीपीटी खोलकर देखें। बहुत कुछ पता चल जाएगा। राज्य में जहां प्रति व्यक्ति 1 लाख 42 हजार रुपए थी अब बढ़कर 1 लाख 56 हजार हो गई है। कुछ राज्यों को छोड़ दें तो आज मप्र की बेरोजगारी दर सबसे कम रही है। कह सकते हैं कि मात्र एक से डेढ़ प्रतिशत ही बेरोजगारी दर बची है। आने वाले पांच सालों में भी प्रदेश का बजट दो गुना होने वाला है।

वनस्पति जगत / शिखर चंद जैन

अजब-अनोखे मनभावन फूल

रंग-बिरंगे मनमोहक फूल किसे नहीं भाते! इन फूलों की अगर अपनी कोई ऐसी खूबी हो, जो बहुत अनोखी हो तो इनका आकर्षण और बढ़ जाता है। जानो, ऐसे ही कुछ अजब-अनोखे फूलों के बारे में कि ये किस कारण अनोखे हैं और ये कहां पाए जाते हैं?

बच्चो, फूल अपनी खूबसूरती और सुगंध के लिए तो जाने जाते ही हैं, इसके अतिरिक्त दुनिया में कई ऐसे फूल हैं, जो बहुत अजब-गजब हैं, जो भी इन्हें देखता है, आश्चर्यचकित रह जाता है। यहां हम बता रहे हैं, ऐसे ही कुछ अनोखे फूलों के बारे में।

मंकी ऑर्किड: नाम के मुताबिक ही इसकी पंखुड़ियों की बनावट बिल्कुल बंदर के चेहरे जैसी होती है। यह फूल मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के देश इक्वेडोर और पेरू के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है। इस फूल में से पके हुए संतरे जैसी खुशबू आती है।

ब्लीडिंग हार्ट: यह फूल गहरे गुलाबी और सफेद रंग का होता है। इसका आकार दिल जैसा होता है, जिसके नीचे से एक बूंद टपकती हुई दिखाई देती है। यह ब्लीडिंग हार्ट जैसा ही दिखता है। यह फूल साइबेरिया, चीन और जापान में पाया जाता है।

हुकर्स लिप: यह फूल किसी महिला के होंठों पर लगी लिपस्टिक जैसा दिखता है। मध्य और दक्षिण अमेरिका के वर्षा वनों में पाया जाने वाला यह पौधा, फूलो जैसे दिखने वाले अपने चटक लाल रंग के ब्रैक्ट्स (पत्तियों का एक रूप) के लिए मशहूर है।

स्वैडल्ड बेबीज ऑर्किड: इस मोहक फूल की बनावट ऐसी होती है जैसे कपड़े में लिपटा हुआ कोई नन्हा बच्चा सो रहा हो। यह फूल मूल रूप से कोलंबियाई देश के एंडीज पर्वत श्रंखला के वनों में पाया जाता है।

नेकेड मैन ऑर्किड: भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पाया जाने वाला यह फूल अपनी विचित्र आकृति के लिए प्रसिद्ध है। इसके छोटे-छोटे फूल बिना कपड़ों वाले इंसान की आकृति जैसे दिखते हैं।

फ्लाइंग डक ऑर्किड: ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला यह छोटा-सा ऑर्किड उड़ते हुए बत्तख जैसा दिखता है। यह आकार असल में कीड़ों को परागण के लिए आकर्षित करने के लिए होता है।

डांसिंग गर्ल्स: पूर्वी अफ्रीका के वर्षा वनों में पाए जाने वाले ये दुर्लभ फूल, सफेद या हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। इनकी बनावट ऐसी होती है, जैसे कोई लड़की डांस कर रही हो।

पैरट फ्लावर: थाईलैंड और म्यांमार में पाया जाने वाला यह फूल एक उड़ते हुए तोते जैसा दिखता है। इसे दुर्लभ श्रेणी में रखा गया है। इस फूल का देश से बाहर निर्यात प्रतिबंधित है।

बर्ड ऑफ पैराडाइज: यह फूल उड़ते हुए रंग-बिरंगे पक्षी जैसा दिखता है। इसके चटक नारंगी और नीले रंग इसे बेहद मनमोहक बनाते हैं। *

खास समय में खिलने वाले फूल

बच्चो, कुछ फूल ऐसे होते हैं, जो किसी खास समय में ही खिलते हैं। इन फूलों में भी कई विशेषताएं पाई जाती हैं।

मॉर्निंग ग्लोरी: यह एक खूबसूरत बेल वाला पौधा है, जो अपने तुरही के आकार के फूलों के लिए जाना जाता है। ये फूल सुबह सूरज उगने पर खिलते हैं। ये बैंगनी, नीले, गुलाबी, लाल और सफेद रंगों के होते हैं।

चांदनी रात में खिलने वाले फूल: कुछ फूल, जैसे 'मून फ्लावर' दिन में बंद रहते हैं और रात में चांद की रोशनी में खिलते हैं, जो रात के समय एक अनोखा नजारा पेश करते हैं। रात में खिलने वाले ये फूल न केवल सुंदर होते हैं, बल्कि उनकी खुशबू भी बहुत मनमोहक होती है।

रात की रानी: नाइट ब्लूमिंग जैस्मिन यानी रात की रानी अपने छोटे सफेद फूलों और भीनी-भीनी खुशबू के लिए प्रसिद्ध है। इसे पारिजात या हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इसके सफेद फूल और नारंगी डंठल होते हैं। यह रात में खिलता है और सुबह होने पर खुद-ब-खुद जमीन पर गिर जाता है।

रजनीगंधा: इसके लंबे डंठल पर सफेद फूल खिलते हैं, जिनकी खुशबू रात में और भी बढ़ जाती है।

फोर ओ क्लॉक फ्लावर: यह फूल अकसर शाम को 4 बजे खिलते हैं और रात भर खिले रहते हैं। इसे गुल अब्बास का पौधा या मीराबिलिस जालपा कहा जाता है। इसे कृष्णाकली, संध्याकली, संजमल्लिगे, अंधीमल्लिगाई और लंकाफूल भी कहा जाता है।

ईवनिंग प्रिमरोज: इसके पीले फूल शाम के समय खिलते हैं और अपनी मीठी महक बिखेरते हैं।

ब्रह्म कमल: इस फूल को 'हिमालय का सम्राट' कहा जाता है। यह साल में केवल एक बार रात में खिलता है और सुबह होते ही बंद हो जाता है।

सफेद-घने फर वाला पोलर बियर

पोलर बियर यानी ध्रुवीय भालू, एक बेहद क्यूट-सा दिखने वाला जंतु है। लेकिन यह जितना क्यूट दिखता है, उतना ही खतरनाक भी है। जानो, आर्कटिक क्षेत्र में पाए जाने वाले पोलर बियर के बारे में कुछ और बातें।

जंतु जगत
रेखा शाह आरबी

बच्चो, कोई भी जब पोलर बियर को देखेगा तो इसकी सुंदरता और क्यूटनेस देखकर मोहित हो जाएगा। देखने में इतना मासूम लगता है कि आभास ही नहीं होता कि यह एनिमल एक खतरनाक शिकारी भी है। पोलर बियर, आर्कटिक क्षेत्र का सबसे बड़ा मांसाहारी शिकारी जंतु कहा जाता है।

शारीरिक विशेषताएं: पोलर बियर का फर सफेद रंग का होता है। लेकिन उसकी स्किन काली होती है। बहुत घने फर के कारण यह पूरा सफेद दिखाई देता है। इसका वजन 300 से 700 किलोग्राम तक हो सकता है। लंबाई की बात करें, तो एक वयस्क पोलर बियर की लंबाई 8 से 10 फीट तक होती है। इसका खूबसूरत फर वास्तव में पारदर्शी और खोखला होता है। जिससे धूप की रोशनी नीचे काली त्वचा तक पहुंचती है, जो गर्मी सोख लेती है। फर की मोटी परत और त्वचा के नीचे फैट (वसा) की मोटी परत इसे ठंड से बचाती है। पोलर बियर के पैर बड़े, चौड़े और खुरदुरे होते हैं, जो इसे बर्फ पर चलने में सहायक होते हैं, फिसलने से बचाते भी हैं। पोलर बियर एक बेहतरीन तैराक भी होता है।

आवास व आहार: आर्कटिक महासागर और उसके आस-पास के समुद्री बर्फ वाले क्षेत्र, पोलर बियर के मुख्य निवास स्थान हैं। कनाडा, ग्रीनलैंड, अलास्का (अमेरिका), स्वालबार्ड (नॉर्वे) जैसी बर्फीली जगहों पर यह मुख्य रूप से पाया जाता है, क्योंकि इसका भोजन वहीं पर मिलता है। यह सील का शिकार करता है। आहार में मुख्य रूप से यह सील ही खाता है। हालांकि यह अन्य स्तनधारी जंतुओं का भी शिकार करता है।

माहिर शिकारी: पोलर बियर एक माहिर शिकारी होता है। यह घात लगाकर शिकार करता है। दरअसल, बर्फ के नीचे रहने वाली सील सांस लेने के लिए बर्फ में छेद बनाकर रहती है। वहीं पर यह घात लगाकर बैठा रहता है। सील सांस लेने के लिए जैसे ही बाहर आती है, यह उसका शिकार कर लेता है। *

जरूरी है पोलर बियर का संरक्षण

आर्कटिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए पोलर बियर बहुत ही जरूरी प्राणी है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण पोलर बियर विलुप्तप्राय हो रहे हैं। आईयूसीएन ने पोलर बियर के लिए ग्लोबल वार्मिंग को सबसे बड़े खतरे के रूप में सूचीबद्ध किया है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है, इसलिए पोलर बियर के आवास और शिकार (सील) नष्ट हो रहे हैं। इसकी आबादी घट रही है और यह इंसानी बस्तियों के करीब आ रहा है। इस कारण पोलर बियर और इंसानों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। प्रकृति और जलवायु संतुलन के लिए पोलर बियर का संरक्षण बहुत जरूरी है।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

मजेदार किस्सों का पिटारा

बच्चो, जब तुम जाने-माने लेखक स्वयं प्रकाश की लिखी किताब 'सप्पू के दोस्त' पढ़ोगे तो कभी तुम्हें लगेगा कि सप्पू तो खुद लेखक है, फिर दूसरे ही क्षण लगेगा कि सप्पू तुम स्वयं हो या फिर लगेगा सप्पू तुम्हारा दोस्त है। इस किताब में तुम्हें सप्पू के 11 किस्से पढ़ने को मिलेंगे। हर किस्से में तुम सप्पू के साथ जगह-जगह का मजा लोगे। कभी रेल के डिब्बे में होगे, कभी स्कूल के मैदान में तो कभी रास्ते में किसी मजमे वाले के पास रुककर तमाशा देखोगे। कुछ किस्सों के तो शीर्षक भी एक-एक शब्द के हैं, जैसे- 'इम्मी', 'सबक', 'अमरूद', 'कुली', 'गणेशीलाल'। मजे की बात यह है इन किस्सों में स्वयं सप्पू हीरो नहीं है। हीरो कभी कुली है तो कभी गणेशीलाल या कोई और। बहुत ही निराली है सप्पू की बचपन की दुनिया। बच्चो, एक बार किताब को हाथ में लोगे तो पूरी किताब पढ़कर ही तुम्हें चैन मिलेगा। फिर तुम इस किताब को दोस्तों को भी पढ़ाओगे, ताकि तुम सप्पू के किस्सों पर चर्चा कर सको। किताब के चित्र भी सप्पू के किस्सों की तरह बहुत मजेदार हैं, हंसाते हैं, गुदगुदाते हैं। *

किताब: सप्पू के दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखक:** स्वयं प्रकाश
मूल्य: 200 रुपए, **प्रकाशक:** जुगनू प्रकाशन, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

रिंकी: आंखों के भाई को हम किस नाम से बुलाते हैं?
पिंकी: पता नहीं, तुम्हीं बता दो।
रिंकी: आई-ब्रो।
-हर्षिता, रायपुर

डॉक्टर: मिक्की, इस दवाई को दिन में चार चम्मच लेना।
मिक्की: फिर तो डॉक्टर अंकल, मैं यह दवा नहीं पी पाऊंगी।
डॉक्टर: वो क्यों?
मिक्की: मेरे घर में तो सिर्फ दो चम्मच ही हैं।
-कविता, दुर्ग

पापा: आज मैथ्स टेस्ट में तुम्हारे कितने नंबर आए?
सोनू: मोनू से बीस नंबर कम।
पापा: अच्छा! मोनू के कितने नंबर आए हैं?
सोनू: बीस नंबर।
-अमन, बिलासपुर

जीके क्विज-190

1. हाल ही में किस भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की है?
2. भारत के 92वें ग्रैंड मास्टर बनने वाले शतरंज खिलाड़ी कौन हैं?
3. भारत के वर्तमान रक्षा मंत्री कौन हैं?
4. दिल्ली के लाल किले का निर्माण किसने करवाया था?
5. हाल में ही वायु सेना के किस अफसर को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया?
6. पूर्व न्यायाधीश के टी थॉमस को हाल ही में किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया?
7. विटामिन ई का रासायनिक नाम क्या है?
8. कौन-सा विटामिन बोंस को मजबूत बनाने में सहायक होता है?
9. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
10. माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?

बच्चो, जीके क्विज-190 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-189 का उत्तर : 1.उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा, 2. 77वां, 3.सुभाष चंद्र बोस, 4.15 जनवरी, 5.गुजरात, 6.1950 ई., 7. बी.आर. अंबेडकर, 8.6 (छह), 9.डॉ. राजेंद्र प्रसाद, 10.बंकिम चंद्र चटर्जी

जीके क्विज-189 का सही उत्तर देने वाले : भूमेश-महासमुंद, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, रमेश-बैकुंठपुर, तान्या-दुर्ग, कोमल-हिसार, संचित-रायपुर, अमन-बिलासपुर, सौम्या-बलौदा बाजार, कल्पेश-मटियारी, पवन-दुर्ग

कहानी
गोविंद शर्मा

क्या कोई बंदर पढ़ाई में मन ना लगाने वाले किसी बच्चे को ऐसा सुधार सकता है कि वह बच्चा पढ़ाकू बन जाए? ऐसी अनहोनी दादा जी के साथ उनके बचपन में हुई थी। दादा जी को एक बंदर ने कैसे सुधारा? पढ़ो, एक मजेदार कहानी।

बंदर जी ने सुधारा!

एक दिन बच्चों ने दादा जी को घेर लिया। बच्चे अकसर ही दादा जी का घेराव अच्छी-अच्छी, प्यारी-प्यारी बातें करने लिए करते रहते हैं। एक बच्चे ने पूछा, 'दादा जी, आप कितनी ही भाषाएं हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, संस्कृत पढ़ना-लिखना जानते हैं! आप तो कहते हैं कि सिर्फ स्कूल में पढ़े हैं। कभी कॉलेज में पढ़ने नहीं गए। आपको ज्यादा से ज्यादा पढ़ना किसने सिखाया?

'एक बंदर जी ने।' दादा जी तुरंत बोले।

बच्चे चौंके, 'बंदर ने! दादा जी, यह क्या कह रहे हैं? आप अपने अध्यापक जी को बंदर जी कह रहे हैं?'

'नहीं-नहीं, मैं तो एक बंदर जी को अध्यापक जी कह रहा हूं।' यह कहकर दादा जी मुस्कुराए।

'आप कह क्या रहे हैं दादा जी? बंदरों को तो मदारी लोग यानी आदमी सिखाते हैं। आप किसी बंदर से कैसे सीखे?' बच्चे दादा जी की बात समझ नहीं पा रहे थे।

'सच कहूं या झूठ?' दादा जी हंसते हुए बोले।

'दादा जी, आप क्या झूठ बोलना भी जानते हैं? हमें तो सदा ही सच बोलना सिखाते हैं।' बच्चे बोले।

दादा जी गंभीर हो गए, बोले, 'चलो, मैं अपनी एक सच्ची कहानी सुनाता हूं। जब मैं स्कूल में था, मेरी रुचि पढ़ने में बहुत कम थी। घर के लोग और स्कूल के कुछ अध्यापक इस कोशिश में रहते थे कि पढ़ने में और स्कूल में टिके रहने में मेरी रुचि बढ़े।'

'यह स्कूल में 'टिके रहना' क्या होता है?' बीच में एक बच्चा बोला।

'टिके रहना भी होता है। मुझे जब भी मौका मिलता, क्लास छोड़कर स्कूल से भाग जाता। इधर-उधर घूमता और छुट्टी होने के समय घर आ जाता।' दादा जी ने बताया।

'क्या आप स्कूल बैग के साथ स्कूल से बाहर आ जाते थे?' एक बच्चे ने सवाल किया।

'अरे नहीं, स्कूल बैग क्लास में छोड़ आता था। छुट्टी होने पर कोई दोस्त वह बैग बाहर लाकर मुझे दे देता। हम स्कूल बैग को बस्ता कहते थे। मेरी तरह स्कूल के कुछ और बच्चे भी ऐसा करते थे। हम स्कूल के मुख्य द्वार से बाहर नहीं जाते थे। क्योंकि ऐसा करने पर हेड मास्टर जी या कोई और मास्टर जी देख सकते थे। इसलिए हम स्कूल की पिछली दीवार लांघकर बाहर जाते थे यानी बंक मारते थे।' दादा जी एक पल रुके, फिर आगे बोले, 'एक दिन गजब हो गया। जैसे ही मैं दीवार से दूसरी तरफ कूद कर खड़ा हुआ, एक बंदर पता नहीं कहां से आ गया। उस समय हमारे स्कूल के आस-पास बंदर नहीं होते थे। मैं उस बंदर को देखता रहा और वह मुझे देखता रहा। मैं जाने लगा तो वह 'खों खों' करता मेरी तरफ बढ़ा। मैं डर गया। मैं कभी इधर तो कभी उधर भागने लगा। बंदर ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा। मैं किसी तरह वापस दीवार पर चढ़कर स्कूल की बाउंड्री में कूद गया। कुछ और बच्चों को भी उस बंदर ने स्कूल से यूं भागने से रोका। मैंने एक-दो दिन बाद फिर कोशिश की। पर हर बार वह बंदर मुझे तैयार मिलता। स्कूल से मुझे भागने नहीं देता। उसके डर से मैं स्कूल के समय में स्कूल में ही रहने लगा। अपनी कक्षा में बैठने लगा। पढ़ाई में रुचि लेने लगा। मुझे पढ़ने में भी मजा आने लगा। एक दिन तो गजब हो गया। मुझे अपने गणित के अध्यापक जी के मुंह से थैंक यू सुनने को मिला। अध्यापक जी बोले, 'पहले मुझे लगता था कि तुम इस कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम खराब कर दोगे। लेकिन अब लगता है, तुम्हारी गणित में रुचि लेने से परिणाम ज्यादा अच्छा रहेगा, थैंक यू!' बच्चो, शायद तुम समझ गए होगे कि उस समय मुझे कितनी ज्यादा खुशी हुई होगी, क्योंकि अध्यापक जी से थैंक यू कभी-कभी ही मिलता है। मैं तुम लोगों से यही कहना चाहूंगा कि किसी भी जानवर को कभी कम नहीं समझना चाहिए।'

'बिल्कुल दादा जी, हम यह समझ गए कि आप किसी अध्यापक को बंदर जी नहीं कह रहे हैं बल्कि बंदर को ही बंदर जी कह रहे हैं। कहना भी चाहिए, क्योंकि आपको और आप जैसे दूसरे बच्चों को सुधारने में जहां अध्यापक जी सफल नहीं हुए, वहां एक बंदर जी सफल हो गए। लेकिन हम तो आपसे ही बहुत कुछ सीख रहे हैं, इसलिए आपको ही कहेंगे थैंक यू!'

इसके बाद तो कुछ देर तक बच्चे हंसते रहे। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

बिना पंख उड़ता है मन

बहुत तेज चलता है मन।
मनचाहा करता है मन।।
गहरी नदियों में जाता,
हीरे-मोती ले आता,
ऊंचे-ऊंचे शिखरों पर
बिन पैरों चढ़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
उड़न खटोला ले आता,
दूर देश तक ले जाता,
स्वर्गलोक की परियों से
पल भर में मिलता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
रॉकेट जैसा खूब उड़े,
सूर्य चंद्र से बात करे,
नील गगन में सन-सन-सन
बिना पंख उड़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
किले हवाई बड़े-बड़े,
पल में जीते बिना लड़े,
महल खयाली कितने ही
क्षण भर में रचता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
सागर में गोता खाता,
पनडुब्बी-सा बन जाता,
खतरनाक शेरों को भी
काबू में करता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां एक एंग्री बर्ड के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में ये पांच अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1.एंग्री बर्ड की टेल का एक पंख ज्यादा है। 2.एंग्री बर्ड के पीछे पेड़ में कोटर नहीं है। 3.ऊपर पेड़ की तीन पत्तियां कम हैं। 4.एंग्री बर्ड के बाएं पैर में एक अंगुली कम है। 5.एंग्री बर्ड के आगे केंचुए का [illegible] उलटा हुआ है।

सही रास्ता खोजो

बच्चो, इस चित्र में दिख रहे मंकी को स्टार ट्वॉय चाहिए। लेकिन स्टार जिस जगह रखा हुआ है, वहां तक पहुंचने का रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम मंकी को स्टार तक पहुंचने का रास्ता तो बताओ जरा।

खबर संक्षेप

डेढ़ हजार लोकेशन पर हुईं हायर रेट में रजिस्ट्री पड़ताल में जुटे अफसर

भोपाल। एक अप्रैल से लागू होने वाली प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन को लेकर पंजीयन विभाग ने पड़ताल शुरु कर दी है। शुरुआत में अफसरों ने रजिस्ट्री के रिकार्ड निकाले हैं। जिसके तहत डेढ़ हजार से अधिक लोकेशन पर प्रॉपर्टी के वर्तमान रेट से अधिक दामों पर रजिस्ट्री की गईं हैं। इन रजिस्ट्री के रिकार्ड का मिलान भी किया जा रहा है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यहां होने वाली रजिस्ट्री लोन की वजह से अधिक दामों पर हुईं हैं या यहां प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोतरी हुई है। प्रॉपर्टी के रेट तय करने के लिए उपजिला मूल्यांकन समिति की बैठक की जाना है। जिसके आधार पर हायर रेट में होने वाली रजिस्ट्री का डेटा रखा जाएगा। उपजिला मूल्यांकन समिति प्रस्ताव तैयार कर इसे जिला मूल्यांकन समिति को भेजेगी, फिर लोगों से दावे-आपत्तियां मांगी जाएंगी।

रामेश्वर बोले, उर्दू स्वीकार्य तो गीता पर क्यों ऐतराज

भोपाल। मध्य प्रदेश में मदरसों में गीता पढ़ाने के सुझाव को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने पहल का समर्थन करते हुए कहा कि जब उर्दू

पढ़ाई जा सकती है तो गीता पर आपत्ति क्यों। उन्होंने गीता को धर्म नहीं, बल्कि जीवन दर्शन बताते हुए इसे सभी के लिए जरूरी नैतिक शिक्षा बताया। रामेश्वर का कहना है कि गीता को केवल धार्मिक ग्रंथ के रूप में देखना गलत है। यह ऐसा दर्शन है, जो आत्मबल बढ़ाता है, सामाजिक समरसता सिखाता है और अन्याय व अपराध के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता है। उर्दू पढ़ाई जा सकती है, तो गीता क्यों नहीं?। रामेश्वर ने सवाल उठाया कि जब मदरसों में हिंदू बच्चों को उर्दू सिखाई जा सकती है, तो गीता पढ़ाने पर आपत्ति क्यों जताई जा रही है। उनके मुताबिक, गीता किसी एक समुदाय की नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ है।

इतिहास का सम्मान जरूरी है, खिलवाड़ नहीं करें: भूरिया

भोपाल। जनजातीय नायकों की स्मृति में तीन नए विश्वविद्यालयों क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन, क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय गुना एवं रानी

अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय सागर की स्थापना की गई है। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और झाबुआ से कांग्रेस विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने सीएम डॉ. मोहन यादव के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि इतिहास का सम्मान जरूरी है, खिलवाड़ नहीं। तात्या टोपे मराठा थे, आदिवासी नहीं। रानी अवंतीबाई लोधी, लोधी (ओबीसी) समाज से थीं, आदिवासी नहीं। अगर सरकार सच में आदिवासियों को सम्मान देना चाहती है, तो बिरसा मुंडा, भीमा नायक, राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती जैसे असली जनजातीय नायकों को सामने लाए।

बजट से पहले प्रमुख विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

जन-अपेक्षाओं और सर्व समाज के कल्याण पर केंद्रित होगा हरियाणा का बजट: मुख्यमंत्री

शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, आधारभूत ढांचे को सशक्त बनाने को प्रतिबद्धता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य का आगामी 2026-27 का बजट आम नागरिक की जरूरतों, विश्वास और भविष्य की उम्मीदों को प्रतिबिंबित करने वाला होगा। सरकार की प्राथमिकता ऐसा बजट तैयार करने की है, जिससे विकास धरातल पर दिखाई दे और योजनाओं का सीधा लाभ जनता तक पहुंचे। वर्ष 2026-27 का बजट जन-अपेक्षाओं और सर्व समाज के कल्याण पर केंद्रित होगा। इस दिशा में प्रशासनिक दक्षता, तकनीकी नवाचार और संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी दिशा में लगातार विभिन्न हितधारकों और अधिकारियों के साथ बैठक कर हर पहलू पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। मुख्यमंत्री गुरुवार को हरियाणा निवास में प्रमुख विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में गत वर्ष के बजट में की गई घोषणाओं और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में जिन विभागों की समीक्षा की गई, उनमें शिक्षा, विकास एवं पंचायत, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, आयुष, महिला एवं बाल विकास, शहरी स्थानीय निकाय, राजस्व, खनन एवं भू-विज्ञान, लोक निर्माण, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सहकारिता, जेल, विरासत एवं पर्यटन और खेल विभाग शामिल हैं।

चंडीगढ़। बजट से पहले प्रमुख विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। फोटो: हरिभूमि

जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है सरकार

नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हित के लिए काम कर रही है, इसलिए सरकार और अधिकारियों को मिलकर जन सेवा के भाव के साथ काम करना चाहिए। सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही है, इसलिए बजट में की गई घोषणाओं और कार्यक्रमों को जमीनीस्तर पर तय समय सीमा में अवश्य लागू किया जाए। सीएम ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, जल संसाधन, शहरी एवं ग्रामीण विकास, आधारभूत ढांचे और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में गुणवत्ता सुधार और सेवा वितरण को सशक्त बनाना सरकार की प्रमुख प्रतिबद्धता है।

वैकल्पिक भंडारण से बढ़ेगी गोदाम संचालकों की आय: मंत्री राजपूत

मप्र में 4 हजार से अधिक गोदाम तीन चौथाई खाली, वैकल्पिक उपयोग हो

- *वेयर हाउस की आय वृद्धि के अन्य व्यावसायिक उपयोग पर कार्यशाला आयोजित*
- *400 गोदाम संचालक को वैकल्पिक आय अर्जित करने के लिए जागरूक किया*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में मौजूदा समय में करीब 4 हजार से अधिक वेयरहाउस बने हुए हैं। खाद्य विभाग के पास इन सभी का रजिस्ट्रेशन है, किंतु इनमें से एक चौथाई वेयरहाउस की उपयोग में आ रहे हैं। क्षमता से अधिक वेयरहाउस बने होने की वजह से सरकार पर भी दबाव बढ़ गया है। खाद्य विभाग अब ऐसे वेयरहाउस संचालकों को जागरूक करना शुरू किया है, ताकि वे उन वेयरहाउस में अन्य गतिविधियां भी संचालित कर सके। इससे उनकी आमदनी बढ़ेगी, उनकी बैंकों के ओवरड्यू से लेकर डिफाल्टर होने आदि की समस्या भी दूर हो सकेगी। इसे लेकर प्रदेश के करीब 400 वेयरहाउस संचालकों एक कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें उन्हें अन्य कार्यों के जरिए वेयरहाउस से आय प्राप्त करने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही उनकी समस्याएं भी सुनी गई।

खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेश में वेयरहाउस की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने एवं गोदाम संचालकों को आय के वैकल्पिक स्त्रोत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वेयर हाउस की आय वृद्धि के अन्य व्यावसायिक उपयोग विषय पर आयोजित कार्यशाला में कई सुझाव दिए।

कार्यशाला में वेयर हाउस संचालकों को संबोधित करते मंत्री गोविंद सिंह राजपूत।

मप्र एक ऐसा राज्य है, जहां पर खुले में अनाज नहीं रखा जाता

अपर मुख्य सचिव खाद्य शरश्मि अरूण शमी ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में मप्र एक ऐसा राज्य है, जहां पर खुले में अनाज नहीं रखा जाता। प्रदेश में भण्डारण की क्षमता अधिक होने से वेयर हाउस संचालकों को कई बार आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कार्यशाला में विशेषज्ञ इसी विषय पर जरूरी मार्गदर्शन देंगे। एमडी मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन अनुराग वर्मा ने कहा कि कार्यशाला में आए महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार कर इन्हें अमल में लाया जाएगा। इस दौरान आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं वेयरहाउस संचालक उपस्थित थे।

आत्मविश्वास के साथ निवेश एवं व्यावसायिक निर्णय लें

विशेषज्ञों ने कहा कि शासन की नीतियों, नियमों एवं उपलब्ध योजनाओं की स्पष्ट जानकारी देकर गोदाम संचालकों को नीतिगत समर्थन प्रदान किया जा रहा है, ताकि आत्मविश्वास के साथ निवेश एवं व्यावसायिक निर्णय ले सकें। प्रदेश की भंडारण एवं लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में निजी गोदाम संचालकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस कार्यशाला से प्राप्त सुझाव और नवाचार प्रदेश के वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को नई दिशा देंगे।

प्रायवेट कामर्शियल वेयरहाउसेस इन द कंट्री पर चर्चा

कार्यशाला में आईआईएम मुम्बई के प्रो. वीपन कुमार और सुश्री सुमिता नारायण ने ट्रांसफार्मिंग पब्लिक गोडाउन्स टू प्रायवेट वेयर हाउसेस - केस ऑफ अदर स्टेटस पर विचार व्यक्त किए। स्केलर स्पेस ऑफ मुसद्दीलाल ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. गोपाल मोर ने ओवरव्यू ऑफ प्रायवेट वेयरहाउसिंग मार्केट एण्ड अप्रोच टू सेटिंग अप प्रायवेट कामर्शियल वेयरहाउसेस इन द कंट्री पर चर्चा की। सीबीआरसी दिल्ली के सीनियर डायरेक्टर नितिन चंद्रा ने प्रायवेट वेयरहाउसिंग मार्केट - प्रिवेलिंग कॉमर्शियल स्ट्रक्चर्स एण्ड अल्टरनेटिव एवेन्यूज फॉर वेयरहाउस ओनर्स एण्ड बेनेफिटस पर जानकारी दी।

आदमपुर में चारकोल प्लांट का ट्रायल रन जल्द

भोपाल। शहर से सटे आदमपुर छावनी में बनकर तैयार हुए टोरीफाईड चारकोल प्लांट का ट्रायल रन जल्द शुरू होगा। इसके संचालन को लेकर गत दिवस एनजीटी ने 13 फरवरी को नगर निगम से रिपोर्ट तलब की है। निगम आयुक्त ने एनटीपीसी के अधिकारियों को दिसंबर-25 में हुई बैठक में जनवरी-26 में उक्त प्लांट का ट्रायल रन शुरू करने को कहा था, लेकिन तकनीकी कामों में देरी के कारण यह अब तक शुरू नहीं हुआ। एनजीटी की फटकार के बाद निगम प्रशासन ने ट्रायल रन को लेकर प्लांट की स्थिति की जानकारी ली है। एनटीपीसी द्वारा बनाए गए उक्त प्लांट में रोजाना 400 टन सूखे कचरे से टोरीफाईड चारकोल का निर्माण होगा। इसका उपयोग ईंधन के रूप में किया जाएगा। भोपाल देश में बनारस के बाद दूसरा शहर होगा जहां सूखे कचरे से टोरीफाईड चारकोल बनाने का प्लांट शुरू किया जा रहा है। निगम आयुक्त ने एनटीपीसी के अधिकारियों को निर्देश दिया था कि प्लांट से संबंधित जो भी कार्य और तैयारियां बाकी हैं उन्हें जल्द पूरा करें और ट्रायल रन के बाद प्लांट का संचालन पूरी तरह से शुरू कर दिया जाए। इस दौरान आयुक्त को प्लांट के संचालन की जानकारी दी गई, लेकिन तकनीकी काम समय पर नहीं होने से ट्रायल रन शुरू नहीं हो सका। निगम अधिकारियों के अनुसार जल्द ही ट्रायल रन शुरू हो जाएगा।

- 400 टन सूखे कचरे से बनेगा टोरीफाईड चारकोल

22 जनवरी के बाद से लगातार बढ़ रहा आंकड़ा

मैपिंग वाले वोटर्स के नाम काटने आखिरी दिन आई 3500 आपत्तियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में मतदाताओं की मौपिंग के बाद ड्राफ्ट रोल जारी कर दिया गया है। जिसके बाद एक महीने चले दावे-आपत्तियों के समय में मैपिंग वाले मतदाताओं का नाम काटने के लिए अब तक 9 हजार 37 आपत्तियां दर्ज की गई हैं। जिसमें इन मतदाताओं को एबसेंट बताकर नाम जुड़ा होने पर आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं।

आखिरी दो दिनों में थोक में दर्ज की गई आपत्तियों में एक व्यक्ति ने एक दर्जन से अधिक मतदाताओं के नाम पर आपत्ति दर्ज कराई है। निर्वाचन से जुड़े अफसरों का कहना है कि आपत्ति वाले मतदाताओं को दोबारा से वेरिफिकेशन कराया जाएगा। जिले के एक लाख 16 हजार 925 मतदाताओं की सुनवाई पहले से जारी है। जिसकी सुनवाई 14 फरवरी तक की जाएगी। आपत्तियों का निराकरण भी इसके साथ ही किया जाएगा। राजधानी की बैरसिया, उत्तर, नरेला, दक्षिण पश्चिम, मध्य, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा में 4 लाख 38 हजार 317 नाम काटने के बाद आपत्ति वाले मतदाताओं के नाम कटने का खतरा बढ़ गया है।

दक्षिण-पश्चिम में ऐसी आपत्तियां

यहां पर लीलाधर के नाम से एक दर्जन मतदाताओं को एबसेंट बताकर फार्म-7 भरकर आपत्ति, कमला नगर के शानू खान, शबाना बानो, नाजिम कुरैशी, जावेद खान, हुमा खान, सजरा, बुशरा को अनुपस्थित बताया गया है। विनय यादव की आपत्ति मोहम्मद इमरान, सलीम कुरेशी के एबसेंट की है। माधव प्रसाद की आपत्ति फीरोज खान और विवेक सिंह ने धम्मान बी के स्थानांतरित होने की आपत्ति दर्ज कराई है।

77 हजार नए नाम जुड़ेंगे

सात विस में 77 हजार 507 मतदाताओं ने वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए फार्म-6 भरा है। चार दिन पहले आंकड़ा 60 हजार था। बीएलओ के पास आवेदन अधिक होने से नाम जोड़ने के आवेदन अपलोड करना जारी है।

विधानसभावार आंकड़ा

विस	आपत्तियां (फार्म-7)	नो मैपिंग
उत्तर	325	10080
नरेला	4882	23790
दक्षिण-पश्चिम	546	16596
मध्य	1430	10088
गोविंदपुरा	619	30188
हुजूर	797	24049
कुल	9037	116925

बरामद दोनों आईईडी का वजन 20 से 30 किलोग्राम

माओवादियों की साजिश नाकाम दो आईईडी बरामद, किए निष्क्रिय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

जिले में सुरक्षा बलों ने माओवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर हमले की साजिश को सफलतापूर्वक विफल कर दिया है। डीआरजी बीजापुर, ईलमिड़ी थाना, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 9वीं वाहिनी और बीडीएस टीम बीजापुर की संयुक्त टीम ने ईलमिड़ी-लंकापल्ली क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सर्चिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान, सुरक्षा कर्मियों ने माओवादियों द्वारा लगाए गए दो अत्यंत शक्तिशाली आईईडी को बरामद कर उन्हें सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। अभियान के दौरान, डिमाइनिंग कार्यवाही करते हुए लंकापल्ली कच्ची सड़क पर ये आईईडी पाए गए। बरामद किए गए दोनों आईईडी का वजन 20 से 30 किलोग्राम के बीच था, जो उनकी क्षमता और विनाशकारी प्रकृति को दर्शाता है। बीडीएस टीम बीजापुर ने इन आईईडी को मौके पर ही निष्क्रिय और नष्ट करने की कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, माओवादियों ने इन आईईडी को कमांड स्विच सिस्टम के माध्यम से सड़क के बीचों-बीच स्थापित किया था। हालांकि, सुरक्षा बलों की निरंतर सतर्कता, उनकी सूझ-बूझ और त्वरित प्रतिक्रिया ने माओवादियों की इस नापाक साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया। यह घटना सुरक्षा बलों की प्रभावी निगरानी और क्षेत्र में शांति व व्यवस्था बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

ब्रिटिश संसद में गूंजे भारत मां के जयकारे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लंदन में प्रसिद्ध एशियन रेडियो उद्घोषक रवि शर्मा और उनके साथियों द्वारा गठित हरियाणा एसोसिएशन यूके द्वारा ब्रिटिश संसद में गणतंत्र दिवस और गीता महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे लॉर्ड रमी रेंजर, जो कि पार्लियामेंट के एक प्रमुख भारतीय समर्थक लॉर्ड है। अपने संदेश में उन्होंने हरियाणा संगठन यूके को इस आयोजन के लिए बधाई दी कि वह पिछले कई वर्षों से गीता जयंती पार्लियामेंट में बना रहे हैं और गणतंत्र दिवस का आयोजन भी करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 40 साल से हरियाणा एसोसिएशन यूके के मुख्य संयोजक रवि शर्मा ने हरियाणा का खूब नाम रोशन किया और इंग्लैंड में बसे हरियाणा वीडियो को अपनी-अपने देश और अपने प्रदेश से जोड़े

रखने का काम किया है। चित्रकार सुजाता मलिक दलाल ने भारत और ब्रिटेन के आपसी संबंधों को दर्शाती पेंटिंग बना मुख्य अतिथि को भेंट की। कार्यक्रम में गायिका मंदाकिनी और गीता रोज के गीत संगीत और कुछ ऑडियो विजुअल्स शामिल किए गए, कार्यक्रम में हुई लाइव प्रसूतियों में मुख्य पूर्व में बैरिस्टर रहे स्वर्गीय रामचंद्र द्वारा किए गए गीता के हरियाणवी अनुवाद का रामचंद्र भारद्वाज द्वारा गायन और महाभारत के किरदार युयुत्सु के रूप में सुशील रावत वॉर द्वारा की गई संवाद अदायगी रहा। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे निर्माता निर्देशक हरविंदर मलिक द्वारा निर्मित और हरियाणा की सुप्रसिद्ध कलाकार नम्रता शर्मा और सखियों द्वारा अभिनीत गीत ₹बंदे जै तन्नै सुनना गीता ज्ञान म्हारे कुरुक्षेत्र म्ह आइए₹ के वीडियो का प्रस्तुतीकरण रहा।

कांकेर जिले के आमाबेड़ा थाना क्षेत्र का मामला

अनियंत्रित होकर पलटी यात्रियों से भरी बस, 32 घायल, 8 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरुवार को यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में कुल 32 यात्री घायल हुए हैं। इनमें 8 की हालत गंभीर है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए कांकेर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं दो लोगों को रायपुर भी रेफर किया गया है। घटना जिले के आमाबेड़ा थाना क्षेत्र की है।

सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल की। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। घायलों को बेहतर इलाज के लिए आमाबेड़ा अस्पताल भेजा गया, जबकि 8 गंभीर घायलों को कांकेर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बताया जाता है कि यात्री बस बांदे से अंतागढ़ होते हुए जगदलपुर से होते हुए बैलाडीला जा रही थी। इस दौरान आमाबेड़ा के पास बांध मोड़ पर बस चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सड़क किनारे पलट गई। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि हादसा बस चालक की लापरवाही की वजह से हुआ। मोड़ होने के बावजूद बस ड्राइवर ने रफ्तार कम नहीं की। इस वजह से बस से नियंत्रण खो दिया और बस अनियंत्रित होकर पलट गई।

पीएम गति शक्ति से समन्वय कर जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक उपयोग करें

डेटा सेंटर की गतिविधियों पर सीएस ने व्यक्त किया संतोष

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने किया स्टेट डेटा सेंटर का निरीक्षण, विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने स्टेट डाटा सेंटर की कार्य प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने अपेक्षा की है कि पीएम गति शक्ति से समन्वय कर डेटा का आदान-प्रदान करें तथा राज्य शासन के सभी विभाग इस एप का राज्य की जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक उपयोग करें।

मुख्य सचिव ने डेटा सेंटर की गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया और सेंटर के विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव एम. सेल्वेंद्रम और एमपी एसईडीसी के एमडी आशीष वशिष्ठ और प्रोजेक्ट डायरेक्टर, स्वान अंशुमान राज भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने डेटा सेंटर की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने ड्रोन डाटा डिपॉजिटरी का अवलोकन किया और खनिज, जल जीवन मिशन, ग्रामीण सड़क, सेंट्रल विस्टा जैसी प्रोजेक्ट के लिए किए जा रहे ऑनलाइन कार्य को भी देखा। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्वालियर के पटवारी से भी आधुनिक तकनीक से नक्शा आदि बनाने की जानकारी ली।

डेटा सेंटर की जानकारी लेते मुख्य सचिव जैन।

परियोजना आमजन के लिए महत्वपूर्ण

मुख्य सचिव जैन ने इस परियोजना को आमजन के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जीआईएस लैब से नक्शा विहीन और विस्थापित ग्रामों के नक्शा आदि को तैयार करने के उनके विजन को गुणवत्ता से पूर्ण होते देखना सुखद और सराहनीय है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में जीआई सिस्टम के लिए एक्सपर्ट की नियुक्ति की जाए और अभी जिन 28 जिलों में यह सुविधा है, वहां के कार्यों की जानकारी ली जाए।

शासकीय वेबसाइट और डेटा की सुरक्षा के लिए टूल

मुख्य सचिव जैन ने मध्यप्रदेश की सभी शासकीय वेबसाइट और डेटा की सुरक्षा के लिए किए जा रहे टूल आधारित कार्य का अवलोकन किया। मुख्य सचिव ने मप्र की सभी शासकीय वेबसाइट और डाटा की सुरक्षा के लिए किए जा रहे टूल आधारित कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने साइबर अटैक से निबटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सूक्ष्मता से जानकारी ली। मुख्य सचिव ने टीम की सराहना की है, जिन्होंने राज्य डेटा सेंटर को हैक करने के एक संगठित प्रयास की पहचान कर रिवर्स इंजीनियरिंग के माध्यम से उसके स्रोत का पता लगाया तथा चिन्हित की गई इंट्रूज़न्स को सैनिटाइज़ करने के लिए प्रभावी कार्रवाई की। इसके अतिरिक्त, टीम की ओर से भारत सरकार को पूरे देश में इसी प्रकार के हैकिंग प्रयासों की पहचान करने में सहयोग दिया तथा उनकी रोकथाम के लिए एडवाइजरी जारी करने में भी भूमिका निभाई गई। इन प्रयासों से यह सुविधा अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त कर चुकी है।

जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र का मामला, जांच जारी

सड़क हादसे में वन विभाग के वनपाल की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में वन विभाग के वनपाल ललित यादव की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब वनपाल अपनी मोटर साइकिल से कवर्धा से दुर्ग डाक छोड़ने आ रहे थे। समोदा नाले के पास एक अज्ञात वाहन ने पीछे से उनकी मोटर साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही ललित यादव ने दम तोड़ दिया।

कवर्धा के मुख्य वन संरक्षक कार्यालय में पदस्थ वनपाल ललित यादव की यह दुखद घटना बीती रात हुई। मृतक अपनी ड्यूटी

के सिलसिले में कवर्धा से दुर्ग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मारी और फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

चिंतन

शैक्षिण संस्थानों को जातीय भेदभाव से दूर रखा जाए

सुप्रीम कोर्ट द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर रोक लगाना केवल एक कानूनी हस्तक्षेप नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था के मूल उद्देश्यों पर पुनर्विचार का भी संकेत है। शीर्ष अदालत ने सख्त नसीहत देते हुए साफ शब्दों में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को जातीय और भाषाई भेदभाव से दूर रखा जाना चाहिए, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, न कि उसे वर्गों में बांटना। यूजीसी द्वारा 13 जनवरी को अधिसूचित नए नियमों का उद्देश्य कथित तौर पर भेदभाव की शिकायतों से निपटना था, लेकिन देशभर में इसके विरोध ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या इन प्रावधानों से समस्या सुलझेगी या और जटिल होगी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या शामिल थे, ने माना कि नियमों के प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर कोर्ट ने अगले आदेश तक इन पर रोक लगा दी और 2012 के पुराने नियमों को लागू रखने का निर्देश दिया। अदालत की सबसे महत्वपूर्ण टिप्पणी जातीय आधार पर समितियों के गठन को लेकर आई। कोर्ट ने चेताया कि शैक्षणिक संस्थानों में जातीय आधारित कमेटियां बनाना खतरनाक असर डाल सकता है। शिक्षा का माहौल ऐसा होना चाहिए, जहां छात्र अपनी पहचान के बजाय अपनी योग्यता और परिश्रम के आधार पर आगे बढ़ें। यदि संस्थानों के भीतर ही जातीय पहचान को औपचारिक रूप से रेखांकित किया जाएगा तो यह अनजाने में ही विभाजन और प्रतिस्पर्धा को जन्म दे सकता है। यह भी उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ताओं जिनमें मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान शामिल हैं, ने नए नियमों को जनरल कैटेगरी के छात्रों के प्रति भेदभावपूर्ण बताया। यह तर्क अपने आप में संवेदनशील है, क्योंकि भारत की आरक्षण नीति और सामाजिक न्याय की बहस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह जरूर कहा कि शिक्षा का अधिकार सबका समान है और सवर्ण तथा गैर-सवर्ण जैसी श्रेणियों में छात्रों को बांटना शिक्षा के मूल भाव के खिलाफ है। अदालत ने भाषाई भेदभाव का मुद्दा भी उठाया, जो अक्सर शिक्षा व्यवस्था में अनदेखा रह जाता है। भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषा के आधार पर भेदभाव की संभावना वास्तविक है। यदि शैक्षणिक संस्थानों में भाषा को भी पहचान और प्रभुत्व का औजार बना दिया जाए तो यह समान अवसर की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में एक-दूसरे पर हावी होने की रणनीति किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक चेतना का विस्तार करना है, न कि समाज में पहले से मौजूद खाइयों को और गहरा करना। हालांकि, यह भी सच है कि जातीय भेदभाव की शिकायतें वास्तविक हैं और उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रश्न यह नहीं है कि भेदभाव से कैसे निपटा जाए। यदि नियम अस्पष्ट होंगे या अत्यधिक पहचान-आधारित ढांचे पर टिके होंगे, तो वे समाधान से ज्यादा समस्या पैदा कर सकते हैं। इसी संतुलन की तलाश में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और यूजीसी को नया ड्राफ्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप याद दिलाता है कि शिक्षा नीति केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि समाज के भविष्य की दिशा तय करने वाला उपकरण है। ऐसे में इसका हर शब्द, हर प्रावधान, अत्यंत सोच-समझकर तय किया जाना चाहिए।

बजट
महेन्द्र तिवारी

उम्मीदों व यथार्थ के बीच संतुलन जरूरी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार नौवां आम बजट पेश करने जा रही हैं। यह केवल एक औपचारिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि उस दौर का आईना होगा जिसमें आम आदमी महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच संतुलन खोज रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई है, लेकिन इसका सीधा लाभ हर घर तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। मध्यम वर्ग, जो कर व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, आज सबसे अधिक अपेक्षाएं लगाए बैठा है। यदि इसमें उम्मीदों और यथार्थ के बीच संतुलन बना, तो यह केवल नौवां बजट नहीं, बल्कि विश्वास का दस्तावेज बन सकता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार नौवां आम बजट पेश करने जा रही हैं। यह केवल एक औपचारिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि उस दौर का आईना होगा जिसमें आम आदमी महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच संतुलन खोज रहा है। यह अवसर ऐतिहासिक भी है, क्योंकि वह मोरार जी देसाई के दस बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है, विकसित देशों की मौद्रिक नीतियों का दबाव है, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती दिख रही है और युद्धों के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है, भारत का यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि भरोसे का दस्तावेज होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई है, लेकिन इसका सीधा लाभ हर घर तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। मध्यम वर्ग, जो कर व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, आज सबसे अधिक अपेक्षाएं लगाए बैठा है। यह वर्ग केवल कर में छूट नहीं चाहता, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरतों में राहत चाहता है। वेतनभोगी परिवारों के लिए बढ़ती किस्तें, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और मकान का सपना लगातार महंगा होता जा रहा है।

ऐसे में उम्मीद है कि कर कटौती की सीमा बढ़े, ताकि हाथ में बचने वाली आय से रोजमर्रा का जीवन थोड़ा आसान हो सके। केवल आयकर की दरों में बदलाव ही नहीं, बल्कि मकान ऋण पर मिलने वाली ब्याज छूट को बढ़ाने से लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिल सकता है। आज शहरों में एक साधारण घर भी मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर होता जा रहा है, ऐसे में सस्ते आवास को प्रोत्साहन देना सामाजिक स्थिरता के लिए भी जरूरी है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम आदमी की चिंता और भी गहरी है। बीमारी आज केवल शारीरिक संकट नहीं, बल्कि आर्थिक आपदा बन जाती है। निजी अस्पतालों की बढ़ती लागत और बीमा प्रीमियम ने मध्यम और निम्न आय वर्ग को डरा रखा है। यदि स्वास्थ्य बीमा पर कर में अधिक छूट मिले, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रावधान हों और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का दायरा बढ़े तो यह बजट वास्तव में जीवन रक्षक साबित हो सकता है। आयुष आधारित उपचार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मजबूती और दवाओं की सस्ती उपलब्धता जैसे कदम आम परिवार के लिए राहत की सांस होंगे। ग्रामीण भारत और किसान इस देश की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। आधी से अधिक आबादी आज भी खेती और उससे जुड़े कामों पर निर्भर है, लेकिन आय की अनिश्चितता और बढ़ती लागत ने किसान को असुरक्षित बना दिया है। किसानों को मिलने वाली प्रत्यक्ष सहायता राशि में वृद्धि, सस्ते ऋण की सीमा बढ़ाना और फसल बीमा को अधिक पारदर्शी तथा त्वरित बनाना समय की मांग है। सिंचाई परियोजनाओं में बड़े निवेश से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि गांवों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। जब गांव मजबूत होंगे, तभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव कम होगा और सामाजिक संतुलन बना रहेगा। लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका भी इस बजट में

केंद्र में रहनी चाहिए। ये उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। आसान ऋण, सरल कर व्यवस्था और तकनीकी सहायता से ये इकाइयां आत्मनिर्भर बन सकती हैं। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को प्रोत्साहन देने से सामाजिक बदलाव भी आएगा।

गांव और कस्बों में यदि छोटे उद्योग फलते-फूलते हैं, तो पलायन रुकेगा और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी। महिलाएं और युवा किसी भी देश के भविष्य की असली पूंजी होते हैं। महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति की भी शर्त है। स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों और कौशल प्रशिक्षण योजनाओं को यदि मजबूत समर्थन मिले तो महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की सहभागी बनेंगी। युवाओं के लिए रोजगार सृजन सबसे बड़ी चुनौती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी नौकरी न मिलना आज लाखों युवाओं की हकीकत है। यदि बजट में प्रशिक्षु कार्यक्रम, नई नौकरियों के लिए प्रोत्साहन और नवाचार आधारित उद्यमों को सहायता मिले तो यह निराशा उम्मीद में बदल सकती है। शिक्षा पर निवेश लंबे समय का निवेश होता है। विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षा तक गुणवत्ता सुधारना आवश्यक है। व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को समाज की मुख्यधारा में लाने से युवाओं को रोजगार योग्य बनाया जा सकता है। डिजिटल माध्यमों से दूरदराज के क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचाने से ग्रामीण और शहरी बच्चों के बीच की खाई कम होगी। जब शिक्षा सशक्त होगी, तभी जनसंख्या का लाभ वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलेगा। स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे पर खर्च किसी भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। अस्पताल, डॉक्टर, जांच सुविधाएं और चिकित्सा उपकरण यदि सुलभ होंगे तो जनता का भरोसा मजबूत होगा।

इसी तरह सड़क, रेल, हवाई संपर्क और ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश से न केवल रोजगार पैदा होते हैं, बल्कि पूरे देश की उत्पादकता बढ़ती है। स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल योजनाओं से आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य तैयार किया जा सकता है। जब घरों की छतों पर सौर ऊर्जा पहुंचेगी। इससे बिजली का खर्च घटेगा और प्रदूषण भी कम होगा। निर्मला सीतारमण के पिछले बजटों में नीति की निरंतरता दिखी है। बड़े सुधारों के साथ-साथ स्थिरता बनाए रखने की कोशिश रही है। इस बार भी उनसे यही अपेक्षा है कि वे विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन साधें। आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब उसका असर आम आदमी की थाली, जेब और भविष्य की सुरक्षा पर दिखे। विदेशी निवेश, निर्यात और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि लाभ केवल चुनिंदा वर्गों तक सीमित न रह जाए। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी पूरी होगी, जब गांव का किसान, शहर का मजदूर, मध्यम वर्ग का कर्मचारी, महिला उद्यमी और पढ़ा-लिखा युवा सभी खुद को इस विकास यात्रा का हिस्सा महसूस करें। यह बजट केवल सरकार की मंशा का नहीं, बल्कि देश की दिशा का संकेत देगा। यदि इसमें उम्मीदों और यथार्थ के बीच संतुलन बना, तो यह केवल नौवां बजट नहीं, बल्कि विश्वास का दस्तावेज बन सकता है। आम आदमी आज चमत्कार नहीं, बल्कि ईमानदार कोशिश चाहता है। अगर यह कोशिश दिखाई दी तो 2047 के सपने की राह और भी स्पष्ट हो जाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष

डॉ. मोनिका शर्मा

स्वदेशी सामानों के उपयोग के समर्थक थे महात्मा गांधी

समाज को सामाजिक-पारिवारिक और नैतिक रूप से मजबूत बनाने का संदेश देने के साथ ही महात्मा गांधी ने देश की आर्थिक सबलता को भी महत्वपूर्ण माना था। भारत को आत्मनिर्भर बनाने का भाव उनके विचारों का ही नहीं, व्यवहार का भी हिस्सा रहा। आर्थिक सबलता और आत्मनिर्भरता के इसी लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के समय स्वदेशी सामानों को अपनाने का मंत्र दिया था। अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देकर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का उनका यह विचार आज के दौर में और भी प्रासंगिक लगता है। वस्तुतः, 'स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ' का नारा देते हुए गांधी जी रोजगार, स्वावलंबन और सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए देश को सशक्त बनाना चाहते थे। गांधी ने स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से समाज के हर वर्ग से विदेशी वस्तुओं का परित्याग कर देश में बने उत्पादों के उपयोग का आग्रह किया था। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में आज स्वदेशी सामानों को अपनाने की इस राह पर चलने का संकल्प और जरूरी हो चला है। विकसित देशों की धमकियों और दबदबे से बाहर आने के लिए देशवासियों का देश में बने सामानों को समर्थन देना बहुत आवश्यक है। सुखद है कि बीते कुछ वर्षों से देश को आत्मनिर्भर बनाने वाली 'वोकल फॉर लोकल' की मुहिम बल भी पा रही है। प्रधानमंत्री मोदी कई अवसरों पर देशवासियों से स्वदेशी सामान खरीदने की अपील करते रहे हैं। खासकर त्योहारी मौसम में हर भारतीय से 'मेड इन इंडिया' उत्पादों का उपयोग बढ़ाने का आग्रह रहा है। कुछ

समय पहले देशवासियों को लिखे एक खुले पत्र में प्रधानमंत्री ने लिखा था कि 'हर बार जब आप अपने देश के कारीगर, मजदूर और उद्योगों द्वारा बनाए गए सामान खरीदते हैं तो आप न सिर्फ रोजगार को बढ़ावा देते हैं बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका भी सुरक्षित करते हैं। मैं दुकानदारों और व्यापारियों से अपील करता हूं कि वे 'मेड इन इंडिया' सामान ही बेचें और गर्व से कहें- जो खरीदेंगे वो स्वदेशी, जो बेचेंगे वो स्वदेशी। विचारणीय है कि स्वदेशी चीजों को अपनाना युवाओं का पलायन रोकने से लेकर महिलाओं को सशक्त बनाने तक, कई पक्षों से गहराई से जुड़ा है। यह हर तरह से भारत की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने वाला भाव और झुकाव है। ज्ञात हो कि महिलाओं की एक बड़ी आबादी स्वदेशी उत्पाद बनाने वाले उपक्रमों से जुड़ी है। रोजगार हो या स्वरोजगार, देशी सामानों के उत्पादन से महिलाओं की बड़ी आबादी जुड़ी है। विशेषकर त्योहार मौसम में महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, सजावटी सामग्री और खाद्य पदार्थों की बिक्री सीधे-सीधे महिलाओं को फायदा पहुंचाती है। ध्यातव्य है कि हर वर्ष त्योहारों की श्रृंखला का समय देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यह रेखांकित करने योग्य है कि भारत की बेहतरी से जुड़े बदलाव के मोर्चे पर अब आमजन भी डटे दिखते हैं। अपने देश को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी सामानों की खरीद को प्राथमिकता दी जाने लगी है। जनमानस भारत में बनी चीजों को अपनाने के प्रति जागरूक हुआ है। अब त्योहारी मौसम में चीनी सामानों की बिक्री में भारी गिरावट के साथ 'मेड इन इंडिया' उत्पादों की लोकप्रियता का असर साफ नजर आता है। साल-दर-साल स्थानीय कारीगरों और भारतीय कंपनियों के उत्पादों को खरीदने में लोगों की रुचि बढ़ रही है। विदेशी सामानों के बजाय देश में बने उत्पादों प्राथमिकता देने से स्थानीय लोगों को तो फायदा हुआ ही देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिल रहा है। ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और अर्थव्यवस्था को बल देने के मोर्चे पर बापू के विचार आज भी प्रासंगिक लगते हैं। निस्संदेह, महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन का मंत्र अपनाते हुए वैश्विक पटल पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार किया सकता है। आर्थिक सुधारों से जुड़ी इस मुहिम को देशवासियों की सरोकारी समझ का साथ मिलना सबसे जरूरी है। यह समझ संस्कृति को सहेजने और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने वाली है। सुखद है कि समय के साथ देश में बनी चीजों को खरीदने और उनके इस्तेमाल को लेकर गर्व का भाव भी आ रहा है। स्वदेशी सामानों को प्राथमिकता देकर हर भारतीय देश को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान दे सकता है। घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और विदेशी आयात पर निर्भरता घटाने में हर भारतवासी एक अहम भूमिका निभा सकता है। जरूरी है कि गांधी द्वारा देखे गए आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए हर नागरिक अपने दायित्वबोध को समझे।

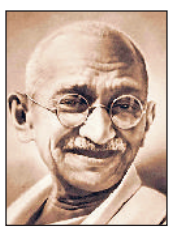

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

निरंतर रूप से निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो। विवेकशील या विद्वान व्यक्ति की प्रतिस्पर्धा प्रायः स्वयं से होती है।

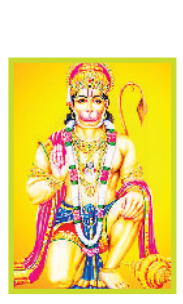

शिव जी के अंशावतार हैं हनुमान जी

संकलित
प्रेरणा

शिव जी के 19 अवतारों में से एक अवतार है हनुमान। इसे शिव जी का अंशावतार माना जाता है। त्रेता युग में जब रावण का आतंक बढ़ गया, तब विष्णु जी राम अवतार लेने वाले थे। उस समय सभी देवताओं ने श्रीराम की सेवा और मदद करने के लिए अलग-अलग अवतार लिए थे। शिव जी ने श्रीराम के परमभक्त हनुमान जी के रूप में अवतार लिया था। जब श्रीराम अश्वमेध यज्ञ कर रहे थे। उनका यज्ञ घोड़ा घूमते-घूमते देवपुर नगर पहुंचा। उस नगर के राजा थे वीरमणि। वीरमणि शिव भक्त थे। राजा के पुत्र रुक्मांगद ने यज्ञ के घोड़े को बंदी बना लिया था। जब ये बात जब श्रीराम के भाई शत्रुघ्न को मालूम हुई तो उन्होंने देवपुर पर आक्रमण कर दिया। शत्रुघ्न और वीरमणि की सेना का युद्ध शुरू हुआ तो हनुमान जी भी वीरमणि की सेना खत्म करने लगे। राजा की हार होती देखकर शिव जी राजा की ओर से युद्ध करने लगे। युद्ध में जब शिव जी और हनुमान जी का सामना हुआ तो हनुमान जी ने उनसे पूछा कि आप तो राम भक्त हैं। फिर हमसे युद्ध क्यों कर रहे हैं। शिव जी ने कहा कि मैंने राजा वीरमणि को उसके राज्य की रक्षा करने का वचन दिया है इसलिए मुझे राजा की ओर से युद्ध करना पड़ रहा है, वह मेरा प्रिय भक्त है। शिव जी और हनुमान जी के बीच युद्ध हुआ, लेकिन जब शिव जी पराजित नहीं हुए तो उन्होंने श्रीराम का स्मरण किया। जब श्रीराम युद्ध में पहुंचे तो शिव जी राजा वीरमणि के साथ श्रीराम की शरण में चले गए। इस तरह ये युद्ध शांत हो गया।

झांकी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में जम्मू और कश्मीर की झांकी ने देश भर में दूसरा स्थान हासिल किया है, जिसमें इस क्षेत्र की सदियों पुरानी कला, हस्तशिल्प और लोक परंपराओं का चित्रण किया गया।

आज की पाती

समाचार पत्रों का महत्त्व

हमारे देश में 29 जनवरी को, राष्ट्रीय समाचार पत्र दिवस मनाया जाता है। हमारे देश का पहला समाचार पत्र 29 जनवरी, वर्ष 1780 को प्रकाशित हुआ था। इसे हिक्कीज़ बंगाल गजट के नाम से जाना जाता था। राष्ट्रीय समाचार पत्र दिवस का मुख्य उद्देश्य समाचार पत्रों के महत्व और इसके उद्देश्य के प्रति जागरूकता और सम्मान देना भी है। आज न्यूज चैनलों की बाढ़ आ जाने के बावजूद हर कोई अखबार का इंतजार जरूर करता है। नेता हो, अभिनेता या फिर आमजन, हर कोई अखबार में ही खबर पढ़कर संतुष्ट होता है। देश की जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा समाचार पत्रों को अहमियत देता है। यह आमजन की मूलभूत समस्याओं को सत्ताधारियों तक पहुंचाने में भूमिका अदा करते हैं। स्वतंत्रता संग्रामों और आंदोलनों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भी प्रेस ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

- कमलेश चतुर्वेदी, दुर्ग

ट्रेंड

स्वदेशी हथियार हाइटेक

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि हमारे स्वदेशी हथियार कितने एडवांस और हाइटेक हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रक्षा नवाचार आज हमारी फोर्सेस को और आधुनिक बना रहे हैं, जिससे हमारे युवा साथियों के लिए संभावनाओं का बहुत विस्तार हुआ है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कम्प्लीट टूरिस्ट डेस्टिनेशन

हर्ष का विषय है कि जोधपुर ने पर्यटन के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 38 लाख से अधिक पर्यटकों के आगमन ने सिद्ध कर दिया है कि जोधपुर अब विश्व का नया 'कम्प्लीट टूरिस्ट डेस्टिनेशन' बन चुका है।

- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

यूजीसी के नियम

सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नए नियम पर रोक लगाने का फैसला उचित, जबकि देश में, इस मामले में सामाजिक तनाव आदि का वातावरण पैदा ही नहीं होता, अगर यूजीसी नए नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

घुसपैठियों को संरक्षण

ममता बनर्जी के पास 15 सालों के शासन के बाद बताने के लिए अपनी उपलब्धियां तक नहीं हैं। और तो और, अब वो रोहिंग्याओं व बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने के अपने कुकृत्य पर भी पर्दा डालना चाह रही हैं।

-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

करंट अफेयर

नेपाल के मुस्तांग में भारी बर्फबारी से ट्रेकिंग रोकी गई

नेपाल के मुस्तांग क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण अधिक ऊंचाई वाले पांच मार्गों पर ट्रेकिंग को रोक दिया गया है। प्रशासन ने ट्रेकिंग करने वालों को इन पांच मार्गों का उपयोग नहीं करने की सलाह दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बर्फबारी के बाद, लोकप्रिय पर्यटन स्थल मुस्तांग को मनांग से जोड़ने वाले सरिबुंग दर्रे, मेसो कुन्डो दर्रे, थोरोंग ला दर्रे, मुस्तांग को डोलपा से जोड़ने वाले यक्खरक मार्ग और म्याग्दी और मुस्तांग को जोड़ने वाले धौलागिरी ट्रेकिंग मार्ग पर ट्रेकिंग रोक कर दी गई है। हर साल, हजारों लोग मुख्य रूप से मुक्तिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए बर्फ से ढके पहाड़ों के पास स्थित मुस्तांग जिले में आते हैं। ये रास्ते अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित हैं और बर्फबारी के दौरान बेहद जोखिम भरे माने जाते हैं। मुख्य जिला अधिकारी अजिता शर्मा ने बताया कि तीन पड़ोसी जिलों से मुस्तांग को जोड़ने वाले ट्रेकिंग मार्ग भारी बर्फबारी के कारण बेहद जोखिम भरे हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'हमें जानकारी मिली है कि कुछ ट्रेकिंग मार्गों पर चार फीट तक बर्फ जमा हो गई है। अगर पर्यटक फंस जाते हैं तो बचाव अभियान बेहद मुश्किल हो जाएगा।'

ऑफ बीट

मांसपेशियों में व्यायाम के बाद हल्का दर्द क्यों होता है

जब हममें से कई लोग इस खराब मौसम से उबरने के लिए जिम जाते हैं या दौड़ने जाते हैं, तो उन्हें मांसपेशियों में थोड़ा अतिरिक्त दर्द महसूस हो सकता है। ऐसा खास तौर से तब होता है जब कसरत किए कुछ समय हो गया हो। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि ऐसा दर्द मांसपेशियों में लैक्टिक एसिड के निर्माण के कारण होता है। हालाँकि, शोध से पता चलता है कि लैक्टिक एसिड का इससे कोई लेना-देना नहीं है। सच्चाई कहीं अधिक दिलचस्प है, लेकिन थोड़ी अधिक जटिल भी है। यह लैक्टिक एसिड नहीं है। हम दशकों से जानते हैं कि लैक्टिक एसिड का व्यायाम के बाद मांसपेशियों में होने वाले दर्द से कोई लेना-देना नहीं है। वास्तव में, जैसा कि हम में से एक (रॉबर्ट एंड्रयू रॉबर्ट्स) ने लंबे समय से तर्क दिया है, कोशिकाएं लैक्टेट का उत्पादन करती हैं, लैक्टिक एसिड का नहीं। यह प्रक्रिया वास्तव में मांसपेशियों और रक्तप्रवाह में एसिड के निर्माण का विरोध नहीं करती है। दुर्भाग्य से, लोग अभी भी व्यायाम के संबंध में 'लैक्टिक एसिड' शब्द का उपयोग करते हैं। जब आप व्यायाम करते हैं तो लैक्टेट उन मांसपेशियों के लिए बड़ी समस्या पैदा नहीं करता है जिनका उपयोग आप करते हैं। आपकी कार्यशील मांसपेशियों को होने वाले अन्य लाभों के कारण संभवतः इसके बिना आपकी स्थिति और भी खराब हो जाएगी।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

एजेंसी ▶▶ बारामती

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को उनके गृहनगर बारामती में अंतिम विदाई दी गई। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान विद्या प्रतिष्ठान मैदान में भारी संख्या में समर्थक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे। बेटे पार्थ और जय पवार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। अपने नेता के आखिरी दर्शन करने के लिए समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग नम आंखों से अजित को अंतिम विदाई दी।

'अजित दादा' पंचतत्व में विलीन

परिवार समेत समर्थकों ने नम आंखों से दी विदाई, उमड़ा जनसैलाब

बेटे पार्थ और जय पवार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी, शाह समेत कई केंद्रीय और राज्य के मंत्री भी रहे शामिल

'अजित दादा अमर रहें' के नारे से गूंजा बारामती

पिता अजित पवार को मुखाग्नि देते उनके पुत्र

अंतिम संस्कार की रस्में दोपहर में शुरू हुईं। अजित के बेटों, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ उनके गांव काटेवाड़ी से विद्या प्रतिष्ठान मैदान लाया गया। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने अजित दादा अमर रहें के नारे लगाए।

अंतिम संस्कार में शामिल हुए कई केंद्रीय मंत्री

इस दुखद घड़ी में देश और राज्य के कई बड़े नेता बारामती पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। एनसीपी प्रमुख शरद पवार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी थे।

पूरा परिवार रहा मौजूद कई मुख्यमंत्री भी पहुंचे

अजित की चचेरी बहन और सांसद सुप्रिया सुले सुनेत्रा पवार को सांत्वना देती रहीं। अंतिम संस्कार में प्रफुल्ल पटेल, रामदास अठावले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे और अशोक चव्हाण जैसे दिग्गज नेता भी शामिल हुए।

ब्लैक बॉक्स बरामद

हादसे की जांच के लिए पुलिस ने आकस्मिक मौत (एडीआर) का मामला दर्ज किया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। इसमें फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर शामिल हैं, जिससे हादसे की असली वजह पता चल सकेगी।

विमानन मंत्री ने महाराष्ट्र सीएम फडणवीस को लिखा पत्र और जांच में सहयोग मांगा

विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार से सहयोग मांगा, ताकि पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की तेजी से जांच की जा सके। इस विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोग मारे गए थे।

खबर संक्षेप

भाजपा के जोशी बने चंडीगढ़ के नए मेयर

चंडीगढ़। भाजपा ने एक बार फिर चंडीगढ़ के मेयर पद पर कब्जा कर लिया है। सौरभ जोशी चंडीगढ़ के

नए मेयर बन गए हैं। गुरुवार को निगम सदन में मेयर चुनाव हुआ। इस बार चुनाव हाथ उठाकर करवाया गया। चुनाव प्रिजाइडिंग अफसर रमणीक बेदी ने शुरू करवाई। जोशी को 18 वोट मिले। कांग्रेस ने वोटिंग के बाद वॉकआउट किया।

साध्वी प्रेम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर से एक सनसनीखेज और भावनात्मक मामला सामने आया है। सनातन

धर्म के प्रचार से जुड़ी साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के करीब 4घंटे बाद सोशल मीडिया पर उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से एक कथित सुसाइड नोट पोस्ट होने से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

मेधा मानहानि केस में एलजी सक्सेना बरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को सामाजिक कार्यकर्ता मेधा

पाटकर द्वारा दायर मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सक्सेना को आरोपों से बरी कर दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने कहा कि कोई मान्य और ठोस सबूत पेश नहीं किए गए।

दंपती ने किया सुसाइड 3 बच्चों को दिया जहर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएटा में दंपती और बच्चों को जहरीला पदार्थ खिलाने का मामला सामने आया

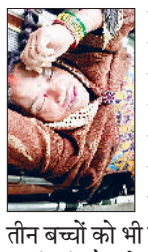

है। ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र में बुधवार रात घरेलू कलह के चलते दंपती ने जहरीला पदार्थ खा लिया और तीन बच्चों को भी खिला दिया। दंपती की मौत हो गई है। तीनों बच्चों का इलाज चल रहा है।

आम चुनावों से पहले हत्या, बलात्कार और धार्मिक स्थलों पर हमले-तोड़फोड़ के 42 मामले सामने आए

बांग्लादेश में थमने का नाम नहीं ले रही अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल के बाद भारत के निकट पड़ोसी देश बांग्लादेश में इन दिनों जल्द होने वाले आम चुनावों को लेकर गहमागहमी का दौर चल रहा है। तमाम भागीदार अपनी किस्मत आजमाने के लिए चुनावी मैदान में जोर आजमाइश में जुटे हुए हैं। इन सबके बीच हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी भीषण हिंसा का असली सवाल जस का तस बना हुआ है।

जिस पर भारत ने नहीं बल्कि खुद बांग्लादेश की 'हिंदू, बौद्ध, क्रिश्चन यूनिटी काउंसिल' गंभीर सवाल उठाए हैं। जिसमें उसने कहा कि चुनावों से ठीक 14 दिन पहले अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा का सिलसिला जारी है और अब तक कुल 42 मामले सामने आ चुके हैं। जिसमें हत्या की 11 घटनाएं, बलात्कार की 1 घटना, मंदिरों और गिरजाघरों जैसे पवित्र धार्मिक स्थलों पर किए गए हमलों और लूट की 9 घटनाएं मुख्य रूप से शामिल हैं। इसके अलावा अल्पसंख्यकों के लोगों के घरों और व्यापार करने की जगहों पर उपद्रवियों द्वारा की गई तोड़फोड़ तथा लूट की 21 घटनाएं सामने आई हैं।

इन तमाम वजहों के साथ ही भीड़ द्वारा लगातार जारी हिंसा की वजह से अल्पसंख्यकों के मन में खासतौर पर युवाओं और महिलाओं के मन में डर और असुरक्षा का माहौल है। ये लोग न तो सामान्य रूप से अपना खुद का बिजनेस कर पा रहे हैं। बल्कि आंतरिक

विस्थापन को लेकर भी इनकी जद्दोजहद जारी है। जिसे मौजूदा दौर में यह एक सुरक्षित विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

बताते चलें कि बांग्लादेश में अगले महीने 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। जिसमें भारत में शरण ली हुई पूर्व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग की कोई भागीदारी नहीं देखने को नहीं मिलेगी। क्योंकि ढाका की मौजूदा मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने उनके खिलाफ पिछले साल छात्रों के प्रदर्शन को आक्रामक रूप से दबाने के लिए चलाए गए एक मुकदमे में मौत की सजा सुनाई है।

समावेशी चुनाव पर लगा प्रश्नचिन्ह

संगठन ने कहा कि बांग्लादेश के मौजूदा हालातों के बीच यह बिल्कुल भी संभव नहीं दिखाई देता कि ढाका में सभी पक्षों की भागीदारी के साथ समावेशी चुनाव संभव हो सकेगा। इसके आयोजन में कई चुनौतियां विद्यमान हैं। जिसमें सांप्रदायिक समूहों के घृणा से भरे हुए भाषण और बाकी धर्मों से संबंध रखने वाले लोगों के खिलाफ जारी हिंसा का सिलसिला है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह लोग उनसे अपनी एक अलग राय रखते हैं। समूचे माहौल में सामाजिक समरसता और सद्भाव की भावना विलुप्त हो गई है।

अंतरिम सरकार कायम करे शांति

संगठन ने कहा कि बांग्लादेश के इस चिंताजनक हालात को सुधारने की पूरी जिम्मेदारी मौजूदा अंतरिम सरकार को लेनी चाहिए। हम चुनाव आयोग से लेकर अन्य सरकारी प्रतिनिधियों से यह अपील करते हैं कि जल्द हालात पर काबू पाएं। जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के मन में बैठा हुआ डर और असुरक्षा की भावना को दूर किया जा सके।

भारत, बांग्लादेश ने रिहा किए 151 मछुआरे

उधर, भूलवश अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा को पार करने वाले 151 मछुआरों को उनकी नौकाओं और अन्य जरूरी साजो-सामान के साथ 29 जनवरी को भारत और बांग्लादेश ने पारस्परिक रूप से रिहा कर दिया है। जिसमें बांग्लादेश द्वारा रिहा किए गए 23 भारतीय मछुआरे और भारत द्वारा रिहा किए गए बांग्लादेश के 128 मछुआरे शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इसी क्रम में दोनों देशों ने पिछले साल जनवरी और दिसंबर महीने में भी उक्त मामले में गिरफ्तार किए गए मछुआरों को रिहा किया था। जिसमें बांग्लादेश ने भारत के 142 और भारत ने बांग्लादेश के 128 मछुआरों को रिहा किया था। दोनों देशों द्वारा उठाए गए इस कदम के पीछे की बड़ी वजह मछुआरों के समुदाय के प्रति बनी हुई मानवता की भावना और उनकी आजीविका संबंधी चिंताओं को प्राथमिकता प्रदान करना है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद से बांग्लादेश में मौजूदा भारतीय उच्चायोग ने मछुआरों को तमाम जरूरी सहायता प्रदान की है।

मनरेगा को कमजोर करने की कोशिशों के खिलाफ़ श्रमिकों की आवाज़, राहुल से मिले हरियाणा के मनरेगा मज़दूर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से गुरुवार को जनसंसद में हरियाणा से आए मनरेगा श्रमिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर केंद्र की मोदी सरकार पर मनरेगा को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का आरोप लगाया। श्रमिकों ने कहा कि मनरेगा केवल रोज़गार योजना नहीं, बल्कि देश के करोड़ों गरीब और मेहनतकश परिवारों के स्वाभिमान, आज़ादी और न्यूनतम सुरक्षा की गारंटी है, जिसे मौजूदा सरकार खत्म करने पर तुली हुई है।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार का मनरेगा को बर्बाद करने का मकसद साफ है। इससे मज़दूरों से दिहाड़ी के मोल-भाव का अधिकार छीनना, पंचायतों की शक्तियां खत्म कर उनके हाथ बांधना, राज्यों से अधिकार छीनकर उन्हें दिल्ली में केंद्रित करना और देश को फिर से ऐसे दौर में धकेलना, जहां सत्ता और संपत्ति कुछ गिने-चुने लोगों के हाथों में सिमट जाए। श्रमिकों ने बताया कि मनरेगा के तहत न्यूनतम मज़दूरी, साल में 100 दिन काम की गारंटी और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार मिला, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई और पलायन रुका। उन्होंने कहा कि इन बदलावों को हासिल करने में दशकों का संघर्ष लगा, लेकिन आज सरकार बजट कटौती, भुगतान में देरी, काम के दिनों में कमी और नियमों को जटिल बनाकर इस योजना को खोखला कर रही है।

संसद से सड़क तक आवाज उठाएंगे: राहुल

मजदूरों का कहना था कि पहले वे एक आवाज में कहते थे... "मनरेगा ने हमारी जिंदगी बदली।" लेकिन आज हालात ऐसे बना दिए गए हैं कि वही श्रमिक कहने को मजबूर हैं, उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि "मोदी सरकार मजदूरों को गुलाम बनाने वाली सरकार है।" राहुल गांधी ने श्रमिकों की बात ध्यान से सुनते हुए कहा कि मनरेगा संविधान की सामाजिक न्याय की भावना का प्रतीक है और इसे कमजोर करना सीधे तौर पर गरीबों, दलितों, आदिवासियों और ग्रामीण भारत पर हमला है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी मजदूरों के हक़ की इस लड़ाई में उनके साथ खड़ी है और संसद से सड़क तक मनरेगा को मजबूत करने की आवाज़ उठाती रहेगी। श्रमिकों ने मांग की कि मनरेगा के बजट में बढ़ोतरी की जाए, बकाया मज़दूरी का तुरंत भुगतान हो, दिनों की संख्या बढ़ाई जाए और पंचायतों को फिर से अधिकार दिए जाएं। यदि सरकार ने मनरेगा को कमजोर करने की नीति नहीं बदली, तो श्रमिक आंदोलन तेज़ होगा।

सोशल मीडिया ट्रैवल कंटेंट की निगरानी न संभव है, न व्यावहारिकः राज्यसभा में केंद्रीय पर्यटन मंत्री का जवाब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रैवल से जुड़े कंटेंट में लगातार हो रही बढ़ोतरी पर संज्ञान लिया है, लेकिन मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बड़ी संख्या में सोशल मीडिया यूजर्स और इन्फ्लुएंसर्स के कारण प्रत्येक कंटेंट की निगरानी या उसका नियमन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाला अधिकांश ट्रैवल कंटेंट यूज़र जनरेटेड होता है, जिसे विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर स्वतंत्र रूप से साझा किया जाता है। ऐसे में मंत्रालय के पास न तो इस प्रकार के इन्फ्लुएंसर-आधारित प्रचार की प्रामाणिकता जांचने का कोई अलग तंत्र है और न ही उसकी सुरक्षा या विश्वसनीयता को सत्यापित करने की कोई स्वतंत्र व्यवस्था। मंत्री ने सदन को बताया कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स की संख्या बहुत अधिक है और वे कई अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय हैं। इस स्थिति में किसी एक मंत्रालय द्वारा हर व्यक्ति या पोस्ट पर निगरानी रखना न तो संभव है और न ही व्यावहारिक।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पर्यटन मंत्रालय देश और विदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक और प्रमाणिक माध्यमों का उपयोग करता है। मंत्रालय द्वारा पर्यटन से जुड़ी सही और अद्यतन जानकारी 'इनक्रेडिबल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म' (आईआईडीपी) तथा मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

शेखावत ने कहा कि मंत्रालय का प्रयास है कि पर्यटकों को विश्वसनीय, सुरक्षित और प्रमाणिक जानकारी मिले, ताकि वे अपनी यात्रा से जुड़े निर्णय सही तथ्यों के आधार पर ले सकें। इसके लिए सरकार आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को मजबूत कर रही है और पर्यटन से संबंधित सूचनाओं का केंद्रीकृत और पारदर्शी प्रसार किया जा रहा है।

सदन में दिए गए इस जवाब के बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया है कि बढ़ते डिजिटल प्रभाव के दौर में ट्रैवल इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका तो बढ़ रही है, लेकिन उनकी ओर से दी जा रही जानकारी की सत्यता और सुरक्षा को लेकर अभी भी कोई स्पष्ट निगरानी व्यवस्था मौजूद नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई क्षेत्र के सीईओ और विशेषज्ञों से की चर्चा, 'एआई फॉर ऑल' के विज़न को आगे बढ़ाने पर ज़ोर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–एआई) के क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख कंपनियों के सीईओ और विशेषज्ञों के साथ उच्चस्तरीय संवाद किया।

यह बैठक आगामी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट (फरवरी में प्रस्तावित) के मद्देनज़र आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना, एआई नवाचारों को सामने लाना और भारत के एआई मिशन के लक्ष्यों को तेज़ी से आगे बढ़ाना है।बैठक के दौरान उद्योग जगत के सीईओ और विशेषज्ञों ने एआई तकनीक में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य के प्रति अपना मजबूत समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत को एआई का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और संसाधनों की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नई तकनीकों को हर क्षेत्र में अपनाना समय की आवश्यकता है, ताकि उनका उपयोग राष्ट्रीय विकास में किया जा सके। उन्होंने प्रमुख क्षेत्रों में स्वदेशी तकनीक के अधिकतम उपयोग पर भी बल दिया।

आगामी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी कंपनियों और विशेषज्ञों को इस मंच का उपयोग नए अवसरों की तलाश और विकास की दिशा में लंबी छलांग लगाने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के माध्यम से भारत ने अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया है और इसी तरह की सफलता एआई के क्षेत्र में भी दोहराई जा सकती है।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का पैमाना, विविधता और लोकतंत्र इसे एक विशिष्ट देश बनाते हैं, जिसके कारण दुनिया भारत की डिजिटल अवसंरचना पर भरोसा करती है। अपने 'एआई फॉर ऑल' के विज़न को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि भारत को ऐसी तकनीक विकसित करनी चाहिए।

सीबीआई अकादमी गाजियाबाद में रिकॉर्ड बैच का पासिंग आउट परेड, सभी को दी कानून की जानकारी

134 सब-इंस्पेक्टर प्रशिक्षण पूर्ण कर बने जांच की नई ताकत, अध्ययन भ्रमण भी कराया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अकादमी, गाजियाबाद में गुरुवार को 134 सब-इंस्पेक्टरों के रिकॉर्ड बैच का भव्य पासिंग आउट परेड (पीओपी) आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीबीआई निदेशक प्रवीन सूद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह परेड 15 मई 2025 से प्रारंभ हुए बेसिक प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक रही। प्रशिक्षण के दौरान नवप्रशिक्षु सब-इंस्पेक्टरों को कानून एवं जांच कौशल, भ्रष्टाचार निरोधक मामलों की जांच, पारंपरिक अपराध, खुफिया जानकारी संकलन, आर्थिक अपराध, साइबर अपराध, बैंक धोखाधड़ी, मोबाइल फॉरेंसिक, फॉरेंसिक मेडिसिन एवं फॉरेंसिक साइंस जैसे विषयों में गहन प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही सीबीआई शाखाओं, न्यायालयों, स्थानीय पुलिस थानों, राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), एम्स, सेबी आदि संस्थानों में

फील्ड अटैचमेंट और अध्ययन भ्रमण भी कराया गया।

अपने संबोधन में सीबीआई निदेशक प्रवीन सूद ने प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उनके परिवारों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सीबीआई अकादमी के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा सब-इंस्पेक्टर बैच है। उन्होंने बैच में 18 महिला अधिकारियों की भागीदारी को संगठन में बढ़ती लैंगिक विविधता का सकारात्मक संकेत बताया। सीबीआई निदेशक सूद ने अकादमी को हाल ही में कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन से मिली 5-स्टार रेटिंग का भी उल्लेख किया।

नव नियुक्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पासिंग आउट परेड के साथ समाप्त नहीं होता, बल्कि असली सीख तो फील्ड में शुरू होती है। बदलती चुनौतियों के दौर में अधिकारियों को आजन्म सीखने की प्रवृत्ति अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने आधुनिक जांच में तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि एआई जांच को तेज और प्रभावी बनाने का साधन है, लेकिन मानव विवेक का स्थान नहीं ले सकता।

समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

सत्यव्रत सिंह को डी.पी. कोहली अवार्ड (सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड एसआई प्रशिक्षु) एवं डीसीबीआई ट्रॉफी (इंडोर स्टडीज)

साहिथ्या जी. को साइबर अपराध जांच ट्रॉफी

शेखर बलियान को जॉन लोबो ट्रॉफी (सर्वश्रेष्ठ आउटडोर)

रक्षित कुमार को सीबीआई अकादमी ट्रॉफी (निष्ठा एवं अनुकरणीय आचरण) प्रदान की गई।

इस अवसर पर सीबीआई निदेशक ने सीबीआई अकादमी में विकसित "ट्रेनिंग एंड रिसर्च इन एडवांस साइबर एविडेंस लैब" का भी उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला साइबर अपराध जांच, डिजिटल फॉरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए समर्पित होगी, जहां जांच अधिकारियों को साक्ष्य की जब्ती से लेकर अदालत में प्रस्तुतिकरण तक की वास्तविक परिस्थितियों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम में सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारी-विशेष निदेशक मनोज शशिधर, विशेष निदेशक संपत मीना, अतिरिक्त निदेशक एन. वेंकुगोपाल एवं ए.वाई.वी. कृष्णा सहित अन्य विभागों और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

■ देश के भीतर उपभोक्ता खर्च के लिए नकद का इस्तेमाल अब भी बढ़ रहा

एटीएम से निकासी 2025 में घटी प्रति लेनदेन की राशि बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में एटीएम से नकद निकासी में 2025 के दौरान गिरावट देखी गई जबकि प्रति लेनदेन की औसत राशि बढ़ी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वित्तीय संस्थानों को लॉजिस्टिक समर्थन और एटीएम संचालन से जुड़ी सेवाएं देने वाली कंपनी सीएमएस इन्फो सिस्टम्स की रिपोर्ट 'भारत में उपभोग रुझान 2025' कहती है कि देश के भीतर उपभोक्ता खर्च के लिए नकद का इस्तेमाल अब भी बड़े पैमाने पर हो रहा है।

शिक्षा, आतिथ्य व मनोरंजन में खर्च घटा है

वहीं, शिक्षा, आतिथ्य और मीडिया एवं मनोरंजन में खर्च क्रमशः सात, नौ और 15 प्रतिशत घटा। सीएमएस के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अनुष राघवन ने कहा, /"वर्ष 2025 के दौरान जीएसटी सुधार और अन्य वृहद-आर्थिक दबावों के बीच भारतीय उपभोक्ता ने खर्च में कटौती नहीं की, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं को संतुलित किया।/"

उपभोक्ता अधिक सोच समझकर खर्च कर रहा

राघवन ने कहा कि उपभोक्ता अब अधिक सोच-समझकर खर्च कर रहे हैं और अस्थायी विलासिता से मूल्य, सुरक्षा और उपयोगिता की तरफ रुख कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति संगठित खुदरा और उपभोक्ता उत्पादों के क्षेत्र में मजबूत वृद्धि के रूप में नजर आई।

जीएसटी सुधार के बाद खर्च के रुझान में आया बदलाव

कंपनी ने दुकानदारों से संबंधित नकदी प्रबंधन आंकड़ों के आधार पर उपभोक्ता खर्च के रुझान भी साझा किए। सितंबर महीने में जीएसटी सुधारों के बाद खर्च के रुझान में बदलाव देखे गए। बीमा क्षेत्र पर 2025 में उपभोक्ता व्यय 25 प्रतिशत रहा जो सरकार की पहल से 32 प्रतिशत बढ़ा।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

■ सेंसेक्स 222 और निफ्टी 76 अंक मजबूत

टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8-7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा। बीएसई सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं निफ्टी 76.15 अंक चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा स्टील ने सबसे अधिक 4.41 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 71,450 करोड़ रुपये होने का नतीजा देने वाली लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में भी 3.66 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक भी लाभ में रहे।

नई दिल्ली। इण्डिन ऑयल कार्पोरेशन लिए द्वारा आवास एयर से एक समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए दोनों अधिकारीयह समझौता पत्र हवाई परिवहन के लिए ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए हस्ताक्षर किया गया। चित्र में दोनों अधिकारी इसे समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए।

आईटीसी के लाभ में मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली। विविध क्षेत्रों में कार्यरत प्रमुख कंपनी आईटीसी लिमिटेड का दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली रूप से बढ़कर 5,018 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसने 5,013 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। तीसरी तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व बढ़कर 21,707 करोड़ रुपये हो गया।

रुपये तीन पैसे सुधरकर 91.96 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। विदेशी कोषों की बिकवाली और वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने की धारणा कमजोर होने के बीच, अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 91.96 पर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर के करीब बंद हुआ और निम्नतम स्तर के आसपास जा पहुंचा है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 92 के अपने अब तक के सबसे निचले दिन के कारोबार के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का भी रुपये पर दबाव पड़ा।

विश्व स्वर्ण परिषद ने वर्ष 2025 के लिए जारी की रिपोर्ट

कीमतों में आए रिकॉर्ड उछाल से 2025 में भारत में सोने की मांग 11 प्रतिशत घटी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कीमतों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और उपभोक्ताओं के खरीद व्यवहार में बदलाव के कारण वर्ष 2025 में भारत की सोने की मांग में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

डब्ल्यूजीसी की '2025 की स्वर्ण मांग के रुझान' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सोने की कुल मांग 2025 में गिरकर 710.9 टन रह गई, जो 2024 में 802.8 टन थी। परिषद का अनुमान है कि 2026 में देश में सोने की मांग 600 से 700 टन के बीच रह सकती है।

सोने की मांग 7,51,490 करोड़ रुपए तक पहुंची

हालांकि, कीमतों में भारी उछाल के कारण मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग 30 प्रतिशत बढ़कर 7,51,490 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष यह 5,75,930 करोड़ रुपये थी।

2025 में सोने ने 60 फीसदी रिटर्न दिया

जैन ने कहा, /"शादियों के सीजन के बावजूद ऊंची कीमतों और महंगाई के कारण आभूषणों की बिक्री में 23 प्रतिशत की कमी आई। 2025 में सोने ने 60 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया और 53 बार सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ।/"इसके विपरीत, निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ी है। चौथी तिमाही में निवेश मांग 26 प्रतिशत बढ़कर 96 टन रही, जबकि इसका मूल्य 108 प्रतिशत उछलकर 1,20,700 करोड़ रुपये हो गया।

■ उपभोक्ताओं के खरीद व्यवहार में बदलाव के कारण गिरावट दर्ज

■ भारत में सोने की मांग गिरकर कुल 710 .9 टन रह गई

■ वर्ष 2024 में भारत में सोने की मांग 802,8 टन थी

सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक हुई

वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डब्ल्यूजीसी की '2025 की स्वर्ण मांग के रुझान' रिपोर्ट के अनुसार, कुल सोने की मांग 2025 में 5,002 टन के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 4,961.9 टन थी।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मांग दो फीसदी बढ़ी

रिपोर्ट में कहा गया कि यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से निवेश मांग में तेज उछाल के कारण हुई, जो 2025 में बढ़कर 2,175.3 टन हो गई जबकि यह 2024 में 1,185.4 टन थी। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उपभोक्ता मांग दो प्रतिशत बढ़कर 1,345.3 टन हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,318.5 टन थी।

ऊंची कीमतों के कारण उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव

डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ - भारत) सचिन जैन ने बताया, वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में सोने की मांग पर ऊंची कीमतों और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार का असर स्पष्ट दिखा। मात्रा के आधार पर इस तिमाही में मांग नौ प्रतिशत गिरकर 241.3 टन रही, लेकिन मूल्य के आधार पर यह 49 प्रतिशत बढ़कर करीब 3,03,470 करोड़ रुपये हो गई।"

आभूषणों की मांग 24 फीसदी घटकर 430 टन रही

वर्ष 2025 के दौरान आभूषणों की कुल मांग 24 प्रतिशत घटकर 430.5 टन रही, जो 2024 में 563.4 टन थी। हालांकि, मूल्य के लिहाज से यह 12 प्रतिशत बढ़कर 4,54,390 करोड़ रुपये रही।

आईपीओ में भारत दुनिया भर में अग्रणी बनकर उभरा

नई दिल्ली। संसद में गुरुवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा के अनुसार देश के प्राथमिक पूंजी बाजार ने वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया है। अनिश्चित वैश्विक माहौल के बावजूद भारत आईपीओ के मामले में दुनिया भर में एक अग्रणी देश बनकर उभरा है। समीक्षा में कहा गया कि मजबूत आर्थिक आधार, घरेलू निवेशकों की भारी भागीदारी और सेबी के नियामकीय सुधारों ने बाजारों को मजबूती प्रदान की। दुनिया भर में व्यापारिक बाधाओं, अस्थिर पूंजी प्रवाह और कंपनियों के असमान मुनाफे के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इसके बावजूद भारतीय बाजार अडिग रहे।

कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन ने बाजार को दिया सहारा: इसके अलावा, घटती मुद्रास्फीति और दूसरी तिमाही में कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन ने भी बाजार को सहारा दिया।

आरबीआई एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदेगी

■ केंद्रीय बैंक डॉलर-रुपया अदला-बदली नीलामी करेगी आयोजित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वह बैंकों में नकदी डालने के लिए एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदेगा और 10 अरब डॉलर की डॉलर-रुपया अदला-बदली नीलामी आयोजित करेगा। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि वह 29 जनवरी और पांच फरवरी को दो किस्तों (प्रत्येक 50,000 करोड़ रुपये) में कुल 1,00,000 करोड़ रुपये की केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों की ओएमओ (खुले बाजार का परिचालन) खरीद नीलामी आयोजित करेगा। इससे पहले, केंद्रीय बैंक ने घोषणा की थी कि ये नीलामी पांच फरवरी और 12 फरवरी को आयोजित की जाएगी। एक दूसरे बयान में केंद्रीय बैंक ने कहा कि वह चार फरवरी को तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब डॉलर की ''अमेरिकी डॉलर-रुपया खरीद/बिक्री'' स्वैप नीलामी आयोजित करेगा। यह स्वैप रिजर्व बैंक की ओर से एक साधारण विदेशी मुद्रा खरीद/बिक्री के रूप में होगा।

लेन-देन सहमति से होगा

इसके तहत, एक बैंक रिजर्व बैंक को अमेरिकी डॉलर बेचेगा और साथ ही स्वैप अवधि के अंत में उतनी ही राशि के अमेरिकी डॉलर वापस खरीदने के लिए सहमत होगा।

ईरान में अशांति का भारतीय कंपनियों पर खास असर नहीं

मुंबई। घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि ईरान में अशांति का भारतीय कंपनियों पर अब तक कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हालांकि तनाव जारी रहने या बढ़ने पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की स्थिति में तेल रिफाइनिंग, विमानन और कच्चे तेल से जुड़े क्षेत्रों जैसे विशेष रसायन, पेंट, पेट्रोकेमिकल्स और सिंथेटिक वस्त्र उद्योग पर असर पड़ सकता है। क्रिसिल ने कहा, /"ईरान में जारी अशांति का अब तक भारत के वैश्विक व्यापार या घरेलू कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर कोई खास असर नहीं पड़ा है।/" रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, ईरान की वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति में चार प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत में 500 की छंटनी करेगी अमेजन

■ कर्मियों को नोटिस मिलने शुरू, बढ़ भी सकती है यह संख्या

बेंगलुरु। वैश्विक ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन अपने भारत स्थित टेक, प्रोडक्ट और ऑपरेशंस टीमों में कम से कम 500 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रहा है। इस मामले से परिचित लोगों का दावा है कि आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है। यह छंटनी अमेजन द्वारा दुनिया भर में किए जा रहे लगभग 16,000 कर्मचारियों के बड़े स्तर के पुनर्गठन का हिस्सा है। घटनाक्रम से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा कि इस बार भारत में असर अपेक्षाकृत कम है। करीब 500 लोग प्रभावित हुए हैं, लेकिन आने वाले दिनों में यह संख्या 800 तक जा सकती है। बेंगलुरु जैसे शहरों में कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचना दी जा रही है और आने वाले दिनों में और कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी जाएगी। 28 जनवरी से लोगों को नोटिस मिलने शुरू हो गए हैं। कंपनी बैचों में कर्मचारियों को सूचित कर रही है। इसके अलावा इस वैश्विक पुनर्गठन के तहत अमेरिका और यूरोप की कुछ उच्च-लागत वाली भूमिकाओं को भारत में स्थानांतरित किया जा रहा है।

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने भारी बर्फबारी के बीच श्रीनगर-कटरा खंड का निरीक्षण किया; शून्य से नीचे तापमान में कर्मचारियों की सुरक्षा को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने आज श्रीनगर से कटरा रेल खंड का गहन निरीक्षण किया। यह निरीक्षण ऐसे महत्वपूर्ण समय में किया गया है जब कश्मीर घाटी भारी बर्फबारी और शून्य से नीचे (सब-जीरो) तापमान के कारण मौसम की कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही है। प्रमुख स्टेशनों और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण अपने दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने श्रीनगर, पंपोर, अनंतनाग और काजीगुंड सहित कई प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भीषण सर्दी के बावजूद यात्रियों को असुविधा न हो। श्री वर्मा ने विभिन्न सुरंगों और पुलों पर चल रहे रखरखाव और निर्माण कार्यों की समीक्षा पर विशेष ध्यान दिया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली दक्षिण द्वारा स्कूल में प्रतियोगिता का आयोजन

नई दिल्ली। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली दक्षिण द्वारा हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार हेतु दिनांक 27.01.2026 को अटल आदर्श विद्यालय, नौरोजी नगर, दिल्ली 110029 में भाषण प्रतियोगिता एवं राजभाषा क्विज, दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें **VII** से **IX** कक्षा के 60 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार दिए गए। भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। प्राचार्य एवं स्कूल स्टाफ सदस्यों को यूनियन बैंक की ओर से मोमेंटो भी प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के आरंभ में अंचल कार्यालय से श्री सत्येंद्र कुमार, वरिष्ठ प्रबन्धक द्वारा विद्यार्थियों को विश्व हिन्दी दिवस के विषय में जानकारी दी गई।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत
मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0 सं0	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	82261035	सेकुकिनुमाब इंजेक्शन 150mg	341	18–02–2026

निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं. टेबलेट/इंजेक्शन और दवाएं
दिनांक:–29.01.2026 325/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली –110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	टेंडर सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1.	82261026	इंजेक्शन पर्टुजुमैब 420 मि.ग्रा.	225 नग	24.02.2026
2.	82261029	इंजेक्शन सेटक्सिमैब 500 मि.ग्रा.	200 नग	20.02.2026
3.	82269943	इंजेक्शन TDM-1 (एडो–ट्रास्टुजुमैब एम्टैनसीन) 160 मि.ग्रा.	420 नग	26.02.2026
4.	82262174	टैबलेट सेमाग्लूटाइड 7 मि.ग्रा.	45990 नग	23.02.2026
5.	82261196	इंसुलिन एस्पार्ट एवं इंसुलिन डिग्लुडेक इंजेक्शन 30/70, 100 IU प्रति मि.ली., 3 मि.ली. कार्ट्रिज (मध्यम अवधि प्रभावी इंसुलिन)	8706 नग	23.02.2026

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।
टेंडर नोटिस सं.: टेबलेट/इंजेक्शन और दवाएं
दिनांक: 29.01.2026 321/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग़ में जांच के नाम पर दिखावे का खेल

नई दिल्ली। डॉक्टरों को सदियों से समाज ने भगवान का स्वरूप माना है लेकिन जब यही भगवान अपनी संवेदना और नैतिकता को बेचकर मौत का सौदा करने लगें तो यह आस्था टूटकर भय और आक्रोश में बदल जाती है। ये कलयुगी बहुरूपिये ठीक वैसे छल करते हैं, जैसे रावण ने मुनि का भेष धारण कर विश्वासघात किया था। ऐसे में मन में सवाल उठता है कि क्या ये तथाकथित भगवान ही अब मौत का चेहरा बन चुके हैं? क्या इस नेक व्यवसाय का इस हद तक व्यापारीकरण हो चुका है कि किसी इंसान की जिन्दगी का भी कोई मूल्य नहीं? क्या लालच और स्वार्थ के आगे मानवता को तिलांजलि देने वाले ऐसे क्रूर हत्यारों की जिम्मेदारी केवल ईश्वर की अदालत तक सीमित है? 30 दिसम्बर 2025 की रात साढ़े आठ बजे वरुण सिंह को मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग में 102F बुखार और बेचैनी की शिकायत के साथ भर्ती कराया गया था। इमरजेंसी में भर्ती होने के दो घंटे बाद तक केवल जांच के नाम पर दिखावे का खेल चलता रहा। तात्कालिक राहत के लिये दवा देने के बजाय, नौसिखिये डॉक्टर सिर्फ समय बर्बाद करते रहे। मनमाने ढंग से एनेस्थीसिया के तीन-तीन इंजेक्शन देकर एम.आर.आई. करवाने ले जाया गया। एनेस्थीसिया के ओवरडोज तथा इलाज में लापरवाही की वजह से वरुण ने एम.आर.आई. मशीन में ही दम तोड़ दिया। मानवीय संवेदनाओं से परे, इसके बाद भी अस्पताल के संवेदनहीन जल्लाद डॉक्टर गिद्ध की तरह केवल धनलोलुपता में इलाज का ढोंग करते रहे। मृतक के पिता एस.आर. सिंह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल तथा देश के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर उक्त अस्पताल में चल रहे कुकृत्य की जांच कर उन पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि मैक्स जैसे नामी अस्पताल बड़े-बड़े डॉक्टरों के नाम का इस्तेमाल केवल अपनी ब्रांडिंग के लिये करते हैं।

शब्द पहेली - 6123

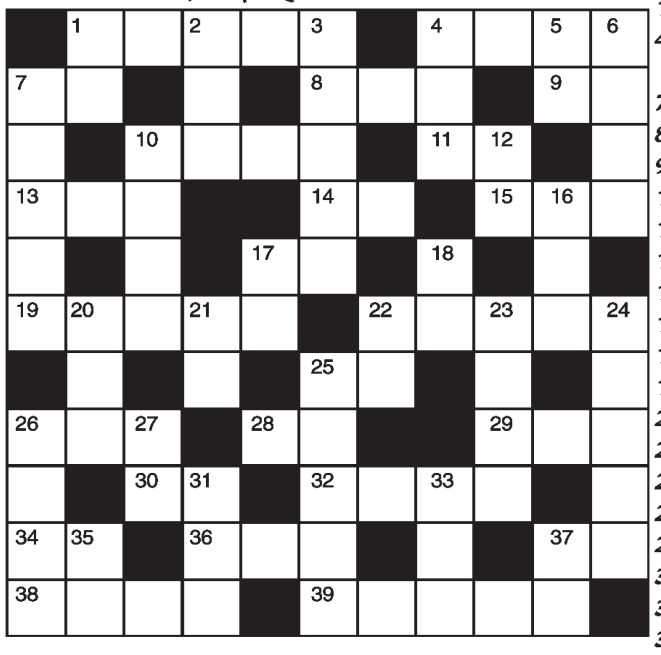

बाएँ से दाए

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 6122 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्यू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

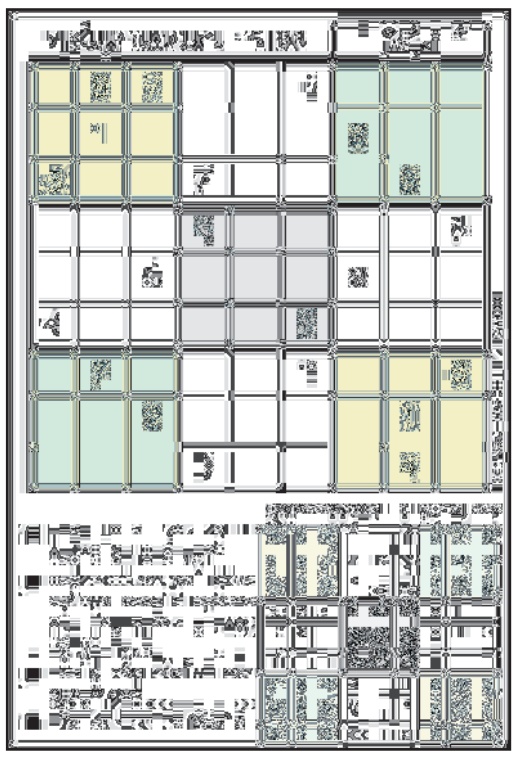

रणजी ट्रॉफी : सौराष्ट्र के उनादकट का कहर, चटकाए 4 विकेट, चंडीगढ़ 136 रन पर ढेर

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

रणजी ट्रॉफी में एलीट ग्रुप बी में सौराष्ट्र के खिलाफ चंडीगढ़ की टीम गुरुवार को घरेलू मैदान पर पहली पारी में महज 136 रन पर ढेर हो गई। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने चंडीगढ़ सेक्टर 16 स्थित क्रिकेट स्टेडियम में अपनी गेंदबाजी से चंडीगढ़ के बल्लेबाजों पर जमकर कहर बरपाया। जयदेव उनादकट ने 14 ओवर में 44 रन देकर चार विकेट चटकाए।

जयदेव उनादकट के अलावा चेतन साकरिया ने 10.1 ओवर में 43 रन और चिराग जानी ने छह ओवर में 18 रन देकर 2-2 विकेट झटके। प्रेरक मांकड़ भी एक विकेट (नौ ओवर में 19 रन) लेने में सफल रहे। चंडीगढ़ के कप्तान मनन वोहरा बिना खाता खोले रन आउट हो गए। मनन वोहरा समेत चंडीगढ़ के चार बल्लेबाज अपना खाता नहीं खोल पाए। शिवम भांबरी, वैभव नारंग बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। ग्याहरवें बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर कार्तिक सांडिल तीन गेंद में अपना खाता नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए।

चंडीगढ़ के अरजित और जगजीत की शानदार बल्लेबाजी

चंडीगढ़ की ओर से विकेटकीपर अरजित सिंह और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जगजीत सिंह संधू संयुक्त रूप से टीम के उच्चतम स्कोरर रहे। अरजित सिंह ने 60 गेंद में पांच चौके और जगजीत सिंह संधू ने 54 गेंद में चार चौके की मदद से 29-29 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों की बात करें तो अर्जुन आजाद 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। राज अंगद बावा ने 27 गेंद में 14, विशु ने 31 गेंद में 18, निशंक बिड़ला ने 27 गेंद में 12 और रोहित ढांडा ने 10 गेंद में तीन रन बनाए।

पंजाब का मजबूत स्कोर अमनजोत ने लगाया अर्धशतक

मोहाली। अमनजोत सिंह चहल के नाबाद 77 रन की मदद से पंजाब ने कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच के पहले दिन 9 विकेट पर 303 रन बनाए। एक समय पर पंजाब का स्कोर छह विकेट पर 168 रन था लेकिन इसके बाद अमनजोत ने एक छोर संभालकर बल्लेबाजी की। अभिजीत गर्ग (81) और कप्तान उदय सहारन (44) ने शीर्षक्रम पर अच्छी पारियां खेली लेकिन मध्यक्रम चल नहीं सका। इक्कीस वर्ष के अमनजोत ने इसके बाद हालांकि कर्नाटक के गेंदबाजों को खासा परेशान किया। पंजाब टीम में वापसी कर रहे इस हरफनमौला ने इससे पहले 2024 में दो मैच खेले थे। कर्नाटक के लिए विद्याधर पाटिल और श्रेयस गोपाल ने तीन-तीन विकेट लिए।

खबर संक्षेप

सेंथिलकुमार और चोटरानी की शानदार शुरुआत

नई दिल्ली। मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन वेलवन सेंथिलकुमार और वीर चोटरानी ने वाशिंगटन में चल रही स्क्वाश ऑन फायर ओपन की पीएसए कांस्य स्तर की प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।
विश्व में 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने इंग्लैंड के टॉम वॉल्श को 12-14, 11-8, 11-8, 11-6 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला मैक्सिको के विश्व के 11वें नंबर के खिलाड़ी लियोनेल कार्डेनास से होगा। विश्व में 49वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने हंगरी के बालाज़ फ़ार्कस को 6-11, 9-11, 11-5, 11-9, 11-3 से हराया और अब उनका मुकाबला फ्रांस के चौथे वरीयता प्राप्त बैपटिस्ट मासोटी से होगा। महिला राष्ट्रीय चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह को पहले दौर में बाई मिली है।

जम्मू में होगी फुटबॉल और क्रिकेट प्रीमियर लीग

जम्मू। जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत करने के उद्देश्य से जम्मू में अगले महीने वाईएसएस-जेकेएससी फुटबॉल और क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि युवा कल्याण एवं खेल विभाग (वाईएसएस) की जम्मू और कश्मीर खेल परिषद (जेकेएससी) के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी खेलों को पुनर्जीवित करना और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। यह लीग सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड, परेड और एमए स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी।
जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के प्रवक्ता ने कहा, 'वाईएसएस-जेकेएससी क्रिकेट और फुटबॉल प्रीमियर लीग जम्मू के पेशेवर क्रिकेट और फुटबॉल टूर्नामेंटों को फिर से शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।'

बरुआ थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

बैंकॉक। भारत की ईशारानी बरुआ ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन प्रतियोगिता के महिला एकल में दक्षिण कोरिया की दूसरी वरीयता प्राप्त सुंग शुओ युन को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत की विश्व नंबर 48 खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 34वीं वरीयता प्राप्त सुंग को कड़े मुकाबले में 21-13, 14-21, 21-14 से मात दी। इशारानी की हमवतन देविका शाइग ने भी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ताइपे की तुंग सिओ-टोंग को 21-14, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। महिला एकल के दूसरे राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सातवें स्थान पर रहीं भारत की किरण जॉर्ज इंडोनेशिया की प्रादिस्का बगास शुजीवो से 16-21, 11-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। थारुन मन्नेपल्ली ने पुरुष एकल में ताइपे के टिंग येन-चेन को 21-17, 14-21, 24-22 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सेमीफाइनल में एरिना ने स्वितोलिना को सीधे सेटों में दी पटखनी

वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियन ओपन के विमेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका ने यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना के खिलाफ 6-2, 6-3 से सीधे सेटों में जीत दर्ज की। इसी के साथ सबालेंका लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंच गईं। सबालेंका शनिवार को मेलबर्न में खिताब के लिए एलिना रिबाकिना और जेसिका पेगुला के बीच मुकाबले की विजेता का सामना करेंगी। सबालेंका को मैडिसन कीज के खिलाफ साल 2023 का फाइनल गंवाना पड़ा था। अब उनके पास फिर से खुद को साबित करने का मौका है।

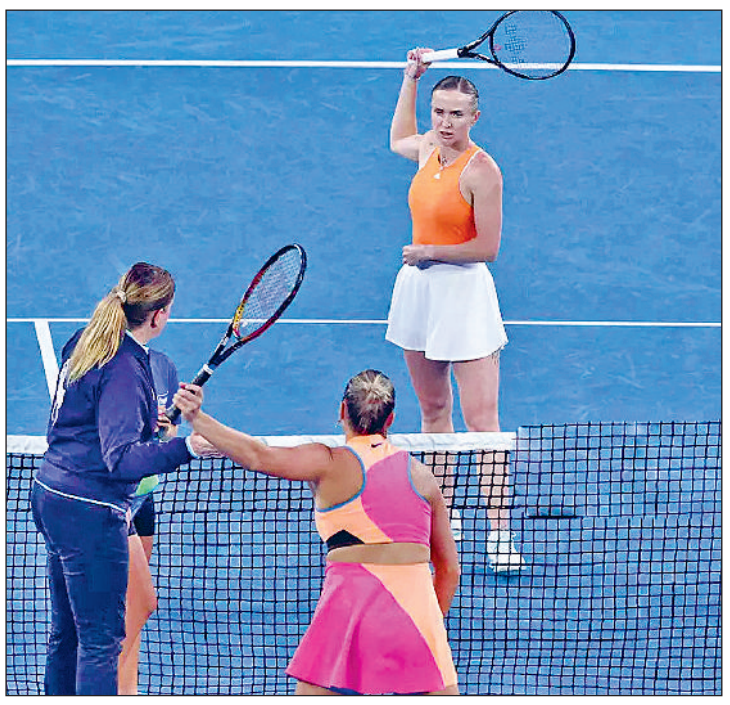

एक अविश्वसनीय उपलब्धि : सबालेंका

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है, लेकिन मेरा काम अभी पूरा नहीं हुआ है। मैं जीत से बहुत खुश हूं। वह (एलिना स्वितोलिना) बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। मैं उनका खेल देख रही थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अविश्वसनीय रूप से खेला। मुझे लगा कि आगे बढ़कर उन पर जितना हो सके उतना दबाव डालना होगा। मुझे खुशी है कि आज मेरा खेल उस स्तर का था। मैंने शानदार टेनिस खेला। मैं सीधे सेटों में जीत हासिल करके खुश हूं।

एरिना को फाइनल में जगह बनाने के लिए लगा एक घंटा

गुरुवार को रोड लेवर एरिना में खेले गए मुकाबले में एरीना सबालेंका ने शुरू से ही मैच में पकड़ बनाए रखी। उन्हें फाइनल में जगह बनाने के लिए करीब एक घंटे का समय लगा। यह मुकाबला एकतरफा रहा, जिसमें सबालेंका ने अपनी पहली सर्विस पर 67 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 79 प्रतिशत अंक जीते। बेलारुसी खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने अपनी पावर और जोरदार सर्विस के साथ स्वितोलिना पर लगातार दबाव बनाए रखा। इस बीच, अपने तीसरे ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब की ओर बढ़ रहीं स्वितोलिना को वापसी का एक भी मौका नहीं मिला।

मुकाबला करने में जूझती रहीं स्वितोलिना

स्वितोलिना, सबालेंका की गति और निरंतरता का मुकाबला करने में जूझती रहीं। यूक्रेनी खिलाड़ी ने अपनी पहली सर्विस पर सिर्फ 56 प्रतिशत और दूसरी पर 50 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने मैच के दौरान तीन डबल फॉल्ट भी किए। टॉप सीड खिलाड़ी ने अपने सात ब्रेक-प्वाइंट्स मौकों में से चार को भुनाया, जबकि स्वितोलिना को चार मौकों में से सिर्फ एक ब्रेक लेने दिया। सबालेंका ने कुल अंकों के मामले में भी अपनी प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ा। दो बार की चैंपियन ने 65 अंक जीते, जबकि स्वितोलिना ने 46 अंक जीते।

कुबलर-पॉल्मन्स का शानदार सफर जारी

मेंस डबल्स फाइनल में एंट्री

मेलबर्न। जेसन कुब्लर और मार्क पोलमैंस की जोड़ी ने अपने ऑस्ट्रेलियन ओपन के शानदार सफर को जारी रखा है। इन खिलाड़ियों ने गुरुवार को ग्रेट ब्रिटेन के ल्यूक जॉनसन और पोलैंड के जैन जिलिंस्की की जोड़ी के खिलाफ 6-2, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज की। इसी के साथ होमटाउन वाइल्डकार्ड ने मेंस डबल्स फाइनल में जगह बना ली है। अब ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी का सामना ग्रेट ब्रिटेन के पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 नील स्कूपस्की और अमेरिकी खिलाड़ी क्रिश्चियन हैरिसन से होगा। इस अनुभवी जोड़ी ने दूसरे सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त मार्सेल ग्रानोलर्स और होरासियो जेबालोस को सीधे सेटों में हरा दिया था।

चोटिल होने के बाद भी कोर्ट में कुब्लर

मुकाबले के दौरान कुब्लर के बाएं घुटने पर पट्टी बंधी हुई थी, जिसका पहले कई बार ऑपरेशन हो चुका है। इसके बावजूद उनके चेहरे पर कोई तकलीफ नहीं दिखी। उन्होंने पहला ब्रेक लेने के लिए हवा में उछलकर जोरदार स्मैश लगाया। इसके बाद दो गेम बाद उन्होंने एड साइड से लगातार रिटर्न विनर लगाए और एक और ब्रेक हासिल किया। इससे वह 5-1 से आगे हो गए। आखिर में पोलमैंस ने बिना कोई अंक गंवाए सर्विस होल्ड की और सेट जीत लिया।

चैंपियंस लीग

नौवें स्थान पर खिसका रियाल मैड्रिड, बेनफिका से मिली हार

एमबाप्पे का शानदार गोल नहीं आए काम

एजेंसी ▶▶| लंदन

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे के दो गोल के बावजूद रियाल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में बेनफिका से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच से पहले रियाल मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर था लेकिन अब वह नौवें स्थान पर खिसक गया, जो अंतिम 16 में सीधे प्रवेश पाने से एक स्थान नीचे है। बेनफिका की तरफ से यूक्रेन के गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में गोल किया। इससे बेनफिका गोल अंतर के आधार पर 24वें स्थान पर पहुंच गया और उसने प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। अनातोली ने जब गोल किया तब रियाल मैड्रिड नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। इससे कुछ मिनट पहले ही राउल अर्सेसियो और रोड्रिगो को लाल कार्ड दिखाए गए थे।

शीर्ष आठ से बाहर रियाल मैड्रिड

स्पोर्टिंग लिस्बन ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की, जिससे रियाल मैड्रिड शीर्ष आठ से बाहर हो गया। स्पोर्टिंग ने अप्रत्याशित रूप से लिवरपूल, टॉटेनहम, बार्सिलोना, चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के साथ शीर्ष आठ में जगह पक्की कर ली। तालिका में शीर्ष पर काबिज आर्सेनल ने कैरात अल्माटी को 3-2 से हराकर लगातार आठवीं जीत दर्ज कीं। वह और दूसरे स्थान पर काबिज बायर्न म्यूनिख पहले ही मार्च में शुरू होने वाले राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए थे।

भारत ने मिश्रित दिव्यांगता टी-20 मैच में इंग्लैंड को सात विकेट से हराया

ग्रेटर नोएडा। भारत ने पांच मैचों की मिश्रित दिव्यांगता टी-20 श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां इंग्लैंड पर सात विकेट की जीत के साथ शानदार आगाज किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने अपने निर्धारित 20 ओवरों में 173 रन बनाए। जवाब में भारत ने 18.5 ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत के लिये प्लेयर ऑफ द मैच विकेटकीपर बल्लेबाज योगेंद्र भदौरिया ने 59 गेंद में छह चौके और पांच छक्के की मदद से 94 रन की पारी खेली। आकाश सिंह ने 15 गेंद में 36 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड के कप्तान कैलम फ्लिन ने 16 गेंदों में आक्रामक 26 रन बनाकर शुरुआती बढ़त दिलाई, वहीं लियान ओ'ब्रायन ने 41 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से संयमित 55 रन बनाकर पारी को संभाला। विकेटकीपर-बल्लेबाज एंगस ग्रांट ब्राउन ने आखिरी ओवरों में 34 गेंदों में 53 रन बनाए और इंग्लैंड को 170 रन के पार पहुँचाया।

डब्ल्यूपीएल: डि क्लर्क और हैरिस के शानदार प्रदर्शन से यूपी को हराकर आरसीबी फाइनल में

भाषा ▶▶| वडोदरा

पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां जोरदार वापसी करते हुए यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यूपी वॉरियर्स के लिए इस हार के बाद प्ले ऑफ में जगह बनाने काफी मुश्किल हो गया है। नाडिन डि क्लर्क के चार विकेट और ग्रेस हैरिस के दो विकेट से आरसीबी ने शानदार शुरुआत करने वाली यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट पर 143 रन पर रोक दिया। टीम ने इसके बाद हैरिस (37 गेंद में 75) और मंधाना (27 गेंद में नाबाद 54) की 108 रन की आक्रामक साझेदारी से महज 13.1 ओवर में दो विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस बड़ी जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए, जिससे टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और पांच टीमों की तालिका में शीर्ष स्थान पर भी कब्जा जमाया। यूपी वॉरियस चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है और एक मैच शेष होने के बावजूद उसका नेट रन रेट भी सबसे खराब है, जिससे उसका अभियान लगभग खत्म होने की कगार पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए 'प्लेयर ऑफ मैच' हैरिस ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने शुरुआती ओवरों में क्रांति गौड़ को निशाना बनाया।

▶▶| वॉरियर्ज को 9 विकेट से हराया
▶▶| मंधाना की फिफ्टी, डी क्लर्क को 4 विकेट

एफआईएच प्रो लीग के लिए हॉकी टीम का ऐलान, मनप्रीत बाहर

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा। दो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीमों के सदस्य और 33 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान मनप्रीत 15 वर्षों में पहली बार शिविर के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं बना पाए हैं। वह हॉकी इंडिया के वर्तमान अध्यक्ष दिलीप टिर्की के साथ 412 मैचों के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। राउरकेला में 10 से 15 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों से पहले 1 से 7 फरवरी तक यह शिविर आयोजित किया जाएगा।

टाटा स्टील मास्टर्स: एरिगैसी की एक और हार

काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने जीती बाजी

एजेंसी ▶▶| विज्क आन जी

भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की।

काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं। एरिगैसी कुछ दिन पहले तक शानदार फॉर्म में थे, लेकिन इस टूर्नामेंट में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और वह अंक तालिका में निचले पायदान पर हैं। उनके 10 मैचों में सिर्फ चार अंक हैं।

प्रज्ञाननंदा ने नीमन के साथ खेला ड्रॉ

टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में भारत के आर प्रज्ञाननंदा ने हैंस मोके नीमन के साथ अपनी बाजी ड्रॉ खेली। पिछले दौर में गुकेश को हराने वाले जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम ने अनीश गिरी को हराकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, जबकि नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट ने जावोखिर सिंदारोव के साथ ड्रॉ खेला।

राज्यसभा के 270वें सत्र की शुरुआतः उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के तहत राज्यसभा के 270वें सत्र की आज शुरुआत हुई। सत्र के शुभारंभ पर भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सदन को संबोधित करते हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया और देश की आर्थिक प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

अपने उद्घाटन संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह अत्यंत उत्साहजनक है कि भारत विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका और प्रभाव के चलते संसद सदस्यों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, ताकि वे देश की आर्थिक दिशा तय करने में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि माननीय राष्ट्रपति के संसद के दोनों सदनों को संबोधन ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की स्पष्ट दिशा तय की है और उसी के अनुरूप राज्यसभा भी अपने विधायी एवं विचार-विमर्श संबंधी दायित्वों का निर्वहन करेगी।

उन्होंने जानकारी दी कि इस सत्र के दौरान 30 बैठकों में केंद्रीय बजट 2026-27 और सरकार द्वारा प्रस्तुत विधायी प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा अवकाश के दौरान विभाग-संबंधी संसदीय स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की अनुदान मांगों की गहन समीक्षा करेंगी। सभापति ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे सदन और समितियों दोनों में सार्थक, प्रभावी और रचनात्मक योगदान दें। उन्होंने कहा कि बजट के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण विधेयक भी सदन के समक्ष आएंगे, जिससे विधायी कार्यभार काफी अधिक रहेगा।

ऐसे में यह सदन की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हर मिनट का सदुपयोग कर जनता की आकांक्षाओं को पूरा किया जाए। राधाकृष्णन ने संसदीय गरिमा, अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मजबूत संसदीय निगरानी, विचारों की विविधता और जीवंत बहस लोकतंत्र की पहचान है। उन्होंने कहा कि मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन सम्मानजनक संवाद और रचनात्मक चर्चा ही संसदीय कार्यवाही का आधार होना चाहिए। महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, "अनुशासित और प्रबुद्ध लोकतंत्र दुनिया की सबसे श्रेष्ठ व्यवस्था है।" उन्होंने कहा कि सदन में सदस्यों का आचरण इसी अनुशासन और प्रबुद्धता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। अपने संबोधन के अंत में उपराष्ट्रपति ने सभी संसदीय दलों के नेताओं और सदस्यों से पूर्ण सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह सत्र समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से यह बजट सत्र संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप सफल और सार्थक रहेगा।

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर 2, 3 और 4 फरवरी को होगी चर्चा

- *प्रधानमंत्री मोदी 4 फरवरी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर, धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देंगे*
- *केंद्रीय बजट पर 5, 9, 10 और 11 फरवरी को बहस होगी*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर 18 घंटे की बहस तय हुई है। यह चर्चा 2, 3 और 4 फरवरी को होगी। जिसका जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को देंगे। इसके बाद केंद्रीय बजट पर भी विस्तृत चर्चा होगी। केंद्रीय बजट पर 5, 9, 10 और 11 फरवरी को बहस होगी। इसके लिए भी कुल 18 घंटे तय किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के संभवतः 11 फरवरी को जवाब को बजट चर्चा का जवाब देंगी। इस बीच, लोकसभा बृहस्पतिवार दोपहर को स्थगित कर दी गई और रविवार 1 फरवरी को सुबह 11 बजे फिर से बैठक करेगी, इसमें वित्तमंत्री बजट पेश करेंगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बृहस्पतिवार को संसद में 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए भारत का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया।यह निर्णय बृहस्पतिवार को लोकसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देंगे। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा में 2026-27 के केंद्रीय बजट पर 5, 9, 10 और 11 फरवरी को सामान्य चर्चा होगी। इस चर्चा के लिए कुल 18 घंटे आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 11 फरवरी को उत्तर दिए जाने की संभावना है। मंगलवार को हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एमजीएनआरईजीए की बहाली, मतदाता सूची के चल रहे एसआईआर और यूजीसी विवाद सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने की मांग की थी।

कोरोना के ग्रहण से बाहर निकलता भारतीय पर्यटन

विदेशी पर्यटकों की आवक में तेज़ सुधार, 2024 में 99.5 लाख विदेशी सैलानी भारत पहुंचे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने बताया है कि भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है। आव्रजन ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तैयार वार्षिक पर्यटन आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत में 99.5 लाख विदेशी पर्यटक पहुंचे। यह संख्या वर्ष 2023 की तुलना में 4.52 प्रतिशत अधिक है, हालांकि यह अभी भी वर्ष 2019 (कोविड-पूर्व अवधि) के स्तर से 8.95 प्रतिशत कम है।

राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि विदेशी पर्यटकों के यात्रा पैटर्न या देश के भीतर उनके गंतव्यों का विस्तृत वर्गीकरण मंत्रालय के पास उपलब्ध नहीं है। पर्यटन मंत्रालय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विदेशी पर्यटक आगमन का संकलन करता है। मंत्री के अनुसार, वर्ष 2024 में विदेशी पर्यटकों की सबसे अधिक आवक वाले शीर्ष पाँच राज्य महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान रहे। ये राज्य अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की कुल आवक में रिकॉर्ड बढ़ोतरीः मंत्रालय ने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन के मामले में भारत ने कोविड-पूर्व स्तर को पार कर लिया है।वर्ष 2019 में आंकड़ा 1.79 करोड़ था। वर्ष 2023 में यह बढ़कर 1.89 करोड़ हो गया। वर्ष 2024 में और बढ़कर 2.05 करोड़ (20.57 मिलियन) तक पहुँच गया। इस प्रकार, अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की कुल संख्या में 2019 की तुलना में 14.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वैश्विक तुलना में भारत की स्थिति मजबूतः पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिहाज से भारत का वैश्विक स्थान 20वां रहा। वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर तुलना करें तो विश्व स्तर पर पर्यटक आगमन लगभग स्थिर रहा, एशिया-प्रशांत क्षेत्र अभी भी कोविड-पूर्व स्तर से पीछे है।

जबकि दक्षिण एशिया ने कोविड-पूर्व स्तर को पार कर लिया है, जिसमें भारत की भूमिका अहम रही।

विदेशी प्रचार पर बढ़ा बजटः अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्रचार और विपणन के लिए पुनर्गठित विदेशी प्रचार एवं पब्लिसिटी योजना के तहत बजट में बढ़ोतरी की गई है। 2024-25 (संशोधित अनुमान): 33 करोड़ रुपए। 2025-26 (संशोधित अनुमान): 43.48 करोड़ रुपए इस राशि का उपयोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की पर्यटन छवि को मजबूत करने और बाजार विकास सहायता के लिए किया जाएगा।

पर्यटन क्षेत्र में रोज़गार बढ़ा

तीसरे पर्यटन सैटेलाइट अकाउंट और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षणों के अनुमान के अनुसार, पर्यटन क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2018-19 में पर्यटन क्षेत्र में 7.58 करोड़ लोगों के लिए रोजगार उत्पन्न कर पाया जबकि 2023-24 में पर्यटन क्षेत्र में रोजगार तेजी से बढ़ते हुए 8.46 करोड़ लोगों को उपलब्ध हुआ। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय के पास लिंग-आधारित या ग्रामीण-शहरी विभाजन के अनुसार रोजगार के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। कुल मिलाकर, सरकार का कहना है कि भारतीय पर्यटन क्षेत्र ने कोविड महामारी के बाद तेजी से रिकवरी की है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत एक बार फिर प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

केंद्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्री चौहान कल एक दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे

गिरहोला–खपरी में खेत भ्रमण, कुम्हारी में किसान मेले में होंगे शामिल केंद्रीय मंत्री शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार 31 जनवरी को एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे। राजधानी रायपुर, दुर्ग एवं नया रायपुर में होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से वे किसानों से सीधा संवाद करेंगे, वहीं मुख्यमंत्री और राज्य के मंत्रियों सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

केंद्रीय मंत्री चौहान रायपुर से गिरहोला, खपरी (जिला दुर्ग) के लिए प्रस्थान करेंगे और वे ग्राम गिरहोला एवं ग्राम खपरी में खेत भ्रमण और पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे। यहां वे केंद्र की प्रमुख कृषि योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई आदि के लाभों पर भी चर्चा करेंगे, ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं से जुड़ सकें। दोपहर के बाद चौहान गांव खपरी से निकलकर दुर्ग जिले के कुम्हारी पहुंचेंगे, जहां वे छत्तीसगढ़ यूथ प्रोग्रेसिव फार्मर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित किसान मेले में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में वे आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण, किसान उत्पादक संगठनों, डिजिटल एग्रीकल्चर और ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के रोडमैप पर अपने विचार रखेंगे। किसान मेले और किसान संवाद के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाओं पर विशेष रूप से प्रकाश डालेंगे, जिनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को सीधे लाभांतरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जरिए प्राकृतिक आपदाओं से फसल सुरक्षा, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, डिजिटल कृषि मिशन और ड्रोन तकनीक के उपयोग पर बल देने के साथ ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए गांवों की बुनियादी ढांचा एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण पर विशेष चर्चा करेंगे। इन योजनाओं के प्रभाव से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में किसानों- ग्रामीणों की आय बढ़ाने, उनकी समृद्धि तथा गांवों को सड़कों, आवास और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मजबूत बनाने का संदेश वे विस्तार से रखेंगे।

केंद्रीय मंत्री चौहान नया रायपुर स्थित महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के कृषि मंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं की प्रगति का आकलन करेंगे। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों के निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास स्वीकृति एवं निर्माण की स्थिति, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण, साथ ही प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के विस्तार, बीज एवं खाद की उपलब्धता, क्रेडिट सुविधा, एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड आदि विषयों की समीक्षा की जाएगी।

राहुल की नागरिकता को चुनौती देने वाला मामला टांय-टांय फिस्स

राहुल गांधी को राहतः ब्रिटिश नागरिकता के आरोप पर एफआईआर की मांग खारिज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एसीजेएम कोर्ट ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता को लेकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि यह याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और अदालत के पास किसी व्यक्ति की नागरिकता या राष्ट्रीयता तय करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है।

एसीजेएम आलोक वर्मा ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा, "यह याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है, जिसे निश्चित रूप से हतोत्साहित किया जाना चाहिए। इस कोर्ट के पास किसी की भी नागरिकता या राष्ट्रीयता से संबंधित प्रश्न पर फैसला करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। अतः यह आवेदन स्वीकार किए जाने योग्य नहीं है।"

क्या था मामलाः यह याचिका कर्नाटक भाजपा के सदस्य एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के पास ब्रिटिश नागरिकता है और इस आधार पर उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम, पासपोर्ट अधिनियम और यहां तक कि आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए।

याचिकाकर्ता के आरोपः याचिका में दावा किया गया कि राहुल गांधी एक ब्रिटेन में पंजीकृत कंपनी 'बैकॉप्स लिमिटेड' से जुड़े रहे हैं। इसके साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि भारत में सांसद चुने जाने के बावजूद उनका नाम लंदन की चुनावी सूची में बना रहा। याचिकाकर्ता ने यहां तक दावा किया कि उन्होंने राहुल गांधी का ब्रिटिश पासपोर्ट भी देखा है।

कोर्ट का रुखः हालांकि, कोर्ट ने इन सभी दावों को आधारहीन मानते हुए कहा कि इस प्रकार के आरोपों पर निर्णय देना न तो मजिस्ट्रेट कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आता है और न ही इस तरह की याचिका के जरिए एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिकता से जुड़े प्रश्नों का निर्धारण सक्षम संवैधानिक और वैधानिक प्राधिकरणों द्वारा ही किया जा सकता है।

राजनीतिक हलकों में प्रतिक्रियाः कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने इसे विपक्ष के नेता को बदनाम करने की कोशिश करार दिया, जबकि कानूनी जानकारों का कहना है कि यह आदेश न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग पर सख्त संदेश देता है।

सभी तरह की हवाई आवाजाही को मिलेगा बल, बिना धूल-मिट्टी के रनवे पर उतरेंगे सेनाओं के उड़नखटोले

अब नहीं चलेगी दुश्मन की कोई चाल, सेना ने लेह एयरफोर्स स्टेशन में बनाया नया रनवे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

समुद्रतल से करीब 11 हजार फीट की ऊंचाई पर चीन से लगी सीमा के करीब स्थित भारतीय वायुसेना के एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक ठिकाने लेह एयरफोर्स स्टेशन के नाम एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हो गई है।

जिसमें सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) के इंजीनियरों ने अत्यधिक ऊंचाई और हांड कंपा देने वाली ठंड के बीच 21 महीने के रिकॉर्ड समय में स्टेशन पर एक समानांतर रनवे (समानांतर टैक्सी ट्रैक) का निर्माण कर दिया है। यहां सवार्धिक ध्यान खींचने वाली बात यह है कि वर्ष 1960 के दशक तक इस स्थान पर धूल भरी एक हवाई पट्टी हुआ करती थी। लेकिन अब उसकी जगह एक पक्के और मजबूत रनवे ने ले ली है। बीते बुधवार को लद्दाख के राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नए रनवे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ वायुसेना की पश्चिमी कमांड के वरिष्ठ एयर स्टाफ अधिकारी एयर मार्शल जेएस मान भी मौजूद रहे। रनवे के जरिए सैन्य (बड़े मालवाहक विमानों के साथ लड़ाकू विमान

शामिल) और नागरिक उड़ानों की आवाजाही में आसानी होगी। भारत की सीमाई सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सेना ने बताया सराहनीय उपलब्धिः सेना ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी देते हुए बताया कि '1960 के दशक की धूल भरी हवाई पट्टी से लेकर आज के विश्वस्तरीय हवाईअड्डे तक एमईएस के इंजीनियरों ने लेह वायुसेना स्टेशन पर उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। जिसमें दुर्गम ऊंचाई पर अत्यधिक ठंड के बीच रिकॉर्ड 21 महीनों में एक नए रनवे का निर्माण किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि देश की रणनीतिक तैयारियों को बढ़ाती है और क्षेत्रीय विकास को भी अपना समर्थन प्रदान करती है। यह एमईएस, वायुसेना और लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश के बीच असाधारण तालमेल का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है'।

2023 में हुई प्रोजेक्ट की शुरुआतः इस परियोजना की शुरुआत वर्ष 2023 में कुल करीब 452 करोड़ रुपए की लागत के साथ की गई थी। जो कि रिकॉर्ड समय में पूरी हुई है। समानांतर टैक्सी ट्रैक में मुख्य रूप से बड़े विमानों के अभियान संचालन के लिए दो जगह और 5 टैक्सी लिंक का निर्माण किया गया है। हालांकि लेह में वायुसेना स्टेशन पर मुख्य रनवे पहले से मौजूद है। लेकिन किसी आपात परिस्थिति, युद्ध के हालात में या अन्य आवश्यकता जैसे मरम्मत के वक्त पर इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। जिससे न सिर्फ हवाई आवाजाही बनी रहेगी। बल्कि सामरिक सुरक्षा भी किसी रूप में बाधित नहीं होगी।

सशस्त्र सेनाओं की सुप्रीम कमांडर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की समारोह की अध्यक्षता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सशस्त्र सेना प्रमुखों सहित कई वीवीआईपी मेहमानों की समारोह में रही मौजूदगी

भारतीयता के रंग में रंगा विजय चौक का नजारा, बीटिंग द रिट्रीट के साथ संपन्न हुआ गणतंत्र दिवस समारोह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

आजाद भारत के संविधान को लागू किए जाने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस से जुड़े चार दिवसीय आयोजन का गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के विजय चौक चौराहे पर आयोजित किए गए बीटिंग द रिट्रीट समारोह के साथ औपचारिक रूप से समापन हो गया है। जिसकी अध्यक्षता सेना, वायुसेना और नौसेना की सर्वोच्च कमांडर यानी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की। उनके अलावा आयोजन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सशस्त्र सेनाप्रमुखों सहित कई अन्य गणमान्य हस्तियां भी मौजूद रहीं।

यूं हुआ समारोह का आगाजः रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हर बार की तरह ही इस वर्ष भी समारोह की थीम भारतीयता के रंग में रंगी हुई थी। जबकि इसके केंद्र में कहीं न कहीं

राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ की झलक साफ तौर पर नजर आई। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति के आगमन के साथ बिगुल वादकों द्वारा किए गए तूर्यनाद से हुई और उसके बाद महामहिम को तीनों सेनाओं और अन्य अर्धसैन्यबलों द्वारा राष्ट्रीय सैल्यूट दिया गया। फिर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रगान हुआ और उसी के साथ हर खासो आम को मंत्रमुग्ध कर देने वाली मिलिट्री बैंड की धुनों (धीमी-तेज चाल के साथ) के सिलसिले की शुरुआत हुई। सबसे पहले सेनाओं के सामूहिक बैंड ने कदम-कदम बढ़ाए जा की धुन बजाई।

नौसेना के बैंड ने खींचा ध्यानः समारोह में भारतीय नौसेना के बैंड ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को प्रदर्शित करती तीन आकृतियां बनाईं। जबकि वायुसेना के मिलिट्री बैंड ने पिछले साल सेवामुक्त हुए अपने लड़ाकू विमान मिग-21 की आकृति बनाई। ब्रह्मोस मिसाइल, ऑपरेशन सिंदूर, भैरव बटालियन, गरुड़ व्यू रचना, 2025 की महिला विश्व कप विजेता की टीम, भारत का नक्शा और देश के भविष्य के स्वदेशी मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की आकृति भी समारोह के दौरान सैन्य बैंड ने बनाई। इसके अलावा सैन्य बैंड ने कई राष्ट्रभक्ति के गानों से जुड़ी हुई धनें भी बजाई, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वंदे मातरम, आनंद मठ, जय हो इसमें मुख्य हैं। समारोह के समापन पर विजय चौक के आसपास मौजूद राष्ट्रपति भवन, संसद भवन समेत तमाम सरकारी इमारतें जगमगाती रोशनी से प्रकाशमान की गईं। इस बार समारोह की दर्शक दीर्घाओं के नाम भारतीय वाद्य यंत्रों जैसे बांसुरी, डमरू, एकतारा, तबला, वीणा और सितार के नाम पर रखे गए थे।

दो बार रद्द हुई बीटिंग द रिट्रीटः गौरतलब है कि बीटिंग द रिट्रीट सदियों पुरानी उस सैन्य परंपरा का प्रतीक है। जब सूर्यास्त होने पर सेना युद्ध बंद कर देती थी। इस दौरान जैसे ही बिगुल वादक समापन की धुन बजाते सैनिक युद्ध बंद कर देते थे और अपने शस्त्रास्त्र समेत कर युद्ध के मैदान से लौट जाते थे। इसी क्रम समापन धुन बजने के दौरान अविचल खड़े रहने की परंपरा आज तक कायम है। समापन पर ध्वज और पताकाएं खोलकर रख दी जाती हैं और झंडे उतार दिए जाते हैं। ड्रम वादन उन दिनों की याद दिलाता है जब कस्बों और शहरों में तैनात सैनिकों को सायंकाल एक नियत समय पर उनके सैन्य शिविरों में बुला लिया जाता था। भारत में इस समारोह की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। लेकिन बीते वक्त में दो बार इस रद्द किया गया है। जिसमें 2001 में गुजरात के भुज में आए भूकंप और उसके बाद 2009 में पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमण के निधन की वजह से यह समारोह रद्द कर दिया गया था।

चंडीगढ़ में एआई शिखर सम्मेलन कल

हरियाणा को एआई का हब बनाने का विजन रखेंगे मुख्यमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हब बनाने और सूचना प्रौद्योगिकी में नए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से राज्य सरकार के सहयोग से दी इंडस एंटरप्रेन्योर्स चंडीगढ़ (टी.आई.ई) कल शनिवार को चंडीगढ़ में पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा।

इस एआई शिखर सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जो राज्य सरकार की तकनीक-आधारित विकास और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस शिखर सम्मेलन का थीम "ग्लोबल एआई – रियल इम्पैक्ट" रखा गया है, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से वास्तविक दुनिया में प्रभावशाली और सार्थक परिणाम उत्पन्न करना है।

शिखर सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य अतिथि शामिल होंगे, जिनमें ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर चंडीगढ़, निदेशक, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया तथा हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

इस एआई शिखर सम्मेलन में लगभग 60 से अधिक वक्ता भाग लेंगे। यह शिखर सम्मेलन 4 देशों और भारत के 11 राज्यों से वक्ताओं को एक मंच पर लाएगा, जिससे इसे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर विशेष पहचान मिलेगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109